Website : www.mantrabharat.com

जुनून है सच लिखने का

हिन्दी दैनिक

E-Mail : mantragwalior@gmail.com

संस्करण : ग्वालियर
वर्ष : 03
अंक : 239
पृष्ठ : 8
मूल्य : 2.00
शनिवार,28 मार्च 2026

मंत्र भारत

ग्वालियर, मुम्बई, लखनऊ एवं प्रयागराज,से एक साथ प्रकाशित एवं गोरखपुर, वाराणसी, आजमगढ़ से प्रसारित

2 फोरलेन पार करते समय
4 कमाल के हैं आपके मोबाइल फोन में छिपे ये
7 लगातार चल रही डेटिंग की अफवाहों पर

संगम से लौट रहे श्रद्धालुओं की पिकप सड़क किनारे खड़े ट्राला से टकराई

आठ लोगों की मौत, 18 घायल

कौशांबी (एजेंसी)। कौशाम्बी में शुक्रवार को बड़ा हादसा हो गया। पिकप पर सवार होकर फतेहपुर जिले के बड़ोखर इलाके से बच्चे का मुंडन कराने प्रयागराज संगम आए थे। लौटते समय इनकी गाड़ी सैनी थाना क्षेत्र में डोरमा पेट्रोल पंप के पास सड़क किनारे खड़े ट्राले से टकरा गई। हादसे में सात लोगों की मौत गई, जबकि 18 श्रद्धालु घायल हो गए। कानपुरझ्प्रयागराज हाईवे पर शुक्रवार को दर्दनाक सड़क हादसे में आठ लोगों की मौत हो गई। हादसे में 18 श्रद्धालु घायल हो गए है। सैनी थाना क्षेत्र के डोरमा पेट्रोल पंप के समीप उस समय हुआ जब सड़क किनारे खड़े ट्राला में पीछे से तेज रफ्तार पिकअप अनियंत्रित होकर जा भिड़ी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि पिकअप के परखचे उड़ गए और उसमें सवार यात्रियों में चीख-पुकार मच गई। बताया जा रहा है कि पिकअप में करीब 25 लोग सवार थे, जिनमें महिलाएं और बच्चे भी शामिल थे। सभी लोग फतेहपुर जिले के मलवां क्षेत्र के बड़ोखर गांव के रहने वाले बताए जा रहे हैं। वे लोग रामनवमी के अवसर पर बच्चे का मुंडन कराने के लिए प्रयागराज आए थे। यहां संगम स्नान और मुंडन संस्कार कराने के बाद पिकप से फतेहपुर लौट रहे थे कि सैनी इलाके में हादसा हो गया। घटना दोपहर बाद करीब पौने चार बजे हुई। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। सड़क पर घायलों की चीख-पुकार सुनकर स्थानीय लोग मदद के लिए दौड़ पड़े और पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलने पर पुलिस और स्वास्थ्य विभाग की टीम मौके पर पहुंची। घायलों को अस्पताल भेजने के लिए चार एंबुलेंस लगाई गईं। घायलों को अस्पताल ले जाते समय सात लोगों की मौत हो गई, जबकि अन्य का इलाज जारी है। हादसे के कारण कुछ देर तक हाईवे पर जाम की स्थिति बनी रही। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। हादसे बाद मौके पर चीख पुकार मची रही। क्रेन के माध्यम से क्षतिग्रस्त वाहन को सड़क से हटवाया गया। घटना के बाद हाईवे पर आवागमन अवरुद्ध हो गया। हादसे के बाद हाईवे पर जाम की स्थिति उत्पन्न हो गई।

सीएम धामी ने की पीएम मोदी से मुलाकात

मां सुरकंडा देवी की प्रतिकृति और बद्री गाय का घी किया भेंट

देहरादून (एजेंसी)। सीएम धामी ने नई दिल्ली में पीएम मोदी से मुलाकात कर उन्हें रामनवमी की शुभकामनाएं दी। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। नई दिल्ली में मुलाकात के दौरान सीएम धामी ने पीएम मोदी को सबसे पहले मां सुरकंडा देवी की प्रतिकृति भेंट की। इसके साथ ही उन्होंने बद्री गाय का घी एवं प्रदेश के पहाड़ी अंचलों में होने वाले पांच प्रकार के राजमा और शहद भी भेंट किया। दिल्ली दौरे पर पहुंचे सीएम धामी ने प्रधानमंत्री मोदी से मार्गदर्शन लिया साथही उन्हें रामनवमी की शुभकामनाएं दी।

सोनिया गांधी की तबीयत में हो रहा सुधार, सेहत पर डॉक्टरों ने दिया अपडेट

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस की वरिष्ठ नेता और राज्यसभा सांसद सोनिया गांधी के स्वास्थ्य में निरंतर सुधार हो रहा है और उन्हें एक-दो दिन में अस्पताल से छुट्टी मिल सकती है। डॉक्टरों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। बुखार होने के बाद उन्हें मंगलवार रात करीब 10रू22 बजे सर गंगाराम अस्पताल में भर्ती कराया गया था। अस्पताल के अध्यक्ष अजय स्वरूप के अनुसार, गांधी के स्वास्थ्य में सुधार हो रहा है और अब उनकी स्थिति काफी बेहतर है। स्वरूप ने कहा, ह्यउन्होंने (गांधी) नाश्ता भी किया है। हमें उम्मीद है कि उन्हें एक या दो दिन में छुट्टी दे दी जाएगी। 79 वर्षीय नेता को 25 मार्च रात करीब 10रू22 बजे बुखार आने के बाद सर गंगा राम अस्पताल में भर्ती कराया गया था। अस्पताल के अध्यक्ष अजय स्वरूप के अनुसार, सोनिया गांधी अब काफी बेहतर हैं और सहज महसूस कर रही हैं। वे चल-फिर रही हैं और उन्होंने नाश्ता भी किया है। उनकी प्रगति सुचारू है और जल्द ही उन्हें छुट्टी मिलने की उम्मीद है। डॉक्टरों ने बताया कि उन्हें सिस्टेमिक इन्फेक्शन का इलाज दिया जा रहा है। वह एंटीबायोटिक दवाओं पर अच्छी प्रतिक्रिया दे रही हैं। उनकी हालत स्थिर है और गंभीर नहीं है, हालांकि एहतियात के तौर पर कुछ समय निगरानी में रहेंगी।

विमान हादसे में अजित पवार की मौत की पारदर्शी तरीके से जांच हो, सुप्रिया सुले ने उठाई मांग

नईदिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) की सांसद सुप्रिया सुले ने महाराष्ट्र के पूर्व उप मुख्यमंत्री अजित पवार की 28 जनवरी को विमान हादसे में हुई मौत के मामले में सरकार से पारदर्शी तरीके से जांच की मांग दोहराई है। सुले ने शुक्रवार को शून्यकाल में इस मुद्दे को उठाते हुए कहा कि उनके चचेरे भाई अजित पवार की विमान हादसे में मृत्यु की घटना को दो महीने हो गए हैं, लेकिन उनके भतीजे रोहित पवार को प्राथमिकी दर्ज कराने में इतनी मुश्किल हो रही है। उन्होंने कहा, रोहित पवार को प्राथमिकी दर्ज कराने में बहुत मुश्किल हो रही है। इस देश के उप मुख्यमंत्री की दुर्घटना के मामले में प्राथमिकी दर्ज कराने में इतनी समस्या का सामना करना पड़ रहा है तो आम आदमी को कितनी दिक्कतों का सामना करना होता होगा।

अयोध्या में रामलला के ललाट पर सूर्यदेव ने किया तिलक

अयोध्या (एजेंसी)। रामनगरी अयोध्या स्थित राम जन्मभूमि मंदिर में राम जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया जा रहा है। दोपहर 12 बजे भगवान सूर्य ने रामलला के ललाट पर तिलक किया। यह लगभग चार मिनट तक चला। विशेष बात यह रही कि तिलक ठीक उसी समय हुआ, जो समय भगवान राम के जन्म का क्षण माना जाता है। इस बार रामनवमी पर रवि योग, सर्वार्थसिद्धि योग का विशेष संयोग भी बन रहा है। इससे इस आयोजन का धार्मिक महत्व और बढ़ गया। सूर्य तिलक के साथ ही रामलला का अभिषेक, श्रृंगार और अन्य धार्मिक कार्यक्रमों का लाइव प्रसारण भी किया गया। देश-विदेश के श्रद्धालु इस दिव्य क्षण के साक्षी बनें। इससे पहले बृहस्पतिवार को सूर्य तिलक की तैयारियां पूरी कर ली गई थीं। लगातार तीसरे दिन सूर्य तिलक का सफल ट्रायल किया गया। दोपहर ठीक 12 बजे सूर्य की किरणों ने रामलला के मस्तक को आलोकित किया। यह प्रक्रिया करीब चार मिनट तक चली।

बारिश से फसलों के नुकसान का किसानों को दिलाये मुआवजा-सीएम

लखनऊ (एजेंसी)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश में हुई

असमय बारिश से किसानों की बर्बाद फसल की जानकारी ली। अधिकारियों को अलर्ट मोड में रहने के निर्देश दिए। किसानों का हित सरकार की प्राथमिकता है। बारिश के कारण फसलों को नुकसान का त्वरित आकलन कर राहत पहुंचाये। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि राजस्व, कृषि विभाग व बीमा कंपनी फसल नुकसान का तत्काल कराएं। संयुक्त सर्वे कराकर फसल नुकसान की स्थिति से शासन को अवगत कराएं, जिससे किसानों का तत्काल मुआवजा दिलाया जा सके। प्रदेश सरकार किसानों के साथ मजबूती से खड़ी है। आपदा में हरसंभव सहायता उपलब्ध कराई जा रही है। अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि वे संवेदनशीलता के साथ कार्य करें और सुनिश्चित करें कि किसान को अनावश्यक परेशानी न हो। जिलाधिकारियों को निर्देशित किया कि फील्ड में रहकर स्थिति का जायजा लें और प्रभावित क्षेत्रों में फसलों को हुए नुकसान का वास्तविक आकलन कराएं, जिससे किसानों को समय पर उचित सहायता मिल सके ।मुख्यमंत्री ने प्रमुख सचिव कृषि, राहत आयुक्त को निर्देश दिया कि फील्ड स्तर पर कार्यरत अधिकारियों से सीधा संपर्क और समन्वय बनाए रखें। फसलों की क्षति का आकलन प्राप्त होते ही मुआवजा वितरण की प्रक्रिया तत्काल शुरू की जाए। भुगतान व्यवस्था समयबद्ध ढंग से हो ताकि प्रभावित किसानों को जल्द से जल्द राहत मिल सके।

'देश में पेट्रोल-डीजल व एलपीजी की कोई कमी नहीं'

पश्चिम एशिया संकट गहराने के बाद सरकार का बयान

नई दिल्ली (एजेंसी)। हम युद्ध जैसे हालात का सामना कर रहे हैं। पश्चिम एशिया में चल रहे युद्ध के कारण कच्चे तेल, एलपीजी और एलएनजी की हमारी आपूर्ति प्रभावित हुई है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल और अन्य उत्पादों की कीमतें भी काफी बढ़ गई हैं। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने अंतर मंत्रालयी प्रेसवार्ता के दौरान यह बात कही। हालांकि, उन्होंने भरोसा जताया कि भारत सरकार ने इस स्थिति को प्रभावी ढंग से संभालने के लिए कई स्तरों पर कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए हैं। कच्चे तेल, एलपीजी और एलएनजी की आपूर्ति प्रभावितः पेट्रोलियम मंत्रालय शर्मा ने कहा, ₹पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष ने भारत की कच्चे तेल, एलपीजी और एलएनजी की आपूर्ति को प्रभावित किया है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल के साथ-साथ अन्य पेट्रोलियम

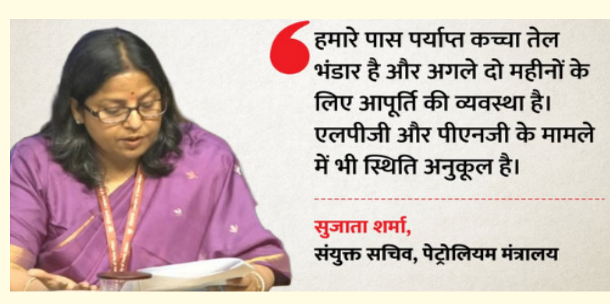

उत्पादों की कीमतें भी बढ़ी हैं। हालांकि, भारत सरकार ने स्थिति को प्रभावी ढंग से संभालने के लिए विभिन्न स्तरों पर कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए हैं। हमारे पास पर्याप्त कच्चा तेल भंडार है और अगले दो महीनों के लिए आपूर्ति की व्यवस्था है। एलपीजी और पीएनजी के मामले में भी स्थिति अनुकूल है।₹ देश में एलपीजी उत्पादन में 40% का इजाफा हुआ सरकार की ओर से बताया गया है कि हमारी रिफाइनरियां पूरी क्षमता से या उससे भी अधिक क्षमता से चल रही हैं और घरेलू एलपीजी उत्पादन में लगभग 40% की वृद्धि हुई है। पेट्रोलियम मंत्रालय के अनुसार चूंकि भारत आयात पर अत्यधिक निर्भर है और एलपीजी आयात का लगभग 90% होर्मुज जलडमरूमध्य से आता है- इसलिए सरकार ने वाणिज्यिक आपूर्ति के बजाय घरेलू उपभोक्ताओं को प्राथमिकता देने का निर्णय लिया। शुरूआत में वाणिज्यिक आपूर्ति रोक दी गई, फिर धीरे-धीरे बहाल की गई। पहले 20%, फिर पीएनजी विस्तार के लिए व्यापार में सुगमता के आधार पर अतिरिक्त 10%, बाद में बढ़ाकर 50% और अब 70% कर दी गई है। परिणामस्वरूप, लगभग 14 मार्च से अब तक 30,000 टन व्यावसायिक एलपीजी की आपूर्ति की जा चुकी है। प्रवासी श्रमिकों को 30,000 छोटे पांच किलो के सिलिंडर बांटे गए पेट्रोलियम मंत्रालय की सचिव सुजाता शर्मा ने बताया कि सरकार ने रेस्तरां, सड़क किनारे के ढाबों, होटलों, औद्योगिक कैंटीनों और प्रवासी श्रमिकों को प्राथमिकता दी।

नेपाल के नए प्रधानमंत्री को पीएम मोदी ने भेजा बधाई संदेश

कहा- संबंधों को नई ऊंचाईयों पर लेकर जाएंगे

नईदिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नेपाल के नए प्रधानमंत्री बालेंद्र शाह को पद संभालने पर बधाई दी। उन्होंने दोनों देशों के संबंधों को और मजबूत करने की इच्छा जताई।35 वर्षीय बालेन शाह, जो पहले रैपर थे, नेपाल के सबसे युवा प्रधानमंत्री बन गए हैं। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को नेपाल के नए प्रधानमंत्री बालेंद्र शाह 'बालेन' को शपथ लेने पर बधाई दी। उन्होंने कहा कि वह दोनों देशों के आपसी फायदे के लिए भारत-नेपाल संबंधों को और मजबूत करने के लिए उनके साथ

मिलकर काम करने को लेकर उत्सुक हैं। रैपर से नेता बने बालेंद्र शाह ने शुक्रवार को नेपाल के प्रधानमंत्री के रूप में शपथ ली। यह के पी शर्मा ओली के नेतृत्व वाली सरकार के गिरने लगभग लगभग छह महीने बाद हुआ है। ओली सरकार को एक युवा पीढ़ी के विरोध प्रदर्शन में हटा दिया गया था। पीएम ने क्या कहा? मोदी ने 'एक्स' पर एक संदेश में कहा, 'नेपाल के प्रधानमंत्री के तौर पर शपथ लेने पर श्री बालेंद्र शाह को हार्दिक बधाई। आपकी नियुक्ति नेपाल की जनता द्वारा आपके नेतृत्व में जताए गए भरोसे को दशार्ती है। मैं हमारे दोनों देशों की जनता के आपसी फायदे के लिए भारत-नेपाल की दोस्ती और सहयोग को और भी ऊंचाइयों पर ले जाने हेतु आपके साथ मिलकर काम करने को लेकर उत्सुक हूं।' बालन का राजनीतिक सफर 35 वर्षीय राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी बालेन शाह नेपाल के सबसे युवा प्रधानमंत्री के रूप में पदभार संभाला है। वह देश में यह पद संभालने वाले सबसे कम उम्र के व्यक्ति हैं। बालन मधेश क्षेत्र से शीर्ष कार्यकारी पद संभालने वाले पहले व्यक्ति भी हैं।

केंद्र सरकार के जन-केंद्रित शासन को दशार्ती है उत्पाद शुल्क में कटौती :शाह

नईदिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को कहा कि वैश्विक स्तर पर कीमतें बढ़ने के बीच ईंधन पर उत्पाद शुल्क घटाने का केंद्र सरकार का फैसला उसके जन केंद्रित शासन और संवेदनशीलता से प्रेरित निर्णय लेने की प्रक्रिया को रेखांकित करता है। शाह ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा कि पश्चिम एशिया संकट के बीच दुनिया ईंधन की कमी से जूझ रही है, जिससे वैश्विक स्तर पर कीमतें बढ़ रही हैं, ऐसे में ईंधन पर उत्पाद शुल्क घटाने का (प्रधानमंत्री नरेन्द्र) मोदी के

नेतृत्व वाली सरकार का फैसला नागरिकों के लिए बहुत राहत की बात है जिसकी उन्हें इस समय बहुत आवश्यकता है। कई देशों ने डीजल और पेट्रोल की कीमतें बढ़ाई हैं। ऐसे में उत्पाद शुल्क घटाने का मोदी सरकार का फैसला उसके जन केंद्रित शासन और संवेदनशीलता से प्रेरित निर्णय लेने की प्रक्रिया को रेखांकित करता है। इस फैसले के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को बधाई। केंद्रीय वित्त मंत्रालय द्वारा वीरवार देर रात जारी एक अधिसूचना में बताया गया कि पेट्रोल पर उत्पाद शुल्क 13 रुपये प्रति लीटर से घटाकर तीन रुपये प्रति लीटर कर दिया गया है। डीजल पर यह शुल्क पहले के 10 रुपये से घटाकर शून्य कर दिया गया है।

सीएम फडणवीस की चेतावनी, खरात मामले में पीड़ितों के वीडियो प्रसारित करने वालों की खैर नहीं

मुंबई (एजेंसी)। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने ढोंगी बाबा अशोक खरात

के शिकार महिलाओं के वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर करने वालों को जेल भेजने की चेतावनी दी है। पुलिस ने खरात को दुष्कर्म, काला जादू और नरबलि जैसे गंभीर आरोपों में पकड़ा है। सरकार ने पीड़ितों की सुरक्षा और उनकी पहचान गुप्त रखने का पूरा भरोसा दिया है। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने शुक्रवार को एक बड़ी चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि ढोंगी बाबा अशोक खरात की शिकार महिलाओं के अश्लील वीडियो सोशल मीडिया पर फैलाने वालों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। मुंबई में पत्रकारों से बात करते हुए फडणवीस ने बताया कि खरात मामले में अब और भी पीड़ित महिलाएं सामने आ रही हैं। इस वजह से कुछ और नई एफआईआर दर्ज की जाएंगी। उन्होंने भरोसा दिलाया कि सभी पीड़ितों को पूरी सुरक्षा दी गई है और उनकी पहचान भी गुप्त रखी गई है। अशोक खरात को 18 मार्च को गिरफ्तार किया गया था। उस पर पिछले तीन साल से एक महिला के साथ बार-बार दुष्कर्म करने का आरोप है। मामले की जांच में महिलाओं के शोषण के कई वीडियो भी मिले हैं। राज्य सरकार ने इस मामले के लिए एक विशेष जांच दल (एसटीसी) बनाया है। यह टीम खरात से जुड़े छह मामलों की जांच कर रही है। इन मामलों में दुष्कर्म, नरबलि और काला जादू जैसे गंभीर आरोप शामिल हैं।

सुप्रीम कोर्ट में पति की जमानत रद्द, कहा- मामला गंभीर, हाईकोर्ट में निर्णय मशीनी ढंग से हुआ

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश की सर्वोच्च अदालत ने दहेज हत्या के एक मामले में बड़ी बात कही है। शीर्ष अदालत ने स्पष्ट कर दिया है कि समाज को दीमक की तरह चाट रही दहेज हत्या जैसी कुरीतियों के खिलाफ न्यायपालिका का रुख बेहद सख्त रहेगा। सुप्रीम कोर्ट ने पटना हाईकोर्ट के उस फैसले को रद्द कर दिया है, जिसमें एक दहेज हत्या के आरोपी पति को महज इस आधार पर जमानत दे दी गई थी कि वह कुछ समय से जेल में था। क्या है पूरा मामला? यह मामला बिहार के गोपालपुर थाना क्षेत्र का है। 1 सितंबर

2024 को दर्ज एफआईआर के मुताबिक, मृतका की शादी को मात्र डेढ़ साल हुए थे। मृतका की मां लाल मुनी देवी ने आरोप लगाया कि शादी के समय 20 लाख रुपये नकद और करीब 6 लाख के जेवर देने के बावजूद, ससुराल पक्ष की भूख कम नहीं हुई। आरोपी पति और उसके परिवार ने लगातार गाड़ी और अन्य सामान को लेकर उनकी बेटी को प्रताड़ित किया। इतना ही नहीं, शादी के छह महीने के भीतर ही पति के किसी अन्य महिला के साथ संबंधों की बात भी सामने आई थी। जब मृतका ने इसका विरोध किया तो उसकी मौत हो गई। पोस्टमार्टम रिपोर्ट ने दहलाया आरोपी पति की जमानत रद्द करते हुए जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस विजय बिश्नोई की बेंच ने पोस्टमार्टम रिपोर्ट का विशेष जिक्र किया। रिपोर्ट के अनुसार, महिला की मौत सामान्य नहीं थी। उसके सिर की हड्डी टूटी हुई थी, दिमाग की नसों में गंभीर चोट थी और यहां तक कि उसका सीना और दिल तक फट चुका था। प्रताड़ना के कारण आत्महत्या भी हुई है, तो भी वह दहेज हत्या-सुप्रीम कोर्ट सुप्रीम कोर्ट ने पटना हाईकोर्ट की फैसले पर सवाल उठाया है। शीर्ष अदालत ने कहा कि हाईकोर्ट ने रिकॉर्ड पर मौजूद महत्वपूर्ण सबूतों को नजरअंदाज कर एक 'मैकेनिकल अप्रोच' अपनाई।

जन आकांक्षाओं को पूरा करेगा पुनर्विकसित मऊ जं. स्टेशन

गोरखपुर,: पूर्वोत्तर रेलवे के वाराणसी मंडल के औंड़िहार-भटनी रेल खंड पर स्थित मऊ जं. स्टेशन है, जिसे अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत रु. 52.65 करोड़ की लागत से पुनर्विकसित किया जा रहा है। मऊ जं. स्टेशन पूर्वी उत्तर प्रदेश का एक महत्वपूर्ण स्टेशन है। यह स्टेशन नई दिल्ली, मुम्बई, सूरत, अहमदाबाद, कोलकाता, पुणे, लखनऊ, कानपुर, प्रयागराज, जयपुर, राँची, अमृतसर जैसे प्रमुख नगरों एवं महानगरों के लिये सीधी ट्रेन सेवा से जुड़ा हुआ है। इस स्टेशन से 44 मेल/एक्सप्रेस एवं सवारी ट्रेनों का संचलन प्रतिदिन हो रहा है। यहाँ यात्रियों के बढ़ते आवागमन एवं आगामी 50 वर्षों की यातायात आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुये स्टेशन का पुनर्विकास कार्य तेजी से किया जा रहा है। अमृत भारत स्टेशन योजना का उद्देश्य रेलवे स्टेशनों को आधुनिक सुविधाओं से युक्त कर यात्री अनुकूल बनाते हुये आगामी चुनौतियों से निपटना है। पुनर्विकास के अन्तर्गत स्टेशन भवन का सौंदर्यीकरण, बेहतर प्रवेश एवं निकास द्वार, यात्रियों के लिये प्रतीक्षालय, आधुनिक सुविधाओं से युक्त प्रसाधन, स्टेशन पर बेहतर प्रकाश व्यवस्था, यात्रियों को ट्रेन में चढ़ने/उतरने हेतु प्लेटफॉर्म के उच्चीकरण एवं विस्तार के साथ यात्रियों के बैठने की समुचित व्यवस्था, एक प्लेटफॉर्म से दूसरे प्लेटफॉर्म पर जाने हेतु फुट ओवर ब्रिज (एफ.ओ.बी.) का निर्माण सहित विभिन्न यात्री सुविधाओं से सुसज्जित किया जा रहा है। इन कार्यों में 3,000 वर्ग मीटर में फसाड के साथ ही स्टेशन भवन एवं पोर्च का कार्य पूर्ण हो चुका है। आकर्षक फसाड लाइटें लगाई गई हैं। स्टेशन पहुँच मार्ग को सुगम बनाया गया है, साथ ही सकुर्लेटिंग एरिया में 600 मीटर में ड्रेनेज, 1,250 मीटर में बाउंड्री वॉल, 15,000 वर्ग मीटर में रोड, 2,000 वर्ग मीटर में पार्किंग तथा 3,000 वर्ग मीटर में पाथ-वे का कार्य पूरा कर लिया गया है। इसके अतिरिक्त यात्रियों की सुविधा हेतु प्लेटफॉर्म का विस्तार कर प्लेटफॉर्म सतह पर 5,500 वर्ग मीटर में ग्रेनाइट लगाने का कार्य प्रगति पर है तथा यात्रियों को धूप एवं वर्षा से बचाने के लिये 32-वे के पी.पी. शेल्टर के प्रावधान के साथ ही विभिन्न श्रेणी के नये प्रतीक्षालयों के निर्माण, स्वच्छता को ध्यान में रखते हुये महिला/पुरुष एवं दिव्यांगजन हेतु आधुनिक सुविधाओं से युक्त प्रसाधन, अन्तर्राष्ट्रीय मानक के अनुरूप उन्नत साइनेज का प्रावधान किया जा रहा है। यात्रियों के सुगम आवागमन हेतु 12 मीटर चौड़ा फुट ओवर ब्रिज (एफ.ओ.बी.) के निर्माण के साथ ही 02 लिफ्ट एवं 04 एस्केलेटर लगाने का कार्य प्रगति पर है। सभी निर्माण कार्यों के पूर्ण होने पर मऊ जं. स्टेशन को आकर्षक स्वरूप मिलेगा तथा जिला मुख्यालय स्टेशन होने तथा मऊ-शाहगंज, इन्दारा-फेफना एवं भटनी-औंड़िहार खंडों का दोहरीकरण पूरा होने के फलस्वरूप जन आकांक्षाओं के अनुरूप अधिक ट्रेनों के संचलन के कारण मऊ जं. पर बदले फुटफाल की चुनौतियों से आसानी से निपटा जा सकेगा। रेल यात्रियों को जहाँ एक ओर उन्नत एवं आधुनिक यात्री सुख-सुविधाओं का लाभ मिलेगा वहीं दूसरी ओर रेल परिसर में प्रवेश करते ही उन्हें सुखद अनुभूति का एहसास होगा तथा मऊ शहर के आर्थिक विकास में भी सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा।

काशी में मुस्लिम महिलाओं ने भगवान राम की उतारी आरती आंखों में दिखी भक्ति की चमक

वाराणसी। काशी में मुस्लिम महिलाओं ने भगवान राम की आरती उतारी। कहा कि दुनिया को राम के रास्ते पर चलना होगा, तभी शांति मिलेगी। मुस्लिम महिलाओं ने भगवान राम की आरती कर मध्य एशिया के मुस्लिम देशों से शांति की कामना की। वाराणसी की मुस्लिम महिलाओं ने रामनवमी के अवसर पर प्रभु श्रीराम की महाआरती की। महिलाओं ने दुनिया को शांति का संदेश भेजा। महिलाओं के हाथों में सजावटी थाल, होठों पर रामनाम का मंत्र और आंखों में भक्ति की चमक दिखी।

मुस्लिम महिलाओं ने कहा कि धर्म बदलने से पूर्वज नहीं बदलते। प्रभु राम का जन्म विश्व के कल्याण के लिए हुआ था। विशाल भारत संस्थान एवं मुस्लिम महिला फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में शुक्रवार को रामनवमी के अवसर पर सुभाष भवन में एकत्रित होकर हिंदू- मुस्लिम महिलाओं ने भगवान श्रीराम, माता जानकी की आरती उतारी। ढोल की थाप पर राम जन्म के गीत गाए गए। इस अवसर पर मुस्लिम महिला फाउंडेशन की नेशनल सदर नाजनीन अंसारी ने कहा कि आज मुस्लिम देश युद्ध, हिंसा और नफरत से जंग लड़ रहे, एक दूसरे को मार रहे हैं। अगर मुस्लिम देश भगवान राम के रास्ते पर चले तो उनके देश में शांति आएगी और युद्ध रुक जाएगा। भारत की महान संस्कृति ही एक मात्र रास्ता है शांति और प्रेम का। वह भगवान राम के आदर्शों पर चलकर ही सम्भव है। कहा कि राम हमारे पूर्वजों के पूर्वज हैं। उनकी भक्ति, आरती और उनके दर पर जाने से कोई रोक नहीं सकता।

कॉर्डियोलॉजी के पास साइलेंस जोन लागू, हार्न बजाने पर एक हजार रुपये जुमार्ना

कानपुर। कानपुर में ध्वनि प्रदूषण रोकने के लिए न्यू जीटी नर्सिंग होम से गोल चौराहे तक 500 मीटर का 'साइलेंस जोन' बनाया गया है। यहां नियम तोड़ने पर 1000 रुपये के चालान का प्रावधान है। कानपुर में ध्वनि प्रदूषण पर नियंत्रण के उद्देश्य से शहर में पहली बार साइलेंस जोन की व्यवस्था लागू की गई है। यह व्यवस्था जीटी रोड पर न्यू जीटी नर्सिंग होम से लेकर गोल चौराहे तक निर्धारित किया गया है। इस 500 मीटर के दायरे में हार्न बजाने पर एक हजार रुपये का चालान किया जाएगा। नो-हार्न प्लीज का बोर्ड भी लगाया गया है। साइलेंस जोन घोषित होने से कॉर्डियोलॉजी में आने वाले मरीजों को राहत मिलेगी। पुलिस कमिश्नर रघुबीर लाल ने बताया कि पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर शुरू हुई इस व्यवस्था के सफल रहने पर इसे और भी इलाकों में लागू किया जाएगा।

यातायात पुलिस को इस क्षेत्र में नो-हॉर्न नियम को सख्ती से लागू कराने के निर्देश दिए हैं जो भी वाहन चालक अनावश्यक रूप से हॉर्न बजाते हुए पाए जाएंगे उनके खिलाफ चालान की कार्रवाई की जाएगी। इसके लिए न्यू जीटी नर्सिंग होम से गोल चौराहे तक नो-हार्न प्लीज के संकेतक भी लगाए गए हैं। लोगों ने इस पहल का स्वागत किया इस साइलेंस जोन का मुख्य उद्देश्य अस्पताल क्षेत्र में शांति बनाए रखना है ताकि मरीजों और उनके परिजन को किसी प्रकार की असुविधा न हो। अक्सर देखा जाता है कि व्यस्त सड़कों पर लगातार बजते हॉर्न से मरीजों को दिक्कत होती है। स्थानीय दुकानदारों और अस्पताल आने वाले लोगों ने इस पहल का स्वागत किया है। उनका कहना है कि इससे न केवल शोर में कमी आएगी बल्कि यातायात अनुशासन में भी सुधार होगा। इस जोन में पुलिसकर्मियों की विशेष तैनाती की जाएगी जो नियमों का पालन सुनिश्चित करेंगे।

चैत्र नवरात्र में अयोध्या के लिए चलाई गई स्पेशल बसें

बस्ती। चैत्र रामनवमी पर्व पर अयोध्या धाम के लिए बृहस्पतिवार को श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए परिवहन निगम ने नई व्यवस्था की थी। परिवहन निगम ने अयोध्या रूट पर 30 से अधिक बसों का संचालन किया। इससे श्रद्धालुओं को आने-जाने में सहूलियत मिली। रामनवमी मेले में और भगवान श्रीराम के दर्शन को बड़ी संख्या में श्रद्धालु अयोध्या धाम जाते हैं। बस्ती, सिद्धार्थनगर, संतकबीरनगर जनपद के लोग बस्ती-अयोध्या हाईवे के जरिये अयोध्या पहुंचते हैं। भारी वाहनों का आवागमन प्रभावित होने के चलते रोडवेज बसों पर भीड़ दिखी। श्रद्धालुओं को आने-जाने में असुविधा न हो, इसके लिए पर्याप्त बसें आरक्षित की गई थीं। श्रद्धालुओं के अनुसार, बसें संचालित कराई जा रही थीं। सहायक क्षेत्रीय प्रबंधक आयुष भटनागर ने बताया कि अयोध्या रूट पर बसें नियमित भेजी जा रही हैं। बसों के लिए कोई रोक-टोक नहीं है। इसके अलावा अन्य रूटों पर भी यात्रियों को बैठाकर बसें भेजी गईं। वहीं, छोटे वाहन भी सवारी ढोते दिखे।

वाराणसी में 17 वार्डों की 87 कॉलोनियों में डेंगू का खतरा, इनमें डॉक्टर्स-डिफेंस कॉलोनी भी शामिल

वाराणसी। वाराणसी जिले में 17 वार्डों की 87 कॉलोनियों में डेंगू का खतरा बढ़ गया है। हैरान करने वाली बात ये है कि इनमें डॉक्टर्स-डिफेंस कॉलोनी भी शामिल हैं। वाराणसी शहर के 17 वार्डों की 87 कॉलोनियों में डेंगू का खतरा बना हुआ है। ये वे वार्ड हैं, जहां पिछले पांच वर्षों से लगातार हर साल 10 से 15 मरीज मिल रहे हैं। इसके अलावा इन वार्डों में अधिकांश जगह खाली प्लॉट हैं, जहां कूड़ा फेंकने के साथ ही बरसात के समय पानी जमा होने से मच्छर पनपते हैं। संवेदनशील कालोनियों की सूची में पांडेयपुर स्थित डॉक्टर्स कॉलोनी, कैंटोनमेंट की डिफेंस कॉलोनी, बीएचयू कैंपस, पीएसी रामनगर, सीआरपीएफ बटालियन और पुलिस लाइन शामिल हैं। इसके अलावा आठ ब्लॉकों के 51 गांवों में भी मच्छरों का प्रकोप अधिक है। लिहाजा, स्वास्थ्य विभाग ने इन कॉलोनियों और गांवों को हॉटस्पॉट घोषित किया है।आम तौर पर डेंगू के मच्छर घरों में रखे कूलर, छतों पर खाली बर्तनों में भरे पानी और बरसात में एक ही जगह पानी जमा होने से पनपते हैं। कॉलोनियों में खाली प्लॉट और घरों के आसपास पानी जमा होना भी इसका प्रमुख कारण है। जिला प्रशासन, स्वास्थ्य विभाग और नगर निगम की ओर से लोगों से अपील की जाती है कि घर के अंदर कूलर और खाली बर्तनों में पानी जमा न होने दें और आसपास गंदगी न रहने दें। स्वास्थ्य विभाग ने 17 वार्डों की सूची तैयार की है, जहां पिछले पांच वर्षों से 10 से अधिक मामले सामने आ रहे हैं। यहां खाली प्लॉटों में पानी जमा होने और मच्छरों के लार्वा भी मिल चुके हैं। इस वर्ष भी स्थिति लगभग वैसी ही बनी हुई है। खाली जमीन पर जमा पानी में पनपता है लार्वा वैसे तो डेंगू का लार्वा एक ही जगह जमा पानी में पनपता है लेकिन शहर के जिन इलाकों को संवेदनशील सूची में रखा गया है, वहां सफाई व्यवस्था बेपटरी हो गई है। कहीं खाली जगह पर कूड़े का ढेर लगा है तो कुछ जगहों पर घर के सामने नाली का पानी सड़क पर बहता नजर आ रहा है।जिस तरह का दृश्य है, उसको देखकर यहीं लग रहा है कि लंबे समय से नगर निगम की टीम यहां आई ही नहीं है। डॉक्टर्स कालोनी जहां डॉक्टर रहते हैं, उसके पास ही खाली जमीन पर लंबे समय से पानी जमा है। यहां विकासनगर, टकटकपुर में जल निकासी की व्यवस्था ही नहीं है। लिहाजा यहां हर साल डेंगू के मरीज मिलते हैं। लोहता के धमरिया, अलावल मुहल्ले में तो हाल यह है कि घर से निकलने पर गेट पर ही पानी लंबे समय से जमा है। इसमें मच्छर का लार्वा भी पनप रहा है। ग्रामीण इलाकों में भी सफाई व्यवस्था बेपटरी हो गई हैं। इसमें आराजीलाइन ब्लॉक के मातलदेई चौराहे पर पंचक्रोशी परिक्रमा मार्ग पर ही पानी जमा है। चौबेपुर के परानापुर गांव, धौरहरा में भी मच्छरों का प्रकोप बढ़ गया है। सारनाथ वार्ड-परशुरामपुर, बुद्धनगर कालोनी, अंबेडकर नगर कालोनी। शिवपूर वार्ड-परमहंशनगर कालोनी, भगतपुर कालोनी, वीडीए कालोनी, मयूर विहार कालोनी अयोध्यापुरी कालोनी, रामजानकी धाम कालोनी, यमुनानगर कालोनी, गायत्रीधाम कालोनी, कुन्जबिहारी कालोनी। पाण्डेयपुर वार्ड-रिजर्व पुलिस लाईन, आवास विकास कालोनी, दौलतपुर, ओमनगर कालोनी, बेलवा बाबा क्षेत्र, प्रेमचन्दनगर कालोनी, भरत नगर कालोनी, डॉक्टर्स कालोनी, खुशहालनगर कालोनी, राजभर बस्ती, अशोक बिहार कालोनी। जुलाई से दिसंबर तक डेंगू का प्रकोप सबसे अधिक बारिश का मौसम 15 जून से ही माना जाता है।

अवैध सामानों की धर-पकड़, यात्रियों को सुरक्षा प्रदान करने के साथ ही बचपन बचाओ अभियान के तहत मानव तस्करी की रोकथाम का निरन्तर प्रयास किया जाता है

गोरखपुर,: पूर्वोत्तर रेलवे पर रेलवे सुरक्षा बल (आर.पी.एफ.) द्वारा रेल सम्पत्ति की सुरक्षा, अवैध सामानों की धर-पकड़, यात्रियों को सुरक्षा प्रदान करने के साथ ही बचपन बचाओ अभियान के तहत मानव तस्करी की रोकथाम का निरन्तर प्रयास किया जाता है। इसी क्रम में, 26 मार्च, 2026 को रेलवे सुरक्षा बल, पोस्ट गोरखपुर एवं राजकीय रेलवे पुलिस, गोरखपुर स्टाफ द्वारा संयुक्त जांच अभियान के दौरान गोरखपुर जं. स्टेशन के प्लेटफॉर्म संख्या 1 कैब-वे के पास से 27 वर्षीय एक शातिर अपराधी को चाकू के साथ गिरफ्तार कर राजकीय रेलवे पुलिस, गोरखपुर में मामला पंजीकृत किया गया। 26 मार्च, 2026 को अपराध आसूचना शाखा, गोरखपुर क्षेत्र स्टाफ द्वारा गोरखपुर जं. स्टेशन के आरक्षण केन्द्र से 39 वर्षीय एक व्यक्ति को रेलवे टिकटों के अवैध कारोबार में संलिप्त पाकर रू. 4,800/- कीमत के 02 अदद यात्रा शेष टिकट एवं 01-01 अदद भरा एवं सादा आरक्षण मांग-पत्र के साथ गिरफ्तार कर रेलवे सुरक्षा बल, पोस्ट गोरखपुर में मामला पंजीकृत किया गया। 26 मार्च, 2026 को रेलवे सुरक्षा बल, स्कोर्ट स्टाफ द्वारा लखनऊ सिटी स्टेशन पर गाड़ी संख्या 19037 से 35 वर्षीय एक शातिर अपराधी को महिला यात्री के कान की बाली एवं अन्य यात्रियों के चोरी किये गये 02 अदद मोबाइल फोन के साथ गिरफ्तार कर राजकीय रेलवे पुलिस/चारबाग, लखनऊ में मामला पंजीकृत किया गया। 26 मार्च, 2026 को रेलवे सुरक्षा बल, चौकी भोजीपुरा स्टाफ द्वारा भोजीपुरा स्टेशन के प्लेटफॉर्म संख्या 3 पर कोच संख्या 192012/सी से चोरी किये 01 अदद पानी की मोटर को स्टेशन के सामने कबाड़ की दुकान से बरामद कर 25 वर्षीय एक शातिर अपराधी एवं कबाड़ की दुकान से 26 वर्षीय एक व्यक्ति को गिरफ्तार कर रेलवे सुरक्षा बल, पोस्ट बरेली सिटी में मामला पंजीकृत किया गया। 26 मार्च, 2026 को रेलवे सुरक्षा बल, पोस्ट गोमती नगर स्टाफ को गाड़ी संख्या 15114 से 12 वर्ष का एक बालक लावारिस हालत में मिला। पूछताछ के उपरान्त बालक को चाइल्ड लाइन, लखनऊ को सुपुर्द किया गया। 26 मार्च, 2026 को रेलवे सुरक्षा बल, स्कोर्ट स्टाफ द्वारा गाड़ी संख्या 15009 से महिला यात्री का छूटा एक बैग मिलने पर आर.पी.एफ. पोस्ट सीतापुर पर जमा किया गया। महिला यात्री के चौकी पर उपस्थित होने पर बैग को उसे सुपुर्द किया गया। 26 मार्च, 2026 को रेलवे सुरक्षा बल, चौकी बादशाहनगर स्टाफ द्वारा बादशाहनगर स्टेशन के प्लेटफॉर्म संख्या 2 पर महिला यात्री का छूटा एक पर्स मिलने पर चौकी बादशाहनगर पर जमा किया गया। महिला यात्री के चौकी पर उपस्थित होने पर पर्स को उसे सुपुर्द किया गया। 26 मार्च, 2026 को रेलवे सुरक्षा बल, पोस्ट बस्ती स्टाफ द्वारा गाड़ी संख्या 15033 से यात्री का छूटा एक थैला मिलने पर पोस्ट बस्ती पर जमा किया गया। यात्री के पोस्ट पर उपस्थित होने पर थैले को उसे सुपुर्द किया गया। 25 मार्च, 2026 को रेलवे सुरक्षा बल, पोस्ट बलिया स्टाफ को गाड़ी संख्या 15084 से यात्री का छूटा एक बैग मिला, जिसे आर.पी.एफ. पोस्ट बलिया पर जमा किया गया। यात्री के पोस्ट पर उपस्थित होने पर बैग को उसे सुपुर्द किया गया।

ओमप्रकाश राजभर बोले, ईरान-इजरायल तनाव से प्रभावित तेल आपूर्ति सरकार कर रही त्वरित प्रयास

आजमगढ़। ओमप्रकाश राजभर ने कहा कि जब दो-तीन देशों के बीच युद्ध होता है तो आसपास के देश भी प्रभावित होते हैं। ऐसे में धैर्य रखें। सरकार स्थिति को सामान्य करने में जुटी है। उत्तर प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री ओमप्रकाश राजभर ने शुक्रवार को अतरौलिया स्थित निरीक्षण भवन में आयोजित जनता दरबार के दौरान प्रेस वार्ता में डीजल-पेट्रोल की किल्लत और विपक्ष के आरोपों पर सरकार का पक्ष मजबूती से रखा। उन्होंने कहा कि वैश्विक परिस्थितियों, विशेषकर ईरान और इजरायल के बीच जारी तनाव का असर अंतरराष्ट्रीय तेल आपूर्ति पर पड़ा है, जिससे अस्थायी समस्या उत्पन्न हुई है। राजभर ने कहा कि जब बड़े देश आपसी संघर्ष में उलझते हैं, तो उसका असर अन्य देशों पर भी पड़ता है। वर्तमान स्थिति भी उसी का परिणाम है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि केंद्र सरकार इस चुनौती से निपटने के लिए वार्ता कर तेजी से काम कर रही है। मंत्री ने बताया कि भारत के लिए तेल लेकर आने वाले जहाज समुद्र में रवाना हो चुके हैं और शीघ्र ही आपूर्ति सामान्य हो जाएगी। उन्होंने आम जनता से अपील की कि घबराकर तेल का अनावश्यक भंडारण न करें। सबको पर्याप्त मात्रा में तेल उपलब्ध कराया जाएगा, केवल थोड़े धैर्य की आवश्यकता है। उन्होंने पेट्रोल पंप संचालकों से भी अपील की कि बिना ठोस कारण ह्यनो स्टॉकह्न के बोर्ड न लगाएं, जिससे अनावश्यक अफवाह और भीड़ की स्थिति पैदा होती है। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव द्वारा मिट्टी के चूल्हे को लेकर किए गए ट्वीट पर प्रतिक्रिया देते हुए राजभर ने इसे सफेद झूठ करार दिया। कहा अगर जांच किया जाय तो घर में 10 सिलेंडर मिलेंगे। उन्होंने कहा कि विपक्ष जनता को गुमराह करने की कोशिश कर रहा है। जिनके घरों में गैस सिलेंडरों की कमी नहीं है, वे आम जनता के नाम पर भ्रम फैला रहे हैं, उन्होंने तंज कसा।

संक्षिप्त खबरें

फोरलेन पार करते समय ट्रेलर से कुचलकर मां की मौत

गोरखपुर/बस्ती। गीडा थाना क्षेत्र के कालेसर के पास बृहस्पतिवार को सड़क पार करते समय ट्रेलर ने मां-बेटी को रौंद दिया। हादसे में मां की मौके पर मौत हो गई जबकि बेटी की हालत गंभीर है। सीएचसी सहजनवां के चिकित्सकों ने जिला अस्पताल रेफर कर दिया है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया है। वहीं दुर्घटना के बाद चालक वाहन लेकर भाग निकला। मूलरूप से बस्ती के नगर बाजार निवासी अमीना (45) अपने पति अब्दुल रहमान और बेटी तराना (12) के साथ गीडा थाना के पिपरौली में रहने वाले रिश्तेदार के यहां जा रहे थे। कालेसर जीरो पॉइंट के पास बने कट पर तीनों सड़क पार कर रहे थे। इसी दौरान संतकबीरनगर की तरफ से आ रहे तेज रफ्तार ट्रेलर ने रही मां और बेटी को रौंद दिया। हादसे में अमीना की मौके पर मौत हो गई। स्थानीय लोगों ने घायल बेटी को सीएचसी पहुंचाया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। गीडा पुलिस का कहना है कि तहरीर नहीं मिली है। ट्रेलर और चालक की तलाश की जा रही है।

अज्ञात वाहन की टक्कर से नेपाली श्रद्धालु की मौत

हरैर्या(बस्ती)। थाना क्षेत्र बस्ती-अयोध्या हाईवे पर बड़हर खुर्द गांव के पास बुधवार की देर रात किसी अज्ञात वाहन की टक्कर से नेपाल से अयोध्या स्नान करने जा रहे वृद्ध श्रद्धालु की मौत हो गई। पुलिस शव को कब्जे में लेकर विधिक कार्रवाई में जुट गई है। प्रभारी निरीक्षक हरैर्या तहसीलदार सिंह ने बताया कि नेपाल देश के कपिलवस्तु जिला के पकड़ी थाना के माया देवी गाउ देवी पालिका वार्ड संख्या आठ के निवासी धनीराम (70) निजी बस से अपने कस्बे के अन्य लोगों के साथ चैत्र रामनवमी पर्व पर दर्शन-पूजन के अयोध्या जा रहे थे। बुधवार रात को हाईवे पर बड़हर खुर्द गांव के सामने सड़क के किनारे एक ढाबे पर बस रुकने के बाद वह भोजन करने उतरे थे। भोजन करने के बाद वह लघु शंका के लिए सड़क के किनारे पैदल चल रहे थे, तभी किसी अज्ञात वाहन की चपेट में आ गए। जिससे मौके पर ही उनकी मौत हो गई।

विलंब से पहुंच रहीं एक्सप्रेस ट्रेनें, स्टेशन पर भीड़

बस्ती। स्पेशल एवं एक्सप्रेस ट्रेनों का विलंब से पहुंचना अभी बंद नहीं हुआ है। बृहस्पतिवार को भी कई ट्रेनें देर पहुंची। इससे स्टेशन पर भीड़ बढ़ी रही है और लोगों को परेशान होना पड़ा रहा है। बता दें कि बस्ती रेलवे स्टेशन से होकर जाने वाली गोरखपुर स्पेशल एक्सप्रेस ट्रेन अपने निर्धारित समय से 8 घंटे की देरी से पहुंची। यात्रियों को काफी देर तक स्टेशन पर इस ट्रेन की प्रतीक्षा करनी पड़ी। रेलवे समय सारणी के अनुसार इस ट्रेन को सुबह 7.52 बजे पहुंचना था लेकिन शाम 4 बजे के करीब बस्ती रेलवे स्टेशन पर आई। इसके अलावा जो अन्य स्पेशल ट्रेनें विलंब से चल रही है, उनमें अमृतसर स्पेशल एक्सप्रेस ट्रेन 3 घंटे, दरभंगा नई दिल्ली क्लोन स्पेशल 2 घंटे, अमरनाथ एक्सप्रेस 2 घंटे, मुंबई स्पेशल ट्रेन 4 घंटे, बरौनी नई दिल्ली क्लोन स्पेशल 3 घंटे, चंडीगढ़ डिब्रूगढ़ ढाई घंटे और पूणे गोरखपुर स्पेशल अपने निर्धारित समय से 3.30 घंटे की देरी से चल रही है। पूर्वोत्तर रेलवे गोरखपुर के सीपीआरओ पंकज कुमार सिंह ने बताया कि ट्रेन के सुचारू संचालन को लेकर रेलवे प्रशासन की ओर से लगातार प्रयास किए जा रहे हैं।

50 हजार का इनामी बाइक चोर गिरफ्तार

कप्तानगंज। कप्तानगंज पुलिस और एसओजी की संयुक्त टीम ने सात साल से फरार चल रहे 50 हजार के इनामी बाइक चोर को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी लालमन यादव क्षेत्र के बनहा गांव का रहने वाला है, उसपर बाइक चोरी के कई मुकदमे दर्ज हैं। सीओ कलवारी संजय सिंह ने बताया कि बाइक चोर लालमन यादव को पुलिस कई महीनों से तलाश रही थी। मुखबिर से सूचना मिली कि वह महराजगंज बाजार में मौजूद हैं। इसके बाद घेराबंदी करके उसे गिरफ्तार कर लिया गया है। आरोपी पर बाइक चोरी सहित कई गंभीर अपराध में संलिप्त रहा है। सीओ ने बताया कि 27 नवंबर 2019 को स्वाट टीम और कप्तानगंज पुलिस की कार्रवाई में बाइक चोर विजय कुमार चौधरी, अतुल पाठक, दीपू यादव को दो चोरी की बाइक के साथ पकड़ा गया था। जिनकी निशानदेही पर सात अन्य बाइक विजय चौधरी के घर से बरामद हुई थीं। पूछताछ में पता चला कि बाइक चुराने वाले गिरोह में लालमन की सक्रिय भूमिका रहती है। तभी से वह फरार चल रहा था। उस पर 50 हजार का इनाम घोषित किया गया।

589 आंगनबाड़ी केंद्रों में बनाए जाएंगे पुस्तकालय

बस्ती। जिले के आंगनबाड़ी केंद्रों में बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए मिनी लाइब्रेरी स्थापित की जाएंगी, जिनमें करीब 150 रंगीन किताबें होंगी। केंद्रों को एलईडी लाइट, आधुनिक फर्नीचर और प्री-स्कूल किट से भी सुसज्जित किया जाएगा। प्रथम चरण में 589 आंगनबाड़ी केंद्रों का चयन हुआ है। जिसपर 59.69 लाख रुपये खर्च किए जाएंगे। जिले के आंगनबाड़ी केंद्रों को अब और अधिक आकर्षक और उपयोगी बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की जा रही है। नौनिहालों के सर्वांगीण विकास को ध्यान में रखते हुए इन केंद्रों पर मिनी लाइब्रेरी स्थापित की जाएगी, जहां बच्चों के लिए आकर्षक चित्रों वाली लगभग 150 रंगीन किताबें उपलब्ध होंगी। विभाग के अनुसार, ऐसे 589 आंगनबाड़ी केंद्र चिह्नित कर लिए गए हैं। यहां एलईडी टीवी लग चुकी है। आरओ प्लांट भी चल रहा है। मिनी लाइब्रेरी के लिए जल्द ही किताबें आनी शुरू हो जाएंगी। आंगनबाड़ी केंद्रों के आसपास एक छोटी वाटिका भी विकसित की जाएगी, जिससे बच्चों को प्रकृति के करीब लाया जा सके।

नियम विरुद्ध विद्यालय मर्ज होने का आरोप

बनकटी। डुमरियागंज के सांसद जगदंबिका पाल के पैतृक गांव भरवलिया में स्थित प्राथमिक विद्यालय एक वर्ष पूर्व बगल के चित्राखोर गांव में मर्ज कर दिया गया है। इससे ग्रामीणों में काफी नाराजगी है। पूर्व सभासद वीरेंद्र बहादुर पाल के नेतृत्व में ग्रामीणों ने बीएसए को संबोधित ज्ञापन एआरपी मनोज उपाध्याय को सौंपा है। मांग किया गया कि प्राथमिक विद्यालय भरवलिया को फिर से अस्तित्व में लाया जाए। कहा कि शासनादेश में राष्ट्रीय राजमार्ग या नदी नाला पार कर विद्यालय जाने को मना किया गया है। बावजूद इसके भरवलिया प्राथमिक विद्यालय को नियम विरुद्ध करीब डेढ़ किमी चित्राखोर में मर्ज कर दिया है। ऋर्षि राज, शिव कुमार पाल, प्रेरित पाल, चंद्रभान पाल, घनश्याम पाल, रणविजय पाल, अवधेश पाल आदि मौजूद रहे।

तोड़फोड़ और धमकाने के मामले में चार नामजद

बस्ती। वाल्टरगंज पुलिस ने धमकाने व तोड़फोड़ करने के आरोप में चार लोगों के खिलाफ नामजद एफआईआर दर्ज किया है। इसी थाना क्षेत्र के भथरिनवां निवासी राम सुमेर ने थाने में तहरीर देकर बताया कि बीते 22 मार्च को वह अपने मकान के आगे चबूतरे व सीढ़ी का निर्माण करा रहे थे। आरोप है कि सुबह करीब नौ बजे विपक्षी अपशब्द कहते हुए जान से मारने की धमकी देने लगे। साथ ही कुदाल और सब्बल से निर्माण को तोड़ दिया।

रामनवमी पर संगत बाबा आश्रम में कन्या पूजन, बेटियों के सम्मान का दिया संदेश

लखनऊ (संवाददाता)। ठाकुरगंज स्थित संगत बाबा हजाराबाग उदासीन आश्रम में रामनवमी पूरी श्रद्धा के साथ मनाई गई। इस अवसर पर महामंडलेश्वर स्वामी हरि प्रकाश और महंत स्वामी हरेंद्र मुनि ने कन्या पूजन का भव्य आयोजन किया। कार्यक्रम में क्षेत्र के लोगों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। पूरे आश्रम परिसर में धार्मिक वातावरण बना रहा। कार्यक्रम की शुरूआत विधि-विधान से पूजा-अर्चना के साथ हुई, जिसमें भगवान श्रीराम का स्मरण करते हुए भक्तों ने मंगल कामनाएं की। इसके बाद कन्या पूजन की परंपरा निभाई गई, जिसमें छोटी बालिकाओं को देवी का स्वरूप मानकर उनका आदर-सत्कार किया गया। श्रद्धालुओं ने कन्याओं के चरण धोए, माथे पर तिलक लगाया और उन्हें फूल, चुनरी, प्रसाद तथा उपहार अर्पित किए। लोगों को समाज में बेटियों के महत्व को समझने और उन्हें सम्मान देने का संदेश दिया गया। स्वामी हरि प्रकाश ने कहा कि कन्याएं समाज की अमूल्य धरोहर हैं और भविष्य में देश व समाज का नेतृत्व करेंगी। उन्होंने कहा कि उनकी शिक्षा, स्वास्थ्य और सुरक्षा सुनिश्चित करना हम सभी की प्राथमिक जिम्मेदारी है। समाज को बेटियों के उज्ज्वल भविष्य के लिए एकजुट होकर कार्य करना होगा

विश्वविद्यालय प्रबंधन का सही फैसला

आखिरी समय पर नहीं भरवाए परीक्षा फॉर्म इसलिए परीक्षा में नहीं हुई अव्यवस्था

■ ग्वालियर

जीवाजी विश्वविद्यालय प्रबंधन के एक फैसले की वजह से गुरुवार को शुरू हुई स्नातक द्वितीय वर्ष की परीक्षाओं में पहले दिन कोई अव्यवस्था नहीं हुई। विश्वविद्यालय प्रबंधन पर परीक्षा से एक दिन पहले परीक्षा फॉर्म भरवाए जाने के लिए दबाव डाला जा रहा था, इसके लिए कुलगुरु और कुलसचिव के बंगले का घेराव भी किया गया, लेकिन प्रबंधन अपने फैसले पर डटा रहा और इसकी वजह से परीक्षाएं व्यवस्थित शुरू हो पाईं। अगर प्रबंधन दबाव में आकर आखिरी समय पर परीक्षा फॉर्म भरवाता तो परीक्षार्थियों की संख्या बढ़ती और परीक्षा केंद्रों पर अफरा-तफरी की स्थिति पैदा हो जाती, ऐसा पिछले सालों में कई बार हुआ है।

जीवाजी विश्वविद्यालय से संबद्ध महाविद्यालयों में परीक्षा के लिए सूचना जनवरी माह में जारी कर दी थी, इसके साथ ही परीक्षा फॉर्म भरने की लिंक भी खोल दी थी, इस तरह विद्यार्थियों को परीक्षा फॉर्म भरने के लिए लगभग दो माह का समय मिल गया। इसके बावजूद परीक्षा से दो दिन पहले एनएसयूआई के नेतृत्व में कुछ विद्यार्थी परीक्षा फॉर्म भरने की लिंक खुलवाने के लिए पहुंचे थे, इन्होंने विश्वविद्यालय के प्रशासनिक भवन में हंगामा किया, इसके बाद कुलगुरु प्रो. राजकुमार आचार्य और कुलसचिव डॉ. राजीव मिश्रा के बंगले पर छह-छह घंटे तक धरना दिया, हंगामा किया और नारेबाजी की। पुलिस को हस्तक्षेप करना पड़ा, पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लेकर धरना खत्म करवाया। इसके बाद भी विश्वविद्यालय प्रबंधन दवाब में नहीं आया और परीक्षा फॉर्म भरने की लिंक नहीं खोली।

आखिरी समय परीक्षा फॉर्म भरवाने से यह होती अव्यवस्था : परीक्षा फॉर्म भरवाने के संबंध में कार्यपरिषद का भी निर्णय है कि परीक्षा से कुछ दिन पहले परीक्षा फॉर्म भरने की लिंक नहीं खोली जा सकती है। अगर परीक्षा फॉर्म भरवाने की प्रक्रिया के लिए दो दिन पहले लिंक खोल दी जाती तो

परीक्षा में अव्यवस्था होना तय थी।

▶▶ परीक्षा केंद्रों का निर्धारण हो चुका था, इनकी क्षमता भी तय थी। ऐसे में अंतिम समय में परीक्षार्थी बढ़ते तो निश्चित ही फर्नीचर और बैठक व्यवस्था की समस्या होती और विद्यार्थियों के लिए अंतिम समय पर किराए के फर्नीचर की व्यवस्था करना पड़ती यह भी अव्यवस्था की वजह होती।

▶▶ विश्वविद्यालय प्रबंधन उत्तरपुस्तिकाएं और प्रश्नपत्र भी परीक्षा केंद्रों पर भेज चुका था। अगर अंतिम समय में परीक्षा फॉर्म भरवाए जाते तो बढ़े हुए परीक्षार्थियों के लिए प्रश्नपत्र और उत्तरपुस्तिकाएं भेजना पड़तीं। नई शिक्षा नीति में विद्यार्थियों के पास ऐच्छिक प्रश्नपत्रों के विकल्प भी ज्यादा हैं, ऐसे में प्रश्न पत्र भेजने में गड़बड़ी हो सकती थी और इससे भी अव्यवस्था होती।

अधिकारियों के परिवारों को नजरबंद कर दिया, यह तो ठीक नहीं : परीक्षा फॉर्म भरने की लिंक खोले जाने का आंदोलन विश्वविद्यालय तक सीमित रहता तो किसी को आपत्ति नहीं होती, लेकिन प्रदर्शनकारी कुलगुरु और कुलसचिव के बंगलों के बाहर धरना देकर 5 घंटे से ज्यादा समय तक बैठे रहे, ऐसे में दोनों अधिकारियों के परिवार नजरबंद हो गए।

पहले दिन परीक्षाएं व्यवस्थित हुईं, 15 नकलची पकड़े

अंचल के 8 जिलों में 50 से ज्यादा परीक्षा केंद्रों पर स्नातक द्वितीय वर्ष की परीक्षाएं गुरुवार को शुरू हो गईं। पहले दिन किसी भी परीक्षा केंद्र से अव्यवस्था की सूचना नहीं मिली। जीवाजी विश्वविद्यालय के अधिकारियों के साथ उड़दनस्ते भी परीक्षा का निरीक्षण करने अलग-अलग जिलों में पहुंचे थे। सभी परीक्षा केंद्रों पर परीक्षा व्यवस्थित ढंग से होती हुई मिली। उड़नदस्तों ने इंदरगढ़, कैलारस, सबलगढ़, पहाड़गढ़, विजयपुर से 15 परीक्षार्थियों को नकल करते हुए पकड़ा। इनमें दो छात्राएं भी शामिल थीं। सबसे ज्यादा 8 नकलची इंदरगढ़ में मिले। इस बार अशासकीय महाविद्यालयों में परीक्षा केंद्र नहीं बनाए गए हैं, ऐसा नकल की प्रवृत्ति पर रोक लगाने के लिए किया गया है।

इनका कहना है

स्नातक द्वितीय वर्ष की परीक्षा शुरू हो गई है, पहले दिन परीक्षाएं व्यवस्थित रहीं। नकल की प्रवृत्ति पर रोक लगाने के लिए उड़नदस्ते लगातार निरीक्षण कर रहे हैं।

डॉ. राजीव मिश्रा,
कुलसचिव, जीवाजी विश्वविद्यालय

मंशापूर्ण मंदिर क्षेत्र बना नशे का अड्डा, नाबालिगों तक पहुंच रहा जहर, पकड़े आरोपियों पर भी नहीं हुई कार्रवाई

ग्वालियर। शहर के प्राचीन और आस्था का केंद्र मंशापूर्ण मंदिर के आसपास एक बार फिर नशे का नेटवर्क सक्रिय हो गया है। सबसे चिंताजनक बात यह है कि इस जाल में नाबालिग बच्चे भी फंसते नजर आ रहे हैं। बाल कल्याण समिति (सीडब्ल्यूसी) ने बुधवार को मौके पर पहुंचकर नशा करते और बेचते हुए पांच लोगों को रंगे हाथों पकड़ा, लेकिन आरोप है कि पड़ाव थाना पुलिस ने इनके खिलाफ कोई ठोस कार्रवाई नहीं की।

सीडब्ल्यूसी अध्यक्ष सोमेश महंत अपनी टीम के साथ रेलवे स्टेशन, मंशापूर्ण मंदिर परिसर और रेलवे पुल की सीढ़ियों पर पहुंचे थे। यहां नाबालिग बच्चों को सुलोचन का नशा करते हुए देखा गया, वहीं कुछ लोग खुलेआम इसे बेच रहे थे। टीम को देखकर कई नशेड़ी भागने लगे, लेकिन पांच लोगों को पकड़ लिया गया। इनमें एक गर्भवती महिला भी शामिल थी, जिसे बाद में उसके परिजनों को सौंप दिया गया।

सीडब्ल्यूसी का आरोप पुलिस कर रही खानापूर्ति पार्किंग मामले में सीसीटीवी फुटेज पर भी उठे सवाल

पकड़े गए लोगों पर क्यों नहीं की कार्रवाई

सीडब्ल्यूसी का आरोप है कि पकड़े गए आरोपियों को पुलिस के हवाले करने के बावजूद कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई। इससे साफ है कि मामले को गंभीरता से नहीं लिया जा रहा। समिति ने इसे केवल खानापूर्ति करार दिया है और चेतावनी दी है कि यदि जल्द सख्त कदम नहीं उठाए गए तो मामला उच्च स्तर तक ले जाया जाएगा।

विशेष अभियान चलाने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक को लिखा पत्र

सोमेश महंत ने गुरुवार को वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक धर्मवीर सिंह को पत्र लिखकर गंभीर चिंता जताई है। उन्होंने कहा कि मंशापूर्ण मंदिर जैसे धार्मिक स्थल के आसपास इस तरह का नशे का कारोबार होना बेहद शर्मनाक है। छोटे बच्चों को निशाना बनाकर उन्हें नशे की लत में धकेला जा रहा है, जो समाज के लिए खतरनाक संकेत है। उन्होंने मांग की है कि इस क्षेत्र में विशेष अभियान चलाया जाए, पर्याप्त पुलिस बल तैनात किया जाए और कार्रवाई में महिला पुलिसकर्मी को भी शामिल किया जाए। साथ ही पड़ाव पुल के नीचे बने खंडहरनुमा मकानों में सघन जांच और छापेमारी की जरूरत बताई गई है, जहां से इस नेटवर्क के संचालन की आशंका है।

रेलवे स्टेशन पार्किंग मामला भी संदेह के घेरे में

इसी बीच रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर-1 की पार्किंग में नशे के कारोबार का मामला भी फिर चर्चा में है। 30 दिसंबर 2025 को यहां खड़ी एक कार से नशे की सामग्री पकड़ी गई थी। इस मामले में भी थाना प्रभारी की भूमिका पर सवाल उठे हैं और रेलवे पुलिस से जांच की मांग की गई है। सीडब्ल्यूसी ने इस मामले में दोपहर 2 से शाम 5 बजे तक के सीसीटीवी फुटेज मांगे थे, लेकिन जीआरपी ने केवल शाम 5 से 7 बजे तक के फुटेज उपलब्ध कराए। जब बाकी समय के फुटेज के बारे में पूछा गया तो यह कह दिया गया कि डीवीआर में डेटा उपलब्ध नहीं है। इस जवाब ने पूरे मामले को और संदिग्ध बना दिया है। समिति अध्यक्ष ने पहले भी भोपाल रेल पुलिस अधीक्षक को पत्र लिखकर शिकायत की थी, लेकिन कोई जवाब नहीं मिला। अब एक बार फिर स्मरण पत्र भेजकर मामले में लापरवाही का आरोप लगाया गया है और सख्त कार्रवाई की मांग की गई है।

इनका कहना है

मंशापूर्ण मंदिर से लेकर रेलवे स्टेशन तक सिलोचन का नाबालिग बच्चे नशा कर रहे है। हमने पुलिस को ऐसे लोगों को पकड़कर सुपुर्द भी किया। लेकिन बिना कार्रवाई के इनको छोड़ा गया है। मैंने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक को पत्र लिखकर विशेष अभियान चलाने की बात की है। स्टेशन वाले मामले में भी भोपाल रेल पुलिस अधीक्षक को पत्र लिखा है।

सोमेश महंत, सीडब्ल्यूसी अध्यक्ष

लुटेरों का डर दिखाकर महिला के गहने उतरवा ले गए ठग

सीसीटीवी कैमरे मे नजर आए

■ ग्वालियर

उपनगर ग्वालियर में ठगों ने बाइक सवार दंपति को लुटेरों का भय दिखाकर गहने उतरवा लिए। घटना के बाद दंपति ने पुलिस ने शिकायत की, पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज में खंगाले तो एक सीसीटीवी कैमरे में पुलिस को इनके फुटेज मिले हैं। घटना घासमंडी इलाके में कृष्ण पब्लिक स्कूल के पास की है। फरियादी महेंद्र कुमार अपनी पत्नी के साथ बाइक पर सवार होकर जा रहे थे। तभी बाइक सवार दो ठग उनके पास पहुंचे। ठगों ने उन्हें लुटेरों का डर दिखाते हुए कहा कि आसपास बदमाश घूम रहे हैं जो महिलाओं के गहने लूट रहे हैं, इसलिए अपने जेवर उतारकर सुरक्षित रख लें। उन्होंने एक थैला दिया और कहा कि इसमें गहने रख लें, ताकि कोई लूट की घटना न हो। दंपति अपनी बातों मे आ गई और अपने गहने उतारकर उस थैले में रख दिए। ठगों ने चालाकी से थैला बदल दिया और कुछ ही क्षणों में मौके से फरार हो गए।

उनके जाने के बाद दंपति को शक हुआ और उन्होंने थैला खोलकर देखा तो उसमें रखे गहने गायब थे। ठगी का एहसास होते ही उन्होंने तुरंत किला गेट थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई।

बाइक सवार बदमाश बात करते हुए दिखे: पुलिस को पता चला तो मौके पर जाकर सीसीटीवी कैमरे खंगाले तो ठग नजर आ गए। वीडियो में नजर आ रहा है कि दो युवा जिसने एक युवा ने हेलमेट पहन रखा है तो वही दूसरे ने सर पर टोपी लगा रखी है दोनों दंपति से बात करते हुए नजर आ रहे हैं।

निजी स्कूलों की मनमानी पर प्रशासन सख्त, 10 संस्थानों को थमाए नोटिस

■ **सूचना पटल पर जानकारी न देने और नियमों की अनदेखी पर कार्रवाई, 27 स्कूलों की हुई जांच**

■ ग्वालियर

निजी स्कूलों की मनमानी पर अब जिला प्रशासन ने सख्त रुख अपना लिया है। अभिभावकों की लगातार मिल रही शिकायतों के बाद जिलाधीश श्रीमती रूचिका चौहान के निर्देश पर 27 निजी विद्यालयों की जांच कराई गई, जिसमें कई स्कूल नियमों का खुला उल्लंघन करते पाए गए। जांच में सामने आया कि कई विद्यालयों ने मध्यप्रदेश निजी विद्यालय (फीस एवं संबंधित विषयों का विनियमन) अधिनियम 2017 और नियम 2020 के प्रावधानों का पालन नहीं किया। खासतौर पर स्कूलों द्वारा पुस्तक और यूनिफॉर्म विक्रेताओं की सूची न तो सूचना पटल पर लगाई गई और न ही वेबसाइट पर प्रदर्शित की गई, जो कि नियमों का सीधा उल्लंघन है। जिला प्रशासन ने इस गंभीर लापरवाही पर कड़ा कदम उठाते हुए जी.डी. गोयनका स्कूल, भारतीयम विद्या निकेतन, मॉर्निंग स्टार स्कूल, प्रगति विद्यापीठ, किडीज कॉर्नर स्कूल, मानवेन्द्र ग्लोबल स्कूल, आदित्य वर्ल्ड स्कूल, नंबर-1 एयर फोर्स स्कूल, नारायण ई-टेक्नो स्कूल और जयपुरिया स्कूल को नोटिस जारी किए हैं। प्रशासन ने स्पष्ट कर दिया है कि यदि स्कूलों ने जल्द सुधार नहीं किया, तो उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जायेगी।

रविदास नगर में भीषण आग, पूरा घर जला

■ ग्वालियर

बहोड़ापुर थाना क्षेत्र के रामदास घाटी के पास स्थित रविदास नगर में गुरुवार को एक रिहायशी मकान में लगी भीषण आग ने पूरे इलाके में अफरा-तफरी मचा दी। आग इतनी तेजी से फैली कि कुछ ही मिनटों में पूरा मकान उसकी चपेट में आ गया और घर का सारा सामान जलकर राख हो गया।

जानकारी के अनुसार, मकान मालिक मनीष जाटव के घर में पंखे में हुए शॉर्ट सर्किट के चलते आग भड़की। शुरुआती चिंगारी ने देखते ही देखते विकराल रूप ले लिया। अचानक उठती लपटों और धुएं को देखकर आसपास के लोग घबरा गए और घरों से बाहर निकल आए। स्थानीय लोगों ने तत्परता दिखाते हुए तुरंत फायर ब्रिगेड को सूचना दी और खुद भी आग बुझाने के प्रयास में जुट गए। हालांकि आग इतनी भीषण थी कि शुरुआती प्रयास नाकाफी साबित हुए।

सूचना मिलते ही दमकल की चार गाड़ियां मौके पर पहुंचीं, लेकिन सकरी गलियों ने राहत कार्य को चुनौतीपूर्ण बना दिया। गाड़ियों को मौके तक पहुंचाने में काफी मशक्कत करनी पड़ी, जिससे आग और फैल गई। करीब 2 घंटे के प्रयास के बाद दमकल कर्मियों ने आग पर काबू पाया। हालांकि तब तक मकान में रखा पूरा गृहस्थी का सामान जलकर खाक हो चुका था। घर के अंदर मौजूद फर्नीचर, कपड़े, इलेक्ट्रॉनिक सामान और जरूरी दस्तावेज भी आग की भेंट चढ़ गए।

वारदात करने घूम रहा बदमाश पकड़ा, देशी कट्टा मिला

ग्वालियर। जनकगंज थाना क्षेत्र के छत्री मंडी मैदान में वारदात करने की नीयत से घूम रहे बदमाश को जनकगंज पुलिस ने पकड़ा है। बदमाश की तलाशी ली तो उसके पास से 315 बोर का देशी कट्टा मिला, जिसे पुलिस ने जब्त कर लिया। पकड़ में आए बदमाश के खिलाफ पुलिस ने आर्म्स एक्ट के तहत कार्रवाई की है।जनकगंज थाने की पुलिस गश्त कर रही थी तभी रात में करीब 9 बजे उनके मुखबिर ने सूचना दी कि छत्री मंडी मैदान के पास एक युवक घूम रहा है जिसकी गतिविधियां संदिग्ध है। सूचना मिलते ही पुलिस छत्री मंडी मैदान पहुंची और संदिग्ध हालत में घूम रहे एक युवक को पकड़ लिया। पकड़ में आए युवक ने अपना नाम कमल सिंह राजपूत निवासी अशोक कॉलोनी जनकगंज बताया। कमल सिंह की तलाशी लेने पर उसके पास से देशी कट्टा मिला।

एमआईसी बैठक में बवाल

सड़कों के अंधेरे से लेकर 2 करोड़ की फाइलों को लेकर हंगामा

■ **अधिकारियों को दो दिन का अल्टीमेटम**

■ ग्वालियर

नगर निगम की मेयर इन काउंसिल (एमआईसी) की गुरुवार को हुई बैठक तीखी बहस और आरोप-प्रत्यारोप के बीच हंगामेदार रही। बैठक की शुरुआत से ही माहौल गर्म हो गया, जब महापौर डॉ. शोभा सिकरवार ने एजेंडा छोड़ सीधे शहर की बदहाल स्ट्रीट लाइट व्यवस्था पर अधिकारियों को आड़े हाथों लिया। उन्होंने साफ कहा कि सचिन तेंदुलकर मार्ग सहित कई प्रमुख सड़कों पर अंधेरा पसरा रहता है और अधिकारी बुनियादी व्यवस्था तक नहीं संभाल पा रहे हैं।

बैठक में उस समय और तीखापन आ गया जब एमआईसी सदस्य अवधेश कौरव ने भाजपा

पार्षदों के लिए दो-दो करोड़ रुपए की विकास फाइलें तैयार किए जाने का मुद्दा उठा दिया। उन्होंने कहा कि अगर एक पक्ष के लिए फाइलें बन रही हैं, तो दूसरे के लिए भी समान रूप से बननी चाहिए। इस पर निगमायुक्त संघ प्रिय ने स्पष्ट किया कि ऐसी किसी भी राशि की फाइल उनके स्तर से स्वीकृत नहीं की गई है। हालांकि कौरव अपने आरोपों पर कायम रहे और उन्होंने कहा कि विभिन्न बैठकों में जनप्रतिनिधियों द्वारा इस तरह के संकेत दिए गए हैं।

उधर, बैठक शुरू होते ही एमआईसी सदस्य शकील खां मंसूरी ने क्षेत्राधिकारी तनुजा वर्मा को हटाने की मांग को लेकर बहिष्कार कर दिया। बाद में अन्य सदस्यों के समझाने पर वे बैठक में शामिल हुए, लेकिन उन्होंने आरोप लगाया कि परिषद में पारित प्रस्ताव के बावजूद क्षेत्राधिकारी को नहीं हटाया गया। उन्होंने यहां तक कहा कि उनके वार्ड में काम रोक दिया गया है और कथित तौर पर उनसे माफी मांगने की शर्त रखी जा रही है।

महापौर बोलीं- जनप्रतिनिधियों की अनदेखी बर्दाश्त नहीं

इस आरोप पर महापौर का पारा चढ़ गया। उन्होंने अधिकारियों को सख्त लहजे में चेतावनी दी कि जनप्रतिनिधियों की अनदेखी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इसके बाद निगमायुक्त ने तत्काल क्षेत्राधिकारी से फोन पर बात की, जिसमें उन्होंने ऐसे किसी भी आरोप से इनकार किया। बावजूद इसके एमआईसी ने मामले को गंभीर मानते हुए क्षेत्राधिकारी को दो दिन के भीतर हटाने का अल्टीमेटम दे दिया।

बैठक में इन बिंदुओं पर लिए निर्णय

▶▶ हंगामे के बीच एजेंडा के मुद्दों पर भी निर्णय लिए गए। बैठक में बजट वर्ष 2025-26 के विभिन्न मदों में राशि पुनर्विनियोजन को मंजूरी दी गई। साथ ही गोपाल मंदिर और राजमाता विजयाराजे सिंधिया स्टेडियम परिसर के पुजारियों के कार्यकाल में तीन वर्ष की वृद्धि को स्वीकृति दी गई।

▶▶ शहर में अधोसंरचना विकास के तहत हाईमास्ट और स्ट्रीट लाइट लगाने के लिए क्रमशः 27.58 लाख और 37.11 लाख रुपए के प्रस्तावों को हरी झंडी दी गई।

▶▶ एजेंडा से इतर लिए गए फैसलों में वार्ड 41 की प्रमुख सड़क का नाम स्व. विजयाराजे सिंधिया के नाम पर रखने का प्रस्ताव परिषद को भेजा गया। वहीं बताशे वाली गली का नाम बदलकर स्व. अरविंद केंगे के नाम पर करने की सहमति बनी। इसके अलावा विभिन्न विभागों के लिए वाहन किराए पर लेने के अधिकार महापौर को सौंपे गए।

गवाह के खिलाफ झूठी प्राथमिकी दर्ज करने पर न्यायालय ने लगाई फटकार, दी जमानत

क्या राज्य स्वयं ही प्रतिवादी और न्यायाधीश की भूमिका निभा सकता है?

■ ग्वालियर

जिला पुलिस द्वारा एक चर्चित मामले में फरियादी और गवाह के खिलाफ गंभीर धाराओं में प्राथमिकी दर्ज कर जेल भेजने पर सख्त टिप्पणी करते हुए फटकार लगाई है। पुलिस कार्यप्रणाली पर यह टिप्पणी तक की है कि क्या राज्य स्वयं ही प्रतिवादी और न्यायाधीश की भूमिका निभा सकता है। दरअसल जेल में निरुद्ध रघुवीर सिंह रावत की ओर से षस्टम अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश विवेक कुमार के न्यायालय में जमानत का आवेदन प्रस्तुत किया गया था। जिसमें पुलिस ने बिना किसी जांच अथवा किसी न्यायालय के आदेश जिस मामले में रघुवीर सिंह रावत गवाह था उसी मामले में धाराओं में बढ़ोत्तरी कर उसी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर जेल भेज दिया। दो दिन चली सुनवाई के बाद न्यायाधीश ने पुलिस कार्यप्रणाली पर जमकर सवाल खड़े करते हुए रावत के जमानत आवेदन को स्वीकार कर लिया।

यहां बता दें कि बन्हेरी गांव में सरपंच विक्रम रावत हत्याकांड के बाद 3 फरवरी को गोलीबारी में अजब सिंह घायल हो गया था। जिसकी सूचना नीतेश रावत ने दी। लेकिन बाद में पुलिस ने अपनी पड़ताल में इस घटना को फर्जी बताते हुए रघुवीर रावत एवं अन्य के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर जेल भेज दिया। न्यायालय ने फरियादी पक्ष द्वारा रखे तर्कों के आधार पर पुलिस की प्रणाली को पूरी तरह संदिग्ध और झूठा मानते हुए गंभीर टिप्पणी की। न्यायालय में तमाम अभिभाषक भी मौजूद थे जिन्होंने पुलिस के खिलाफ कार्रवाई की मांग रखी, लेकिन न्यायालय ने कहा कि यह उनके कार्य क्षेत्र में नहीं आता। न्यायालय में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक धर्मवीर सिंह यादव भी उपस्थित रहे। उनका कहना था कि कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए आवश्यक कदम उठाने प्राथमिकी दर्ज की गई थी। चूंकि इस क्षेत्र में झूठी प्रवृत्ति के मामले दर्ज कराने की प्रवृत्ति बढ़ गई है इसलिए ऐसी प्रवृत्ति को हतोत्साहित किया जाना आवश्यक है। उन्होंने जमानत आवेदन का विरोध किया। साथ ही अतिरिक्त लोक अभियोजक घनश्याम मंगल ने भी पुलिस कार्रवाई को सही बताते हुए जमानत न देने का अनुरोध किया। न्यायधीश ने रघुवीर सिंह रावत को एक लाख रुपए के बंधक पत्र पेश करने पर जमानत देने के आदेश दिए।

उठाए 11 सवाल

न्यायाधीश ने अपने आदेश के साथ पुलिस की प्रणाली पर 11 सवाल दागे

1. क्या पुलिस बीएनएस या सीआरपीसी में लिखित विधिक प्रक्रिया का उल्लंघन कर जीवन या स्वतंत्रता का हनन कर सकती है?
2. क्या अनुच्छेद 21 का उल्लंघन कानून व्यवस्था का हवाला देकर किया जा सकता है?
3. क्या बिना किसी सक्षम न्यायालय के आदेश अथवा जांच के इस निष्कर्ष पर पहुंचा जा सकता है कि कोई प्रकरण असत्य रूप से दर्ज कराया है, जिसमें संलिप्त आरोपियों को क्लीन चिट देकर फरियादी/साक्षी को निरुद्ध कर सकते हैं?
4. बिना वैधानिक साक्ष्य जो निर्विवादित रूप से अभिलेख पर प्रस्तुत नहीं है, अंतिम निष्कर्ष निकाला जा सकता है कि प्रश्नगत प्रकरण झूठा दर्ज कराया गया है?
5. क्या कानून की मुख्य अवधारणा विधि का शासन को कानून व्यवस्था का हवाला देकर निर्मूल किया जा सकता है?
6. क्या राज्य स्वयं ही परिवादी और स्वयं ही न्यायाधीश की भूमिका निभा सकता है। जैसे इस प्रकरण में हुआ है। स्वयं विवेचक की हैसियत से हस्तगत शिकायतकर्ता की हैसियत में परिवर्तन हो गया है?
7. क्या शिकायतकर्ता को स्वयं के मामले में जांच का अधिकार है?
8. इस प्रकार की प्रक्रिया का उपयोग कर सक्षम न्यायालयों की अधिकारिकता को बायपास करना विधिक रूप से स्वीकार है?
9. असंज्ञेय अपराधों में बिना संबंधित मजिस्ट्रेट के आदेश विवेचना या गिरफ्तारी पुलिस कर सकती है?
10. बिना पृथक प्राथमिकी के मूल केस की विवेचना के आधार पर फरियादी या धारा 61 के कथन जिसमें फरियादी एवं समस्त साक्षी द्वारा घटना को किया जाना बताया गया है उनके खिलाफ कार्रवाई की जा सकती है?
11. क्या पुलिस के पास ऐसे मामलों में 182 दंड प्रक्रिया संहिता की कार्रवाई के अलावा कोई दूसरा विकल्प था?

पूर्व न्यायाधीश को तीन साल के किराए सहित खाली करना होगा कार्यालय

सिंधिया देवस्थान ट्रस्ट के पक्ष में फैसला

ग्वालियर। सिंधिया देवस्थान ट्रस्ट द्वारा उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश शशि कुमार दुबे एवं उनके परिजनों के खिलाफ किराए के स्थान को खाली करने एवं किराया जमा कराने को लेकर न्यायालय में चल रहे मामले में सिंधिया देवस्थान ट्रस्ट के पक्ष में फैसला आया है। बीसवें व्यवहार न्यायाधीश कनिष्ठ खंड ग्वालियर ओमप्रकाश परमार ने इस मामले की सुनवाई करते हुए आदेश दिया है कि शशि कुमार दुबे निवासी बसंत विहार एवं श्रेया दुबे पत्नी शशिकांत नायक को रिक्त आधिपत्य देने के साथ ही 143 रुपए प्रतिमाह से तीन साल का किराया 5148 रुपए देना होगा। सिंधिया देवस्थान ट्रस्ट के सचिव राणा करण सिंह द्वारा यह वाद दायर किया गया था। जिसमें कहा गया था कि ट्रस्ट धार्मिक एवं पारमार्थिक कार्य करता है। उनके स्वत्व एवं स्वामित्व की जगह माहौरकर का बाड़ा जयेंद्रगंज मुख्य मार्ग पर स्थित है। जिसे 143 रुपए प्रतिमाह किराए पर पुत्तूलाल दुबे एडवोकेट को दिया गया था। उनका निधन 24 अप्रैल 2002 को होने के बाद किराया जमा करने के लिए जब नोटिस दिए गए तो कोई जवाब नहीं दिया गया। वाद में कहा गया कि जिन लोगों को किराए से स्थान दिया गया था उन्होंने दुबे एंड दुबे फर्म को शिकमी भाड़ेदार बना लिया है जबकि इस स्थान का किराया प्रतिमाह एक लाख रुपए प्राप्त किया जा सकता है। न्यायालय ने दोनों पक्षों को सुनने के बाद यह माना कि शशि कुमार दुबे भागीदार प्रमाणित हैं। इसलिए उन्हें रिक्त आधिपत्य देने के साथ तीन वर्ष का किराया और वाद दायर करने के बाद का किराया जमा करना होगा। इस मामले में सिंधिया देवस्थान ट्रस्ट की ओर से पैरवी घनश्याम मंगल ने की।

सम्पादकीय

वाह सुक्खू बोलिए, वाह

इसी 21 मार्च को जब हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने राज्य का वार्षिक बजट पेश किया तो एक क्रांतिकारी काम किया। अफसोस यह है कि उसकी चर्चा उसे हिसाब से नहीं हुई। शायद ईरान-इजरायल-अमेरिका युद्ध कारण होगा लेकिन मीडिया, खासकर प्रिन्ट मीडिया को देखें तो दूसरे विषय भी पर्याप्त जगह पा रहे हैं- जी हां क्रिकेट का आईपीएल टूर्नामेंट तो शुरू होने के पहले से भर-भर पन्ने जगह पाने लगा है। हिमाचल भी इधर क्रिकेट में आयोजन के चलते चर्चा में रहा था, अपने आयोजक अधिकारियों के लिए विमान से मसीर्डीज टैक्सियां लाने ले जाने के लिए क्योंकि धर्मशाला जैसी छोटी जगह में ऐसी टैक्सियां कोई लेता ही नहीं। संयोग से क्रिकेट प्रशासन आजकल भाजपाई नेताओं के हाथ में है और सुक्खू साहब कांग्रेसी हैं। उन्होंने राज्य की वित्तीय परेशानियों के मद्देनजर अपना वेतन समेत सारे मंत्रियों, विधायकों, प्रशासनिक अधिकारियों और पुलिस अधिकारियों के वेतन में कटौती की और इसे छह महीने तक टालने का फैसला किया। विधायकों और छोटे अधिकारियों का वेतन बीस फीसदी कम हुआ तो मंत्रियों और बड़े अधिकारियों के वेतन में तीस फीसदी कटौती हुई और खुद मुख्यमंत्री ने अपना वेतन पचास फीसदी कम कर दिया। छोटे कर्मचारियों और पेंशन वालों के लिए कोई कटौती नहीं हुई। अब हिमाचल में आर्थिक आपातकाल है या नहीं यह बहस का विषय हो सकता है लेकिन इस कदम पर कोई बहस नहीं हो सकता और आम तौर पर इसकी तारीफ ही हुई है-शिकायत है तो यही कि ज्यादा शोर क्यों नहीं मचा। चर्चा तो हिमाचल विधान सभा में हुई लेकिन विपक्ष के नेता जयराम ठाकुर की आलोचना बजट का आकार घटाने पर केंद्रित थी तो उनकी चिंता राज्य की अर्थव्यवस्था के पीछे जाने की थी। मुख्यमंत्री केंद्र से मिलने वाले लगभग आठ हजार करोड़ का अनुदान रोके जाने की शिकायत के साथ बजट के आकार में कमी को भी उसी से जोड़ते रहे। दिलचस्प है कि हिमाचल की कटौती की चर्चा कर्नाटक विधान सभा में हुई और भाजपा विधायक वी सुनील कुमार ने कर्नाटक के बजट की 14 फीसदी रकम सब्सिडी पर और एक लाख करोड़ रुपये से ज्यादा रकम चुनावी रेवड़ियों पर खर्च का हवाला देते हुए हिमाचल जैसी स्थिति आने की चेतावनी दी। हिमाचल में कांग्रेस ने कई बड़े वायदे किए थे जिनमें पुरानी पेंशन स्कीम को वापस लाना भी शामिल था और सुक्खू साहब बार-बार आर्थिक तंगी का हवाला देते हुए इनमें से कई योजनाओं पर अमल टालते रहे थे। भाजपा इसे देश भर में मुद्दा बनाती रही थी। हिमाचल ही नहीं कि अन्य राज्यों के ऐसे अनुभव का कोई प्रभाव चुनावी वायदों पर पड़ता नहीं दिखा है। अभी घोषित चुनावों में भी हर दल बढ़-चढ़ कर वायदे किए जा रहा है। मुख्यमंत्री सुक्खू की पहल इसी संदर्भ में महत्वपूर्ण है। यह एक नई शुरूआत है और इसमें संभावना है कि चुनावी वायदों पर स्वैच्छिक अंकुश के साथ गरीब और अमीर राज्यों की सरकारों के आचरण में फर्क की शुरूआत हो। और इस लेखक जैसे काफी लोग हैं जिन्हें लगता है कि यह प्रयोग तो भारत सरकार के स्तर पर भी दोहराया जाना चाहिए क्योंकि प्रधानमंत्री दावा जो करें हम अभी भी एक गरीब देश हैं और सुरक्षा या शान जिस भी नाम से हो हमें विकसित देशों जैसे खर्च से बचना चाहिए। हजारों करोड़ रुपए का विशेष विमान अमेरिकी राष्ट्रपति रख सकते हैं हमारे लिए वह बोझ है और अगर कोई देश या प्रांत गरीब है तो गरीबी का अनुभव और किफायतों का बोझ सिर्फ आम लोग क्यों उठाए? पहले तो यह काम कथित नेता या अगुआ लोगों को करना चाहिए। उनको विदेशों से या बहुराष्ट्रीय निगमों के अधिकारियों से तुलना नहीं करनी चाहिए। एक न्यूनतम जरूरत का खयाल रखते हुए उन्हें अपने वेतन और सुविधाओं में कटौती करनी चाहिए। चुनाव के समय बड़ी-बड़ी बातें कहने के बाद जनता के पैसे से शीश महल बनवाने और उड़न खटोले में घूमने से बचना चाहिए। और कहना न होगा कि इस मामले में हिमाचल के फैसलों के अनुसरण में बिहार, ओडिशा, झारखंड और मध्य प्रदेश जैसे राज्यों को आगे आना चाहिए और कांग्रेस तथा भाजपा जैसी पार्टियों को दबाव बनाकर अपनी सरकारों के शाहखर्ची पर रोक लगानी चाहिए। चुनावी वायदों का पिटारा खोलते वक्त पार्टियां और नेता उनसे जुड़ी परेशानियां तो भूलते ही हैं अपने राज्य या मुल्क की आर्थिक स्थिति को लेकर रोना रोने में भी वे होड़ लगाते हैं, पर कोई भी खर्चों में कमी या किफायत वाले कदम नहीं उठाता। छोटे-छोटे राज्यों के पास सरकारी विमानों का बेड़ा सा है जिसे नेता और अधिकारी जहां तहां लिए घूमते रहते हैं। कोई कायदा कानून इन पर लागू नहीं होता। कभी पार्टियां दूसरे की सरकारों की वित्तीय परेशानियों की चर्चा तो कर लेती हैं लेकिन जब अपनी सरकारों की बारी आती है तो एकदम दूसरा रुख अपना लेती है। हिमाचल के आसपास ही महाराष्ट्र सरकार बनी तो उसको भी चुनावी वायदों को लेकर दिक्कत हुई। कई योजनाएं टलीं और लाड़ली बहन योजना समेत कई की लाभार्थियों की सूची में कतर-ब्योंत हुई।

मलयालम को ताकतवर बनाने का श्रेय लेने की होड़

भाषायी अस्मिता के लिहाज से देखें तो केरल का यह कदम बेहद क्रांतिकारी और भारतीय भाषाओं के हित में है। लेकिन कर्नाटक की आपत्तियों को भी अनदेखा नहीं किया जाना चाहिए। यहां ध्यान दिया जाना चाहिए कि केरल के कासरगोड जिले में मलयालम की बजाय कन्नड़ भाषी लोग ज्यादा है। केरलम् में विधानसभा चुनावों के बीच मलयालम को राज्य की आधिकारिक भाषा का दर्जा मिलने का श्रेय लेने का सियासी खेल बढ़ता जा रहा है। राज्य का नाम केरलम् किया जाना और इसके हफ्तेभर बाद ही मलयालम को आधिकारिक भाषा की मंजूरी मिलना कुछ लोगों की नजर में भले ही संयोग हो, लेकिन ऐसा नहीं है। राज्य में विधानसभा चुनाव की रणभेरी बजने की औपचारिकता भर बाकी है। इस संदर्भ में राजनीतिक दलों द्वारा इन दोनों कदमों का श्रेय लेने की होड़ मचना स्वाभाविक है। लेकिन भाषा विधेयक को लेकर केरल की सीमाओं के बाहर सवाल भी उठने शुरू हो गए हैं। इसमें दो राय नहीं कि गैर हिंदीभाषी इलाके अपनी भाषाओं और सांस्कृतिक परंपराओं को अपनी अस्मिता से जोड़कर देखते हैं। हिंदीभाषी राज्यों में अपनी हिंदी या स्थानीय भाषाओं को लेकर ऐसी सोच नहीं दिखती। मलयालम को केरलम् की आधिकारिक भाषा बनाने की मांग बहुत पुरानी है। इस दिशा में पहला प्रयास करीब दस साल पहले कांग्रेस की अगुआई वाली संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा यानी यूडीएफ की सरकार ने किया था। 2015 में ओमन चांडी सरकार ने इस विधेयक को पारित कराया था। लेकिन तब इस विधेयक पर पड़ोसी कर्नाटक सरकार ने कड़ा एतराज जताया था। जब इस विधेयक को मंजूरी के लिए राष्ट्रपति के पास भेजा गया तो राष्ट्रपति ने इसे 1963 के ऑफिशियल भाषा एक्ट के नियमों को हटाकर जमा करने के सुझाव के साथ वापस भेज दिया था। फिर दस साल बाद मौजूदा वाममोर्चा की सरकार ने इसे नए रूप में पारित किया। इस बार भी कर्नाटक इस कानून का विरोध कर रहा है। अब तक केरल में अंग्रेजी के साथ ही मलयालम को आधिकारिक भाषा के तौर पर प्रतिष्ठा रही है। लेकिन नए कानून के तहत सरकारी और सरकारी अनुदान प्राप्त स्कूलों में कक्षा 10 तक मलयालम को पहली भाषा के तौर पर अनिवार्य रूप से पढ़ाना जरूरी होगा। इसके साथ ही अदालती फैसलों और कार्यवाही भी अनिवार्य तौर पर मलयालम भाषा में अनूदित की जाएंगी। अब से राज्य विधानसभा में सभी बिल और अध्यादेश मलयालम में पेश किए जाएंगे। इसके साथ ही, अंग्रेजी में प्रकाशित महत्वपूर्ण केंद्रीय और राज्य कानूनों का भी मलयालम में अनुवाद होगा। नए कानून के तहत सूचना तकनीकी विभाग को मलयालम के प्रभावी इस्तेमाल के लिए ओपन सोर्स सॉफ्टवेयर और इंस्ट्रूमेंट विकसित करने की जिम्मेदारी दी जा रही है। राज्य सचिवालय में मौजूदा पर्सनल एंड एडमिनिस्ट्रेटिव रिफॉर्म्स (ऑफिशियल लैंग्वेज) विभाग का नाम बदलकर मलयालम भाषा विकास विभाग किया जा राह है। इन कदमों के साथ ही राज्य में मलयालम भाषा विकास निदेशालय भी गठित किया जाएगा। भाषायी अस्मिता के लिहाज से देखें तो केरल का यह कदम बेहद क्रांतिकारी और भारतीय भाषाओं के हित में है। लेकिन कर्नाटक की आपत्तियों को भी अनदेखा नहीं किया जाना चाहिए। यहां ध्यान दिया जाना चाहिए कि केरल के कासरगोड जिले में मलयालम की बजाय कन्नड़ भाषी लोग ज्यादा है। राज्य मे इसी तरह तमिल, तुलु, गुजराती और कोंकणीभाषी लोग भी हैं। उनकी अपनी भाषाओं में पढ़ाई वाले स्कूल भी हैं। हालांकि मलयालम भाषा कानून का विरोध तमिल मूल के लोगों ने तो नहीं किया है, लेकिन कर्नाटक के तर्कों में उनकी भी बातें एक तरह शामिल हैं। कर्नाटक सरकार का तर्क है कि यह कानून केरल में रहने वाले कन्नड़ भाषी अल्पसंख्यकों की भाषाई अस्मिता के लिए खतरा है। यह कानून, कर्नाटक भाषियों के अधिकारों का उल्लंघन है। कर्नाटक सीमा क्षेत्र विकास प्राधिकरण का तर्क है है कि कासरगोड और केरल के दूसरे कन्नड़ भाषी क्षेत्रों में भाषाई अल्पसंख्यक छात्र अभी स्कूलों में कन्नड़ को पहली भाषा के तौर पर पढ़ते हैं। केरल में स्कूलों में हिंदी भी पढ़ाई जाती रही है। इसलिए माना जाता है कि केरल में हिंदीविरोधी माहौल नहीं है। लेकिन दिलचस्प यह है कि केरल के विद्वान भी इस कानून के पक्ष में तर्क देते वक्त केंद्र सरकार पर केरल में हिंदी थोपने का आरोप लगाने से नहीं हिचक रहे। दिलचस्प यह है कि ऐसा ही आरोप कर्नाटक की ओर से लगाया जा रहा है, बस वहां हिंदी की जगह मलयालम को थोपे जाने की बात हो रही है। केरल सरकार ने हालांकि सफाई दी है कि जिनकी मातृभाषा तमिल, कन्नड़, तुलु या कोंकणी है, उनके लिए भी कानून में प्रावधान हैं। इस कानून में इस बात की चर्चा है कि राज्य के भाषायी अल्पसंख्यक अपनी भाषा में राज्य सचिवालय, विभागों और स्थानीय सरकारी कार्यालयों से पत्राचार कर सकेंगे। इसके साथ ही, मलयालम के अलावा दूसरी मातृभाषा वाले छात्रों को नेशनल एजुकेशन प्रोग्राम में शामिल भाषाओं में पढ़ाई कर सकेंगे। इसी तरह दूसरे राज्यों या विदेश से आने वाले छात्रों को नौंवी, दसवीं और हायर सेकेंडरी स्तर पर मलयालम की परीक्षा देने से छूट मिलेगी। मलयालम को आधिकारिक भाषा बनाने का स्थानीय नागरिक स्वागत तो कर रहे हैं, लेकिन कुछ लोगों का मानना है कि इस कानून के नाम से ही अलगाववादी और वर्चस्ववादी झलक मिलती है।, केरल के बौद्धिकों के एक वर्ग का कहना है कि बेहतर होता है कि इस कानून का नाम मलयालम भाषा एक्ट 2025 की जगह केरल स्टेट लैंग्वेज एक्ट 2025 होता। इससे समावेशी संदेश जाता। यहां के बौद्धिकों का तर्क है कि इस विधेयक में मलयालम की जगह बेहतर होता कि राज्य में प्रयोग में लाई जाने वाली तमिल,कन्नड़, कोंकणी, तुलु और गुजराती का भी जिक्र होता। केरल में जंगलों और दूरदराज के इलाकों में रहने वाले लोगों की अपनी भाषाएं भी हैं।

राज्य में विधानसभा चुनाव की रणभेरी बजने की औपचारिकता भर बाकी है। इस संदर्भ में राजनीतिक दलों द्वारा इन दोनों कदमों का श्रेय लेने की होड़ मचना स्वाभाविक है। लेकिन भाषा विधेयक को लेकर केरल की सीमाओं के बाहर सवाल भी उठने शुरू हो गए हैं। इसमें दो राय नहीं कि गैर हिंदीभाषी इलाके अपनी भाषाओं और सांस्कृतिक परंपराओं को अपनी अस्मिता से जोड़कर देखते हैं। हिंदीभाषी राज्यों में अपनी हिंदी या स्थानीय भाषाओं को लेकर ऐसी सोच नहीं दिखती। मलयालम को केरलम् की आधिकारिक भाषा बनाने की मांग बहुत पुरानी है। इस दिशा में पहला प्रयास करीब दस साल पहले कांग्रेस की अगुआई वाली संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा यानी यूडीएफ की सरकार ने किया था। 2015 में ओमन चांडी सरकार ने इस विधेयक को पारित कराया था। लेकिन तब इस विधेयक पर पड़ोसी कर्नाटक सरकार ने कड़ा एतराज जताया था। जब इस विधेयक को मंजूरी के लिए राष्ट्रपति के पास भेजा गया तो राष्ट्रपति ने इसे 1963 के ऑफिशियल भाषा एक्ट के नियमों को हटाकर जमा करने के सुझाव के साथ वापस भेज दिया था। फिर दस साल बाद मौजूदा वाममोर्चा की सरकार ने इसे नए रूप में पारित किया। इस बार भी कर्नाटक इस कानून का विरोध कर रहा है। अब तक केरल में अंग्रेजी के साथ ही मलयालम को आधिकारिक भाषा के तौर पर प्रतिष्ठा रही है। लेकिन नए कानून के तहत सरकारी और सरकारी अनुदान प्राप्त स्कूलों में कक्षा 10 तक मलयालम को पहली भाषा के तौर पर अनिवार्य रूप से पढ़ाना जरूरी होगा। इसके साथ ही अदालती फैसलों और कार्यवाही भी अनिवार्य तौर पर मलयालम भाषा में अनूदित की जाएंगी। अब से राज्य विधानसभा में सभी बिल और अध्यादेश मलयालम में पेश किए जाएंगे। इसके साथ ही, अंग्रेजी में प्रकाशित महत्वपूर्ण केंद्रीय और राज्य कानूनों का भी मलयालम में अनुवाद होगा। नए कानून के तहत सूचना तकनीकी विभाग को मलयालम के प्रभावी इस्तेमाल के लिए ओपन सोर्स सॉफ्टवेयर और इंस्ट्रूमेंट विकसित करने की जिम्मेदारी दी जा रही है। राज्य सचिवालय में मौजूदा पर्सनल एंड एडमिनिस्ट्रेटिव रिफॉर्म्स (ऑफिशियल लैंग्वेज) विभाग का नाम बदलकर मलयालम भाषा विकास विभाग किया जा राह है। इन कदमों के साथ ही राज्य में मलयालम भाषा विकास निदेशालय भी गठित किया जाएगा। भाषायी अस्मिता के लिहाज से देखें तो केरल का यह कदम बेहद क्रांतिकारी और भारतीय भाषाओं के हित में है। लेकिन कर्नाटक की आपत्तियों को भी अनदेखा नहीं किया जाना चाहिए। यहां ध्यान दिया जाना चाहिए कि केरल के कासरगोड जिले में मलयालम की बजाय कन्नड़ भाषी लोग ज्यादा है। राज्य मे इसी तरह तमिल, तुलु, गुजराती और कोंकणीभाषी लोग भी हैं। उनकी अपनी भाषाओं में पढ़ाई वाले स्कूल भी हैं।

अपना धर्म बनाए रखने की स्वतंत्रता

जूलियो रिबैरो

वैस्टर्न रीजन बिशप्स काउंसिल से संबद्ध महाराष्ट्र के कैथोलिक बिशपों ने हाल ही में महाराष्ट्र राज्य विधानमंडल के दोनों सदनों द्वारा पारित फ्रीडम ऑफ रिलीजन विधेयक के खिलाफ आधिकारिक रूप से विरोध दर्ज कराया है। मुझे खुशी है कि उन्होंने ऐसा किया। एक कैथोलिक के रूप में, मुझे बहुत निराशा होती यदि बिशप संविधान के उस अपमान को चुपचाप स्वीकार कर लेते, जो यह स्वतंत्रता अपने साथ लाती है।संविधान के इस अपमान पर विस्तार से चर्चा करने से पहले, मैं वर्तमान भाजपा सरकार के पक्ष में एक बात कहना चाहता हूं। उनके पास हास्य की अच्छी समझ है! एक नागरिक को अपनी पसंद के धर्म को चुनने या उसका पालन करने की स्वतंत्रता से वंचित करना और फिर उस प्रतिबंध को स्वतंत्रता का नाम देना वाकई किसी जादूगर की हाथ की सफाई जैसा है। हमारे प्रधानमंत्री सबका साथ, सबका विकास की बात करते हैं, लेकिन उनके अनुयायी मुसलमानों को (जो उनकी नफरत का मुख्य लक्ष्य हैं) ड्क्षहदू इलाकों में अपना सामान बेचने की अनुमति नहीं देते, जबकि वे अनंत काल से ऐसा करते आ रहे हैं। व्यक्तिगत रूप से, मैं धर्म परिवर्तन के पक्ष में नहीं हूं। मेरा कहने का मतलब यह है कि हमारे पादरियों और ननों को अन्य धर्मों के अनुयायियों को ईसाई धर्म की ओर आकर्षित करने के उद्देश्य से जानबूझकर सुसमाचार का प्रचार नहीं करना चाहिए। लेकिन अगर सत्य, न्याय, दया और करुणा के उनके ईसाई जीवन से प्रभावित होकर कुछ गैर-ईसाई, ईसाई धर्म की ओर आकर्षित होते हैं, तो क्या हमारे पादरी और नन इन संभावित धर्म परिवर्तन करने वालों को भगा सकते हैं? वे ऐसा नहीं कर सकते और उन्हें ऐसा करना भी नहीं चाहिए। भारतीय संविधान इस मुद्दे पर बहुत स्पष्ट है। ईसाई और इस्लाम दोनों के विवाह नियमों में यह आवश्यक था कि चर्च या मस्जिद में विवाह करने वाले दोनों पक्ष एक ही धर्म के हों। यदि वे नहीं थे, तो गैर-ईसाई को ईसाई धर्म में और गैर-मुस्लिम को इस्लाम में परिवर्तित होना पड़ता था, यदि विवाह उनके संबंधित कानूनों और रीति-रिवाजों के अनुसार संपन्न करना हो। कैथोलिक चर्च ने दशकों पहले इस मजबूरी को त्याग दिया है। जब गैर-कैथोलिक पक्ष द्वारा धर्म परिवर्तन के लिए अनुरोध किया जाता है, तो पादरी उन्हें सूचित करते हैं कि धर्म परिवर्तन की आवश्यकता नहीं है। वे यह भी जोड़ते हैं कि पक्षकार इस मुद्दे पर निर्णय लेने के लिए 5 या उससे अधिक वर्षों तक प्रतीक्षा कर सकते हैं। मैं यहां नौसेना के 2 डॉक्टरों का मामला बताता हूं, जो पुणे के ए.एफ.एम.सी. (आर्म्ड फोर्सेज मैडिकल कॉलेज) के छात्र थे और अलग-अलग धर्मों के थे। पढ़ाई के दौरान उन्हें प्यार हो गया। दूल्हा पुणे नगर पालिका के मुख्य चिकित्सा अधिकारी का बेटा था। उसकी मां और मेरी मां बारदेज तालुका के छोटे से गोअन गांव बादेम में पड़ोसी और सहपाठी थीं। दुल्हन भारतीय सेना के एक सेवारत या सेवानिवृत्त मेजर जनरल की बेटी थी और पुणे के एक प्रसिद्ध चितपावन ब्राह्मण परिवार से थी। जब जोड़ा शादी के बंधन में बंधने के अपने इरादे की घोषणा करने के लिए एक जेसुइट पादरी (जो एक जर्मन थे) के पास गया, तो लड़की ने कहा कि वह कैथोलिक धर्म अपनाने को तैयार है। तुरंत जवाब आया, ऐसी कोई आवश्यकता नहीं है। वास्तव में, मैं आपको सलाह देता हूं कि ऐसा कोई भी निर्णय लेने से पहले कम से कम पांच साल प्रतीक्षा करें। और यह अच्छा ही रहा। क्योंकि उनका बेटा पैदा होने के तुरंत बाद, अधिकारी ने नौसेना की विमानन शाखा के सहयोगियों के साथ हैलीकॉप्टर में एक सवारी की और कभी वापस नहीं आए। हैलीकॉप्टर समुद्र में गायब हो गया और उसमें सवार सभी लोग मारे गए। मेरी मां की सहपाठी ने मेरी मां को बताया कि उन्होंने और उनके पति ने युवा विधवा को दोबारा शादी करने के लिए राजी किया, जो उसने कर ली। पूर्व बहू और उसके पहले पति के परिवार के बीच संबंध अब भी घनिष्ठ और आत्मीय बने हुए हैं। मैं इस मामले का विस्तार से उल्लेख यह साबित करने के लिए कर रहा हूं कि कैथोलिक चर्च पिछले कुछ वर्षों में नाटकीय रूप से बदला है और उसने चर्च की शिक्षाओं को आधुनिक विचारों के साथ समायोजित किया है। वर्तमान में, जबरन धर्म परिवर्तन के आरोप से बचने का एकमात्र समाधान मैरिज रजिस्ट्रार के कार्यालय में शादी करना है, जैसा कि मेरी बेटी ने किया था। हाल ही में, गुजरात उच्च न्यायालय ने एक मुस्लिम पुरुष साथी को रजिस्ट्रार कार्यालय में शादी करने और अपनी हिंदू महिला साथी के खाते में 3 लाख रुपए जमा करने का आदेश दिया, ताकि उसके माता-पिता की इस मांग को खारिज किया जा सके कि उसे उसके मायके वापस भेज दिया जाए। लड़के ने तुरंत इसका पालन किया, जिससे साबित हुआ कि उसका प्यार सच्चा था और किसी जिहाद से प्रेरित नहीं था। कुछ राज्यों में सत्ता में बैठी भाजपा सरकारों को अपने उस मुख्य वोट बैंक को खुश करना पड़ता है, जिसे यह झूठ परोसा गया है कि हर मुस्लिम पुरुष की 4 पत्नियां और एक दर्जन बच्चे होते हैं। उनसे कहा जाता है कि एक समय आएगा जब मुसलमानों की संख्या हिंदुओं से अधिक हो जाएगी और वे शरीयत के कानून लागू कर देंगे। इस वर्ग के जागरूक लोग जानते हैं कि ये आंकड़े गलत हैं लेकिन वे हिंदू गौरव को बनाए रखने के लिए इस रास्ते पर चलते दिख रहे हैं।

मिडिल ईस्ट युद्ध ने ट्रम्प की मुश्किलों को बढ़ाया

राजेश पांडेय

मिडिल ईस्ट युद्ध की लपटें अब दुनिया को झुलसाने लगी हैं। तेल, गैस की कीमतों में उतार-चढ़ाव जारी है। युद्ध लंबे समय तक चला तो ग्लोबल अर्थव्यवस्था को भारी नुकसान होगा। हालांकि, अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की पांच दिन के युद्धविराम की पेशकश ने उम्मीदें जगाई हैं। जाहिर है, ट्रम्प अनिश्चय की स्थिति में हैं। युद्ध की दिशा उनके अनुमान के मुताबिक नहीं रही है। यही स्थिति इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की है। ट्रम्प-नेतन्याहू ने सोचा था कि उनके सामने इजरायल जल्द पस्त हो जाएगा। लेकिन 26 मार्च तक तो ऐसा नहीं हुआ था। अमेरिका के शांति प्रस्तावों पर ईरान ने कड़ा रुख अपनाया है। भारी तबाही के बावजूद वह अपने कुछ मुद्दों पर पीछे हटने के लिए तैयार नहीं है। मौजूदा युद्ध के उद्देश्यों पर हमेशा सवाल उठेंगे। हानि-लाभ का हिसाब लगाया जाएगा। पूछा जाएगा कि चीन, रूस और भारत जैसे देशों की भूमिका क्या रही? नेतन्याहू के बहकावे पर युद्ध में कूदे ट्रम्प के सामने तो कोई स्पष्ट लक्ष्य तक नहीं है। वैसे, अमेरिका की हथियार लॉबी का धंधा जोर पकड़ चुका है। अमेरिका को अब तक इजरायल और खाड़ी देशों से करोड़ों रुपए के हथियारों की सप्लाई के ऑर्डर मिले हैं। लेकिन कुछ वास्तविकताएं ट्रम्प की मुश्किलों को सामने रखती हैं। ट्रम्प बिजनेसमैन हैं। वे राजनीति को नफा-नुकसान के नजरिये से देखते हैं। लिहाजा, तेल, गैस की सप्लाई में रुकावट से बिजनेस पर पड़ने वाला असर उनके लिए चिंता पैदा कर रहा है।

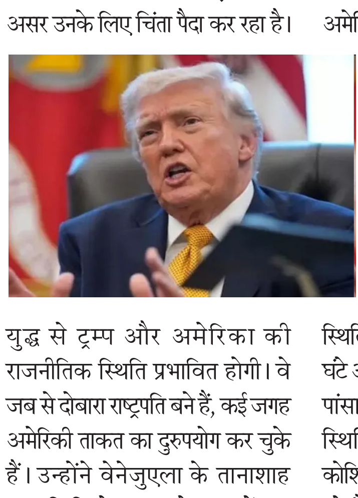

युद्ध से ट्रम्प और अमेरिका की राजनीतिक स्थिति प्रभावित होगी। वे जब से दोबारा राष्ट्रपति बने हैं, कई जगह अमेरिकी ताकत का दुरुपयोग कर चुके हैं। उन्होंने वेनेजुएला के तानाशाह राष्ट्रपति निकोलस मादुरो का रातों-रात अपहरण कर लिया था। ट्रम्प नोबल शांति पुरस्कार पाने की लालसा रखते हैं लेकिन उन्होंने ईरान के बहुत बड़े हिस्से को उजाड़ डाला है। वहां वियतनाम और गाजा पट्टी जैसी सघन बमबारी हुई है। स्कूलों, अस्पतालों, सड़कों, पुलों और रिहायशी इलाकों को तहस-नहस करने में कोई कसर बाकी नहीं रखी गई है। ईरान के डटे रहने से ट्रम्प के राजनीतिक प्रभाव में सेंध लग रही है। उनकी दुनिया को दबाने की ताकत क्षीण होगी। चीन, रूस जैसे देशों के सामने असहाय महसूस करने वाले देश सोच सकते हैं कि जब ट्रम्प ईरान जैसे देश को नहीं झुका पाए तो वे इन देशों का क्या कर लेंगे? ट्रम्प यदि जीतते नहीं हैं तो अमेरिकी में उनकी राजनीतिक स्थिति कमजोर होगी। अमेरिका तेल, गैस का निर्यातक है। फिर भी, वहां गैस के मूल्य बढ़ रहे हैं। अक्सर जनमत के निर्धारण में महंगाई की अहम भूमिका होती है। इसलिए अनुमान लगाए जा रहे हैं कि नवंबर में होने वाले अमेरिकी संसद के मध्यावधि चुनाव में राष्ट्रपति की रिपब्लिकन पार्टी को नुकसान हो सकता है। लगता है, स्थिति संभालने के लिए ट्रम्प ने पहले 48 घंटे और फिर पांच दिन के युद्धविराम का पांसा फेंका है। वे किसी समझौते की स्थिति में विजेता बनकर उभरने की कोशिश करेंगे। ट्रम्प भ्रम के अंधेरे में भटक रहे हैं तो नेतन्याहू का एजेंडा एकदम साफ है। उनका राजनीतिक कॅरियर दुस्साहस, जोखिम और निर्ममता का पर्याय है। 2023 के बाद गाजा में हजारों बेकसूर फिलिस्तीनियों की हत्या ने उनका हौसला बढ़ाया है। ईरान पर हमले के लिए उन्हें देश की जनता के बड़े हिस्से का समर्थन भी है। इजरायलियों के बीच धारणा है कि उनके देश के अस्तित्व को ईरान से सबसे ज्यादा खतरा है। नेतन्याहू गाजा में जनसंहार के बाद भी अपने राजनीतिक भविष्य को लेकर आश्वस्त नहीं हैं। राष्ट्रपति उन पर भ्रष्टाचार के आरोप में मुकदमा चलाने की अनुमति दे चुके हैं। इजरायल में इस साल चुनाव हैं। इस वक्त नेतन्याहू की सरकार कट्टर दक्षिणपंथी पार्टियों को समर्थन से चल रही है। लिहाजा, वे ईरान युद्ध से चुनाव में अपनी पार्टी के स्पष्ट बहुमत हासिल करने की उम्मीद लगाए बैठे हैं। नेतन्याहू को भरोसा था कि हमले के बाद ईरान की जनता वर्तमान सरकार के खिलाफ बगावत कर देगी। दरअसल, ईरान में कट्टरपंथी धार्मिक नेतृत्व के खिलाफ जनता खासकर युवाओं ने लंबा आंदोलन छेड़ा था। खामेनेई सरकार ने आंदोलन का बेहद क्रूरता से दमन किया था। इजरायली खुफिया एजेंसी मोसाद ने ईरान में बगावत भड़काने की काफी कोशिश की लेकिन उसे सफलता नहीं मिल पाई। बाहरी आक्रमण देश में एकजुटता पैदा करता है। लोगों में देशभक्ति की भावना जोर पकड़ती है। ईरान में ऐसा ही हुआ है। युद्ध के मामले में अमेरिका-इजरायल की प्राथमिकताएं अलग-अलग हैं। इजरायल क्षेत्रीय ताकत है। वह मिडिल ईस्ट में अपने सामने किसी तरह की बड़ी चुनौती नहीं चाहता है। उसका लक्ष्य सीमित है। वहीं दूसरी तरफ अमेरिका को वैश्विक महाशक्ति होने के नाते पूरी दुनिया की स्थिति को ध्यान में रखकर फैसले करने पड़ते हैं।

युद्ध के चलते दुनिया भर में ऊर्जा लॉकडाऊन का डर

रजनीश कपूर

विश्व आज एक नए संकट के कगार पर खड़ा है। 28 फरवरी 2026 को शुरू हुए अमरीका-इसराईल और ईरान युद्ध ने मात्र 4 सप्ताह में वैश्विक ऊर्जा बाजार को हिला दिया है। स्ट्रेट ऑफ होर्मुज, जिससे दुनिया के 20 प्रतिशत तेल और एल.एन.जी. का परिवहन होता है, प्रभावी रूप से बंद हो गया है। ईरान के साऊथ पार्स गैस फील्ड और कतर के रास लाफान एल.एन.जी. प्लांट पर हमलों से वैश्विक उत्पादन में 3.5 प्रतिशत की कमी आई है, जिसकी मुरम्मत में वर्षों लग सकते हैं। तेल की कीमतें 100 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच चुकी हैं, जबकि भारत जैसे आयात-निर्भर देशों में ईंधन, एल.पी.जी. और बिजली की आपूर्ति पर दबाव बढ़ रहा है। ऐसे में ऊर्जा लॉकडाऊन की चर्चा जोर पकड़ रही है। एक ऐसी स्थिति, जिसमें ईंधन राशनिंग, बिजली कटौती और औद्योगिक गतिविधियों पर अंकुश लग सकता है, ठीक कोविड जैसी आपात स्थिति की तरह। अंतर्राष्ट्रीय ऊर्जा एजैंसी (आई.ई.ए.) के प्रमुख फितह बिरोल ने इसे मेजर, मेजर थ्रैट बताया है। होर्मुज बंद होने से न केवल तेल, बल्कि उर्वरक, हीलियम और सल्फर की आपूर्ति भी प्रभावित हुई है, जो खाद्य उत्पादन और ए.आई. तकनीक तक को प्रभावित कर रही है। बंगलादेश ने पहले ही ईंधन राशड्क्षनग लागू कर दी है। श्रीलंका में अनिवार्य ऊर्जा अवकाश की घोषणा हुई है। भारत में भी पैट्रोल-डीजल की कीमतें बढ़ रही हैं, एल.पी.जी. सिलैंडर की आपूर्ति अनिश्चित है और बिजली संयंत्रों में कोयला-गैस का संकट गहरा रहा है। यदि युद्ध लंबा चला तो ऊर्जा लॉकडाऊन वास्तविकता बन सकता है। यानी उद्योग बंद, परिवहन सीमित और घरेलू बिजली पर पाबंदी। यह न केवल मुद्रास्फीति बढ़ाएगा, बल्कि विकास दर को 1-2 प्रतिशत तक घटा सकता है। विशेषज्ञों का अनुमान है कि यदि होर्मुज 2-3 महीने और बंद रहा तो वैश्विक मंदी अनिवार्य हो जाएगी। लेकिन संकट के बीच आशा की किरण भी दिख रही है। शांति वार्ता की संभावना बन रही है और इसमें पाकिस्तान की भूमिका अचानक केंद्र में आ गई है। खबरों के अनुसार, अमरीकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस और ईरानी संसद के स्पीकर मोहम्मद बागेर गलीबाफ के बीच इस्लामाबाद में संभावित शिखर वार्ता की तैयारी चल रही है। पाकिस्तान ने 15 प्वॉइंट प्रस्ताव अमरीका की ओर से ईरान तक पहुंचाया है, जिसमें होर्मुज खोलने, यूरेनियम संवर्धन सीमा और मुआवजे जैसे मुद्दे शामिल हैं। सवाल उठता है कि क्या युद्धविराम संभव है? कूटनीतिक विशेषज्ञों की राय विभाजित है। कुछ का मानना है कि पाकिस्तान की मध्यस्थता एक टर्निंग प्वॉइंट साबित हो सकती है क्योंकि दोनों पक्ष थक चुके हैं। तेल की महंगाई के चलते अमरीका को घरेलू आर्थिक दबाव और इसराईल को क्षेत्रीय विस्तार की सीमा का सामना करना पड़ रहा है। ईरान की अर्थव्यवस्था पहले से ही चरमरा रही है। वाशिंगटन इंस्टीच्यूट और स्टिमसन सैंटर के विश्लेषकों का कहना है कि यह युद्ध कोई स्पष्ट विजेता नहीं देगा। इसराईल के हमलों से ईरान की ऊर्जा सुविधाएं क्षतिग्रस्त हो चुकी हैं, जिनकी मुरम्मत में वर्षों लगेंगे। ईरान की ओर से जवाबी हमले अभी भी जारी हैं। यदि युद्धविराम हो भी गया तो भी दूसरे चरण के मुद्दे जैसे कि परमाणु कार्यक्रम, क्षेत्रीय प्रभाव और मुआवजा आदि बने रहेंगे। यदि पाकिस्तान सफल हुआ तो भारत को फायदा होगा, क्योंकि हमारा 60 प्रतिशत तेल आयात मध्य-पूर्व से आता है लेकिन भारत को अपनी ऊर्जा सुरक्षा पर ध्यान देना चाहिए, जैसे कि रणनीतिक भंडार बढ़ाना, नवीकरणीय ऊर्जा को तेज करना और रूस-मध्य एशिया से आयात विविधीकरण करना। ऊर्जा लॉकडाऊन से बचने का एकमात्र रास्ता कूटनीति है। लेकिन यदि युद्ध जारी रहा तो वैश्विक अर्थव्यवस्था को भारी कीमत चुकानी पड़ेगी। भारत जैसे विकासशील देशों को हर स्थिति के लिए तैयार रहना होगा, न केवल संकट प्रबंधन के लिए, बल्कि दीर्घकालिक ऊर्जा स्वतंत्रता के लिए भी। यह संकट हमें याद दिलाता है कि युद्ध अब केवल सीमाओं पर नहीं, बल्कि ऊर्जा पाइपलाइनों और आर्थिक आपूर्ति श्रृंखलाओं पर भी लड़ा जाता है। गौरतलब है कि शांति की अपील सभी पक्षों, अमरीका, इसराईल, ईरान और मध्यस्थ देशों से होनी चाहिए। अन्यथा, दुनिया भर में ऊर्जा लॉकडाऊन का साया काफी देर तक मंडराता रहेगा।

सिलेंडर की जमाखोरी कर रहे भाजपाई,डिप्टी सीएम के बयान पर अखिलेश का पलटवार

लखनऊ (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश में एलपीजी सिलेंडर के संकट से जूझ रही जनता के प्रति हमदर्दी का इजहार करते हुये समाजवादी पार्टी (सपा) अध्यक्ष अखिलेश यादव ने उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य पर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि डिप्टी सीएम को अपना नम्बर सोशल मीडिया पर जारी करना चाहिए, जिससे आम जनता को सिलेंडर आसानी से मिल सके। श्री यादव ने शुक्रवार को एक्स पर लिखा, उप्र के भाजपाई डिप्टी सीएम के बयान से ये साबित हो गया है कि सिलेंडर की जमाखघेरी और कालाबाजारी भाजपाई ही कर रहे हैं। डिप्टी सीएम का दावा है किह्यजिसके यहाँ सिलेंडर न हो वो हमारे यहाँ सूचना भेज दे, हम सिलेंडर भिजवा देंगेह्य। इस संदर्भ में आग्रह है कि वो अपना फोन नंबर सोशल मीडिया पर डाल दें या अपने घर, कार्यालय या फिर सीधे अपने जमाखघेरीवाले अंडरग्राउंड गोदाम का पता ही दे दें। दरअसल, मौर्य ने कहा था कि अगर किसी के पास सिलेंडर नहीं है, तो वे उनके कार्यालय को सूचित करें, सिलेंडर भिजवाया जाएगा। उन्होंने आरोप लगाया कि संकट के समय भाजपा कार्यकर्ता जनता की मदद के लिए सक्रिय नहीं दिख रहे हैं। गैस एजेंसियों और पेट्रोल पंपों पर लंबी कतारों के बावजूद पार्टी के लोग कहीं नजर नहीं आ रहे हैं।

आपकी सेहत के लिए बड़ा खतरा है पुराना तकिया! जानें इसे नहीं बदलने पर क्या होगा

हर किसी को ये समझने की जरूरत है कि गंदा और गलत तकिया आपकी सेहत के लिए बेहद नुकसानदायक है। इसी के चलते हम आपको बताएंगे कि तकिया कितने दिन में बदल लेना चाहिए और ऐसा न करने पर क्या होगा? हम में से कई लोग तकिये के महत्व को अक्सर नजरअंदाज कर देते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि गंदा और गलत तकिया आपकी सेहत पर गंभीर प्रभाव डाल सकता है? सुनने में ये भले ही अजीब लगे लेकिन ये हकीकत है कि रोजाना इस्तेमाल में आने वाले तकिये पर धूल, मृत त्वचा कोशिकाएं, पसीना और बैक्टीरिया जमा हो जाते हैं। इसके अलावा ये काफी सख्त भी हो जाता है।ऐसे में अगर इसे समय पर नहीं बदला गया तो ये तमाम परेशानियां पैदा कर सकता है। ऐसे में विशेषज्ञों का कहना है कि तकिया हर एक से डेढ़ साल के अंदर बदलना चाहिए और कवर को नियमित रूप से धोना चाहिए। अगर आप ऐसा नहीं करते हैं तो आपको तमाम दिक्कतों का सामना करना पड़ सकता है, जिनके बारे में हम बताने जा रहे हैं।

गर्दन की दिक्कतें

पुराना तकिया सही सपोर्ट नहीं देता, जिससे गर्दन की हड्डियों और मांसपेशियों पर दबाव बढ़ जाता है।

इससे सोते समय गर्दन में दर्द, अकड़न और लंबे समय में कॉल्ड स्पॉन या मसल स्ट्रेन जैसी समस्याएं हो सकती हैं।

विशेषज्ञों का कहना है कि तकिया का सही ऊंचाई और सख्ती का होना जरूरी है ताकि गर्दन प्राकृतिक स्थिति में रहे।

सिर दर्द की समस्या

गलत या पुराना तकिया सिर दर्द और माइग्रेन का कारण बन सकता है।

जब सिर और गर्दन को पर्याप्त सपोर्ट नहीं मिलता, तो सिर में रक्त का प्रवाह प्रभावित होता है।

इसकी वजह से सिर दर्द या तनाव की स्थिति उत्पन्न हो सकती है।

गंदे तकिए पर जमा बैक्टीरिया भी सिर में असुविधा और जलन पैदा कर सकते हैं।

स्किन संबंधित दिक्कतें

पुराने तकिये पर धूल, मृत त्वचा कोशिकाएं और पसीना जमा हो जाता है।

इससे चेहरे और गर्दन की त्वचा पर रैश, पिम्पल्स और एलर्जी जैसी समस्याएं बढ़ सकती हैं।

संवेदनशील त्वचा वाले लोगों को विशेष ध्यान रखना चाहिए और तकिये का कवर नियमित रूप से धोना चाहिए।

नींद की खराब गुणवत्ता

गलत या गंदा तकिया सोते समय आराम और सपोर्ट नहीं देता, जिससे नींद की गुणवत्ता प्रभावित होती है।

लगातार नींद न पूरी होना थकान, ध्यान में कमी और दिनभर सुस्ती जैसी समस्याएं पैदा कर सकता है।

सही तकिया नींद को गहरी और आरामदायक बनाता है।

आंखों में दर्द

पुराने तकिए पर धूल और बैक्टीरिया आंखों में जलन और संक्रमण पैदा कर सकते हैं।

इससे आंखों में खुजली, लालिमा और पानी आना जैसी समस्याएं हो सकती हैं।

यह विशेष रूप से उन लोगों के लिए खतरनाक है जो चश्मा या कॉन्टैक्ट लेंस का उपयोग करते हैं।

ठंडा पानी पीना शुरू कर दिया है तो जान लें इसके 5 बड़े नुकसान

मार्च के महीने में मौसम अक्सर अनिश्चित रहता है झ कभी तेज धूप और कभी अचानक बारिश। ऐसे में एक छोटी सी लापरवाही आपके स्वास्थ्य को बिगाड़ सकती है। ऐसे में सबसे पहले ये जान लें कि इस मौसम में ठंडा पानी पीना स्वास्थ्य के लिए हानिकारक भी साबित हो सकता है। दरअसल, होली के बाद से मौसम में हल्की गर्मी होने लगी थी, जिस वजह से लोगों ने ठंडा

पानी पीना शुरू कर दिया था। पर, विशेषज्ञों का कहना है कि इस बदलते मौसम में गर्म और ठंडे पानी का संतुलित सेवन शरीर को सुरक्षित रखता है। ऐसे में ये लेख आपको बताएगा कि अचानक मौसम परिवर्तन में ठंडा पानी पीने से कौन-कौन से नुकसान हो सकते हैं और स्वास्थ्य को सुरक्षित रखने के आसान उपाय।

पाचन संबंधी समस्या

ठंडा पानी पीने से पाचन तंत्र प्रभावित हो सकता है।

खाने के तुरंत बाद ठंडा पानी लेने से पेट में ऐंठन, गैस और डकार जैसी समस्या हो सकती है।

ऐसा इसलिए होता है क्योंकि ठंडा पानी पाचन एंजाइम्स की गतिविधि को धीमा कर देता है।

इस वजह से भोजन ठीक तरह से पच नहीं पाता।

गले और सर्दी-जुकाम

ठंडा पानी गले की खराश और नाक बहने जैसी समस्याओं को बढ़ा सकता है।

बदलते मौसम में यह और भी खतरनाक हो सकता है क्योंकि शरीर के प्रतिरोधक क्षमता में गिरावट के कारण वायरल इंफेक्शन का खतरा बढ़ जाता है।

इम्यूनिटी कमजोर होना

लगातार ठंडा पानी पीने से शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता कमजोर हो सकती है।

कमजोर इम्यूनिटी के कारण सर्दी, जुकाम और अन्य संक्रमण जल्दी शरीर में फैल सकते हैं।

विशेषज्ञों का सुझाव है कि बदलते मौसम में गुनगुना या तापमान के अनुसार पानी पीना बेहतर रहता है।

कमाल के हैं आपके मोबाइल फोन में छिपे ये 4 सेंसर्स, अधिकतर लोग नहीं जानते इनके बारे में

हमारे स्मार्टफोन में कई तरह के हिडेन सेंसर्स होते हैं, जिसके बारे में बहुत कम लोगों को मालूम रहता है। इसलिए आइए इस लेख में कुछ जरूरी सेंसर्स के बारे में विस्तार से जानते हैं। आज के समय में स्मार्टफोन लगभग सभी लोगों के जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुका है। हममे से कई लोगों ने स्मार्टफोन के कुछ सेंसर्स को महसूस भी किया होग, जैसे- स्क्रीन का रोटेट होना, अपने आप ब्राइटनेस का एडजस्ट होना, कॉल के दौरान कान के पास फोन ले जाते ही स्क्रीन लॉक होना आदि। मगर ज्यादातर लोगों को मोबाइल में लगे अधिकतर सेंसर्स के बारे में मालूम नहीं होता है। इसलिए आइए आज के इस लेख में हम स्मार्ट फोन के उन सेंसर्स के बारे में जानते हैं, जिसके बारे में बहुत कम लोगों को मालूम होता है। ये सेंसर्स इतने सटीक होते हैं कि ये भूकंप के झटकों को भांपने से लेकर समुद्र तल से आपकी सटीक ऊंचाई तक बता सकते हैं। अधिकांश यूजर्स इन हार्डवेयर फीचर्स से अनजान रहते हैं, जबकि ये सुरक्षा, नेविगेशन और आपकी फिटनेस ट्रैकिंग में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। आइए इस लेख में इसी के बारे में जानते हैं।

एक्सेलेरोमीटर और जायरोस्कोप

एक्सेलेरोमीटर फोन की गति और दिशा को मापता है।

गूगल ने इसी सेंसर का उपयोग करके दुनिया का सबसे बड़ा भूकंप डिटेक्शन नेटवर्क बनाया है। जब फोन में हल्का कंपन होता है, तो यह डेटा प्रोसेस कर चेतावनी भेजता है।

वहीं, जायरोस्कोप फोन के रोटेशन और एंगुलर वेसोलिटी को ट्रैक करता है, जो 360-डिग्री फोटो लेने और गेमिंग के दौरान संतुलन बनाने में मदद करता है।

बैरोमीटर

फ्लैगशिप स्मार्टफोन्स में मौजूद बैरोमीटर वायुमंडलीय दबाव को मापता है।

इसका मुख्य काम यह बताना है कि आप समुद्र तल से कितनी ऊंचाई पर हैं। यह जीपीएस को ऊंचाई के साथ सिंक कर सटीक लोकेशन बताता है।

इसके अलावा दबाव में आने वाले छोटे बदलावों से यह आने वाले तूफान या बारिश का पूर्वानुमान भी लगा सकता है, जो ट्रेकर्स और माउंटेन राइडर्स के लिए बेहद उपयोगी है।

प्रॉक्सिमिटी सेंसर आपके फोन के ऊपरी हिस्से में होता है।

जैसे ही आप कॉल के दौरान फोन कान के पास ले जाते हैं, यह सेंसर स्क्रीन को बंद कर देता है ताकि गलती से कोई बटन न दबे।

एम्बिएंट लाइट सेंसर आसपास की रोशनी के हिसाब से स्क्रीन की ब्राइटनेस को अपने आप कम या ज्यादा करता है। यह न सिर्फ आपकी आंखों को सुरक्षित रखता है, बल्कि फोन की बैटरी लाइफ बचाने में भी मदद करता है।

ये छिपे हुए सेंसर्स हमारे फोन में साइलेंटली काम करते हैं। आज के आधुनिक समय में एआई के बढ़ते प्रभाव से ये सेंसर्स अब आपके स्वास्थ्य (जैसे हार्ट रेट) निगरानी और भी बेहतर तरीके से कर रहे हैं। अपने फोन की सेटिंग्स में जाकर इन सेंसर्स के डेटा को अच्छे से समझिए जो आपको तकनीकी रूप से अधिक जागरूक बना सकता है।

पीरियड्स में पैड इस्तेमाल करती हैं तो जरूर पढ़ें ये खबर, वरना होगी बड़ी दिक्कत

अगर आप पीरियड के दौरान पैड का इस्तेमाल करती हैं तो आपको कुछ समझने की जरूरत है। हम ये सलाह आपको इसलिए दे रहे हैं क्योंकि पीरियड के दौरान आपको हाइजीन का ध्यान रखना बेहद जरूरी है। महिलाओं के स्वास्थ्य में मासिक धर्म या पीरियड्स के दौरान हाइजीन का विशेष ध्यान रखना बहुत जरूरी है। सही तरीके से पैड का इस्तेमाल न सिर्फ आरामदायक अनुभव देता है, बल्कि संक्रमण और त्वचा संबंधी समस्याओं से भी बचाता है। बहुत सी महिलाएं पैड को लंबे समय तक बदलने या गलत प्रकार का इस्तेमाल करने के कारण जलन, खुजली या बदबू जैसी समस्याओं का सामना करती हैं। इसलिए यह जरूरी है कि पीरियड्स के दौरान पैड का सही चयन,

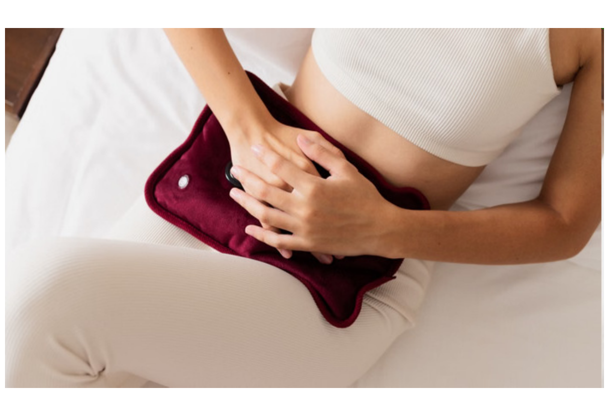

नियमित बदलाव और उचित हाइजीन का पालन किया जाए। इस लेख में हम आपको मासिक धर्म के दौरान पैड इस्तेमाल करने की सही तकनीक और स्वास्थ्य संबंधी सावधानियों के बारे में विस्तार से बताएंगे।

1. पैड बदलने की फ्रीक्वेंसी ध्यान रखें

पीरियड के दौरान पैड का समय-समय पर बदलना बेहद जरूरी है।

विशेषज्ञ सलाह देते हैं कि हर 4-6 घंटे में पैड बदलें।

लंबे समय तक पैड लगाना बैक्टीरिया और फंगल इंफेक्शन का खतरा बढ़ा सकता है।

सही समय पर पैड बदलने से त्वचा सुरक्षित रहती है और बदबू की समस्या भी नहीं होती।

2. सही पैड चुनें

पैड खरीदते समय उसकी सामग्री पर ध्यान दें।

कॉटन आधारित और सांस लेने योग्य पैड त्वचा के लिए सबसे सुरक्षित माने जाते हैं।

सस्ते या रसायन युक्त पैड त्वचा को नुकसान पहुंचा सकते हैं और जलन या खुजली पैदा कर सकते हैं।

3. स्किन इरिटेशन से बचाव करें

यदि पैड को बहुत लंबे समय तक इस्तेमाल किया जाए, तो त्वचा पर जलन, लालिमा और खुजली हो सकती है।

स्किन इरिटेशन को कम करने के लिए पैड को नियमित अंतराल पर बदलें और त्वचा को सूखा व साफ रखें।

4. सही आकार का पैड चुनें

दिन और रात के लिए अलग-अलग आकार के पैड का इस्तेमाल करना चाहिए।

दिन के समय हल्के और पतले पैड आरामदायक होते हैं, जबकि रात के समय लंबे और मोटे पैड ज्यादा सुरक्षा देते हैं।

इससे रक्तस्राव के दौरान लीक होने की संभावना कम होती है।

5. हाइजीन का ख्याल रखें

पैड बदलते समय हाथ धोना बहुत जरूरी है।

पुराने पैड को प्लास्टिक बैग में डालकर डिस्पोज करें और आसपास साफ-सफाई का ध्यान रखें।

ये संक्रमण और बैक्टीरिया के खतरे को कम करता है।

कब डॉक्टर की सलाह लें?

अगर पैड बदलने के बावजूद लगातार जलन, असामान्य बदबू या खुजली हो रही हो, तो तुरंत डॉक्टर से सलाह लें। यह संक्रमण या अन्य स्वास्थ्य समस्या का संकेत हो सकता है।

इस फल के पत्ते को ना समझे साधारण, ये मुंह से लेकर पेट तक का रखे खास ख्याल

जामुन के पत्ते भी किसी दवा से कम नहीं होते। आयुर्वेद में जामुन की पत्तियों को कई बीमारियों के इलाज में उपयोगी माना गया है। अगर सही तरीके से इस्तेमाल किया जाए, तो ये मोटापा कम करने से लेकर दांतों के दर्द और पाचन संबंधी समस्याओं में काफी राहत दे सकते हैं। चलिए जानते हैं इसके फायदे

मोटापा कम करने में मददगार

जामुन की पत्तियों में ऐसे गुण पाए जाते हैं जो मेटाबॉलिज्म को बेहतर बनाते हैं। इसका सेवन शरीर में जमा अतिरिक्त फैट को कम

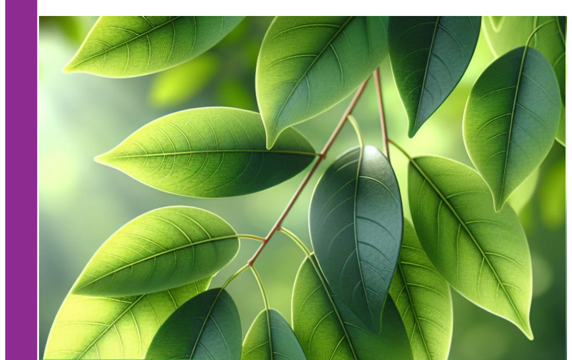

करने में सहायक हो सकता है। जामुन की पत्तियों को सुखाकर पाउडर बना लें और रोज सुबह गुनगुने पानी के साथ सेवन करें। इससे धीरे-धीरे वजन नियंत्रित होने लगता है।

दांतों के दर्द और मसूड़ों की समस्या में फायदेमंद

अगर आपको दांतों में दर्द या मसूड़ों से खून आने की समस्या है, तो जामुन की पत्तियां बेहद फायदेमंद हो सकती हैं। इनमें एंटी-बैक्टीरियल गुण होते हैं, जो मुंह के बैक्टीरिया को खत्म करने में मदद करते हैं। जामुन की ताजी पत्तियों को चबाने से दांत मजबूत होते हैं और दर्द में राहत मिलती है। आप इनका काढ़ा बनाकर कुल्ला भी कर सकते हैं।

पाचन तंत्र को बनाए मजबूत

पेट की समस्याएं जैसे गैस, अपच और कब्ज में जामुन की पत्तियां काफी असरदार होती हैं। ये पाचन क्रिया को बेहतर बनाती हैं और आंतों को स्वस्थ रखने में मदद करती हैं। जामुन की पत्तियों का काढ़ा बनाकर पीने से पेट साफ रहता है और पाचन तंत्र मजबूत होता है।

ब्लड शुगर कंट्रोल में सहायक

जामुन की पत्तियां ब्लड शुगर लेवल को नियंत्रित करने में भी मददगार मानी जाती हैं। इसमें मौजूद तत्व शरीर में ग्लूकोज के स्तर को संतुलित रखने में सहायता करते हैं।

ध्यान रखने वाली बातें

किसी भी घरेलू उपाय को अपनाने से पहले डॉक्टर की सलाह जरूर लें। अधिक मात्रा में सेवन से बचें, वरना नुकसान भी हो सकता है। गर्भवती महिलाएं और गंभीर बीमारी से जूझ रहे लोग इसका इस्तेमाल सावधानी से करें। जामुन की पत्तियां सिर्फ एक साधारण पत्ता नहीं, बल्कि सेहत के लिए एक प्राकृतिक औषधि हैं। सही तरीके से इस्तेमाल करने पर ये कई छोटी-बड़ी समस्याओं से राहत दिला सकती हैं।

छोटे बीज, बड़े फायदे: पेट-दिल और स्किन के लिए रामबाण, जानें कैसे करें इस्तेमाल

पीता को आमतौर पर एक हेल्दी फल के रूप में जाना जाता है, लेकिन इसके बीजों को अक्सर नजरअंदाज कर दिया जाता है। विशेषज्ञों के अनुसार पपीते के छोटे-छोटे काले बीज पोषक तत्वों से भरपूर होते हैं और शरीर को कई तरह के स्वास्थ्य लाभ प्रदान कर सकते हैं।

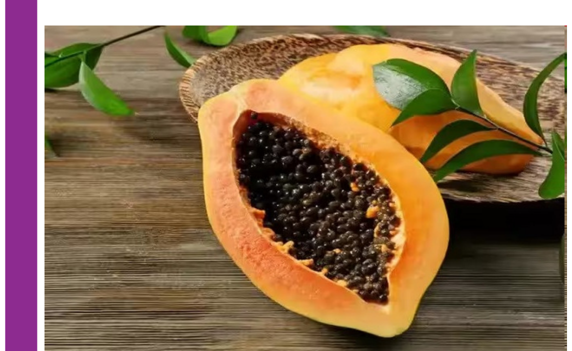

पोषक तत्वों से भरपूर हैं पपीते के बीज

पपीते के बीजों में प्रोटीन, फाइबर, ओमेगा-3 फैटी एसिड, कैल्शियम और एंटीऑक्सीडेंट्स जैसे जरूरी तत्व पाए जाते हैं। ये सभी पोषक तत्व शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने और उसे अंदर से मजबूत बनाने में मदद करते हैं।

पाचन तंत्र और डिटॉक्स के लिए असरदार

विशेषज्ञ मानते हैं कि पपीते के बीज प्राकृतिक डिटॉक्स एजेंट की तरह काम करते हैं।

ये पाचन तंत्र को मजबूत बनाते हैं

कब्ज और गैस जैसी समस्याओं में राहत देते हैं

शरीर से हानिकारक टॉक्सिन्स बाहर निकालने में मदद करते हैं

इसके अलावा ये लीवर और किडनी की कार्यक्षमता को बेहतर करने में भी सहायक माने जाते हैं।

दिल और जोड़ों के लिए भी फायदेमंद

पपीते के बीजों में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट्स और एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण

सूजन को कम करते हैं

जोड़ों और मांसपेशियों के दर्द में राहत देते हैं

कोलेस्ट्रॉल को संतुलित रखने में मदद करते हैं

इससे हृदय संबंधी बीमारियों का खतरा कम हो सकता है।

संक्रमण से बचाव और त्वचा के लिए लाभ

इन बीजों में एंटीबैक्टीरियल और एंटीफंगल गुण पाए जाते हैं,

जो पेट के हानिकारक बैक्टीरिया और कीड़ों को खत्म करने में मदद करते हैं

त्वचा को स्वस्थ और साफ रखने में सहायक होते हैं

बढ़ती उम्र के लक्षणों को कम करने में मदद करते हैं।

ऐसे करें पपीते के बीज का सेवन

पपीते के बीजों को अपनी डाइट में शामिल करना आसान है।

बीजों को सुखाकर पाउडर बना लें

रोज सुबह एक चुटकी गुनगुने पानी के साथ लें

सलाद, दही या स्मूदी में मिलाकर खाएं

हल्का भूनकर मसाले की तरह इस्तेमाल करें।

सेवन से पहले रखें ये सावधानियां

सीमित मात्रा में ही सेवन करें।

शिया मुसलमानों ने सऊदी अरब के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया

लखनऊ (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ में शुक्रवार को जुमे की नमाज के बाद शिया मुसलमानों ने सऊदी अरब के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। आसिफी मस्जिद में बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए। प्रदर्शनकारियों ने सऊदी हुकूमत के खिलाफ नाराजगी जाहिर की। सऊदी प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान की तस्वीर जलाकर विरोध जताया। भीड़ ने अमेरिका, इजरायल और सऊदी अरब के खिलाफ नारे भी लगाए। इस दौरान जन्नतुल बकी कब्रों के पुनर्निर्माण की मांग भी उठाई। बवाल की आशंका को देखते हुए बड़े इमामबाड़ा के बाहर बड़ी संख्या में पुलिस फोर्स तैनात की गई। सऊदी अरब के शहर मदीना में स्थित जन्नतुल बकी का कब्रिस्तान है। वहां पर पैगंबर-ए- इस्लाम की बेटी हजरत फातिमा जेहरा की कब्र को सऊदी शासन ने ध्वस्त कर दिया था। इसी को लेकर प्रदर्शनकारियों ने प्रदर्शन किया। वहीं मजारों के दोबारा बनाने की मांग की। इसके लिए शिया मुसलमान सऊदी हुकूमत के खिलाफ हर साल आज के दिन दिन प्रदर्शन करते हैं। शिया धर्मगुरु मौलाना कल्बे जव्वाद ने प्रदर्शन कर रहे शिया मुसलमानों से कहा जन्नतुल बकी शिया अकीदे के लिहाज से सबसे अहम कब्रिस्तान है।

कोई है शानदार फॉर्म में, कोई बल्ले और गेंद दोनों से कर रहा संघर्ष

नईदिल्ली। आईपीएल 2026 में सभी 10 टीमों के कप्तान भारतीय हैं और हर एक की कहानी अलग है। कुछ खिलाड़ी फॉर्म में हैं, तो कुछ वापसी की तलाश में। यह सीजन तय करेगा कि कौन कप्तान दबाव में खरा उतरता है और अपनी टीम को खिताब तक पहुंचाता है। आईपीएल 2026 की शुरूआत के साथ एक दिलचस्प तस्वीर सामने आई है, इस बार सभी 10 टीमों की कमान भारतीय कप्तानों के हाथ में है। हर कप्तान का सफर अलग है, चुनौतियां अलग हैं और मौके भी अलग हैं। कोई अपने करियर को फिर से पटरी पर लाने की कोशिश में है, तो कोई अपने शानदार फॉर्म को जारी रखना चाहता है। आइए जानते हैं इन 10 कप्तानों की कहानी, आंकड़े और आईपीएल 2026 में उनसे क्या उम्मीद की जा सकती है। रजत पाटीदारः चैंपियन कप्तान, लेकिन फॉर्म की चुनौती रजत पाटीदार ने पिछले साल आरसीबी को पहली बार खिताब दिलाकर इतिहास रच दिया था। शांत स्वभाव और सटीक फैसलों ने उन्हें एक बेहतरीन कप्तान बना दिया। हालांकि, आईपीएल 2025 के बाद उनका समय उतना अच्छा नहीं रहा। पाटीदार ने

आईपीएल 2025 के बाद सात टी20 पारियों खेली हैं और 16.14 की औसत और 136.14 के स्ट्राइक रेट से 113 रन बनाए हैं। आईपीएल 2025 के बाद जरूर उन्होंने सेंट्रल जोन को दलिप ट्रॉफी जिताई और साथ ही हर प्रारूप में मध्य प्रदेश के कप्तान नियुक्त किए गए। लेकिन सैयद मुश्ताक में उनका फॉर्म खराब रहा था। घुटने की चोट और खराब फॉर्म ने उनके आत्मविश्वास को झटका दिया। अब फिट होकर वह एक बार फिर अपनी टीम को ट्रॉफी दिलाने की कोशिश करेंगे। श्रेयस अय्यरः खुद को साबित करने की जंग श्रेयस अय्यर लंबे समय से भारत की टी20 टीम से अंदर-बाहर होते रहे हैं। पिछले आईपीएल में उन्होंने शानदार बल्लेबाजी की, लेकिन चोट और टीम से बाहर होने के कारण उनका करियर ठहर सा गया। इस बार आईपीएल उनके लिए करो या मरो जैसा हो सकता है। श्रेयस ने आईपीएल 2025 के बाद कोई टी20 नहीं खेला है। श्रेयस ने आईपीएल 2025 के बाद कोई टी20 नहीं खेला है। पिछले साल अक्तूबर में ऑस्ट्रेलिया दौरे पर उन्हें गंभीर चोट लगी थी। इसके बाद से वह चोट की वजह से बाहर ही रहे हैं। वह न्यूजीलैंड के खिलाफ पांच मैचों की टी20 सीरीज का हिस्सा थे, लेकिन कोई मैच नहीं खेल सके। वह टी20 विश्वकप के लिए भी नहीं चुने गए थे। अब उन पर पिछले साल के अधूर काम को पूरा करने और पंजाब टीम को पहली बार खिताब दिलाने की जिम्मेदारी होगी। हार्दिक पांड्याः स्टार ऑलराउंडर की बड़ी जिम्मेदारी हार्दिक पांड्या पिछले कुछ महीनों में टीम इंडिया के सबसे अहम खिलाड़ियों में रहे हैं। बैट और बॉल दोनों से उनका योगदान शानदार रहा है। अब सवाल यह है कि वह आईपीएल में किस रोल में खेलेंगे- फिनिशर या एंकर? और क्या वह नई गेंद से गेंदबाजी करेंगे? हार्दिक ने आईपीएल 2025 के बाद 33 टी20 पारियां खेली हैं। इसमें उन्होंने 167.06 के स्ट्राइक रेट से 563 रन बनाए हैं। इसके अलावा उन्होंने 22 विकेट भी झटके हैं। उनका इकोनॉमी रेट 8.89 का रहा है। उनकी कप्तानी में मुंबई की टीम आईपीएल 2025 में प्लेऑफ में पहुंची थी। अब उनकी नजर 2020 के बाद मुंबई को पहली बार आईपीएल फाइनल में ले जाने और छठी बार खिताब दिलाने की होगी। शुभमन गिलः वापसी का मौका शुभमन गिल का हालिया टी20 फॉर्म उम्मीद के मुताबिक नहीं रहा। उन्हें वर्ल्ड कप टीम से भी बाहर होना पड़ा। लेकिन आईपीएल उनका पसंदीदा मंच है। गुजरात की पिचें उन्हें सूट करती हैं, और वह यहां अपनी खोई हुई लय वापस पा सकते हैं। शुभमन ने आईपीएल 2025 के बाद 15 पारियों में 24.25 की औसत और 137.26 के स्ट्राइक रेट से 291 रन बनाए हैं। वह टी20 में भारत के उपकप्तान रह, लेकिन फिर उन्हें हटा दिया गया। न्यूजीलैंड सीरीज में खराब प्रदर्शन के बाद उन्हें उपकप्तानी पद से हटाया गया और साथ ही वह टी20 विश्वकप से भी बाहर हो गए। अक्षर पटेलः चुपचाप गेम बदलने वाला खिलाड़ी अक्षर पटेल भले ही ज्यादा सुर्खियों में न रहते हों, लेकिन उनकी अहमियत बेहद ज्यादा है। टी20 विश्वकप में उनका प्रदर्शन शानदार रहा। अब दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान के रूप में उनसे उम्मीद होगी कि वह टीम को मुश्किल मौकों पर जीत दिलाएं। अक्षर ने आईपीएल 2025 के बाद 23 टी20 पारियों में 119.28 के स्ट्राइक रेट से 167 रन बनाए। इसके अलावा उन्होंने 26 विकेट भी लिए। इस दौरान उनका इकोनॉमी रेट 7.74 का रहा। वह भारतीय टी20 टीम के उपकप्तान भी हैं। पिछले साल आईपीएल में उन्होंने शानदार कप्तानी की थी। हालांकि, टीम प्लेऑफ से चूक गई थी। ईशान किशनः फॉर्म में कप्तान ईशान किशन का ग्राफ लगातार ऊपर गया है। घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन और वर्ल्ड कप में दमदार पारी ने उन्हें फिर से टीम इंडिया में जगह दिलाई। सनराइजर्स हैदराबाद के लिए कप्तानी करना उनके करियर में एक नया अध्याय हो सकता है।

अक्षर के बाद अब शुभमन गिल ने भी इम्पैक्ट प्लेयर नियम पर उठाए सवाल

नई दिल्ली। गुजरात टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल ने भी इम्पैक्ट प्लेयर नियम के खिलाफ बयान दिया है। गिल ने कहा कि निजी तौर पर वह इस नियम को सही नहीं मानते हैं। आईपीएल में इम्पैक्ट प्लेयर नियम को लेकर अब विरोध बढ़ता जा रहा है। पहले दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान अक्षर पटेल ने इसके खिलाफ बयान दिया और अब गुजरात टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल ने इस पर सवाल खड़े किए हैं। इम्पैक्ट प्लेयर नियम से टीमों के मैच के दौरान एक खिलाड़ी को बाहर भेजकर दूसरे किसी खिलाड़ी को शामिल करने की मंजूरी मिलती है। कई खिलाड़ी जता

चुके हैं विरोध इस नियम पर पहले भी भारतीय खिलाड़ियों ने आपत्ति जताई है, जिनमें रोहित शर्मा, हार्दिक पंड्या और हाल ही में दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान अक्षर पटेल शामिल हैं। मुंबई में बुधवार को हुई आईपीएल कप्तानों की बैठक में गिल सहित अधिकांश कप्तानों ने बीसीसीआई से इस नियम की समीक्षा करने की मांग की। यह नियम 2023 में लागू किया गया था और इसे कम से कम 2027 तक बढ़ाया गया है। गिल ने कहा, निजी तौर पर मेरे ख्याल से इम्पैक्ट प्लेयर नियम नहीं होना चाहिए। इस मैच एकतरफा होता है। क्रिकेट सामान्यतः 11 खिलाड़ियों का खेल है। इसमें एक अतिरिक्त बल्लेबाज या गेंदबाज जोड़ने से खेल की वास्तविक चुनौती और खिलाड़ी की कौशल का महत्व कम हो जाता है। खेल में एक निश्चित कौशल होता है। अगर आपकी कुछ मुख्य बल्लेबाज जल्दी आउट हो जाएं, तो टीम को अच्छी स्कोर तक पहुंचाने के लिए रणनीति और कौशल की जरूरत होती है। लेकिन इस एक अतिरिक्त खिलाड़ी से खेल का झुकाव एकतरफा हो गया है। इससे चुनौती भी कम हो गई है। मेरे लिए आसान पिच पर 220 रन का पीछा करने से ज्यादा रोमांच चुनौतीपूर्ण पिच पर 180 या 160 रन का पीछा करने में है। गिल बोले- किसी को कुछ साबित करने की जरूरत नहीं शुभमन गिल ने कहा कि 2026 टी20 विश्व कप से पहले भारतीय टीम से बाहर किए जाने के बाद उन्हें आगामी आईपीएल में किसी को कुछ साबित करने की आवश्यकता नहीं है। गिल टी20 विश्व कप से पहले भारत के उपकप्तान थे, लेकिन संजू सैमसन को शीर्ष क्रम में जगह देने के लिए उन्हें टीम से बाहर कर दिया गया। भारत ने इस बार रिकॉर्ड तीसरी बार खिताब जीता। गिल भारत की टेस्ट और वनडे टीमों के कप्तान होने के साथ-साथ आईपीएल में गुजरात टाइटंस का नेतृत्व भी कर रहे हैं। गिल से पूछा गया कि क्या विश्व कप में नजरअंदाज किए जाने के बाद उन्हें कुछ साबित करना है, तो गिल ने कहा, पिछले तीन-चार सत्रों को देखें तो मुझे लगता है कि आईपीएल में मेरे सबसे ज्यादा रन हैं।

कोलकाता–मुंबई में पिछले दो दशक से नहीं हुआ भारत–ऑस्ट्रेलिया टेस्ट मैच

नईदिल्ली। भारत-ऑस्ट्रेलिया टेस्ट सीरीज 2026-27 में कोलकाता और मुंबई को फिर मौका नहीं मिला। ईडन गार्डन (2001) और वानखेड़े (2004) में आखिरी टेस्ट हुए थे। दो दशक से इन ऐतिहासिक मैदानों की अनदेखी पर सवाल उठ रहे हैं और फैंस बीसीसीआई

से बदलाव की उम्मीद कर रहे हैं। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (इउउक) ने जब 2026-27 के घरेलू सत्र का शेड्यूल जारी किया, तो एक बार फिर एक पुराना सवाल चर्चा में आ गया कि आखिर कोलकाता और मुंबई जैसे बड़े और नामी क्रिकेट स्टेडियम ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट मैचों की मेजबानी से लगातार क्यों वंचित हैं? कोलकाता और मुंबई में टेस्ट नहीं ऑस्ट्रेलिया की टीम अगले साल जनवरी में भारत दौरे पर आएगी। 27 जनवरी से दोनों देशों के बीच प्रतिष्ठित बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के तहत पांच टेस्ट मैच खेले जाएंगे, लेकिन घोषित वेन्यू की सूची में कोलकाता का ऐतिहासिक ईडन गार्डेंस और मुंबई का प्रतिष्ठित वानखेड़े स्टेडियम शामिल नहीं हैं। यह फैसला क्रिकेट प्रेमियों के बीच हैरानी और निराशा दोनों पैदा कर रहा है भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच टेस्ट मुकाबले हमेशा से हाई-वोल्टेज और रोमांच से भरपूर रहे हैं। ऐसे में देश के बड़े शहरों के फैंस को उम्मीद रहती है कि उन्हें इस प्रतिष्ठित सीरीज की मेजबानी का मौका मिलेगा। बीसीसीआई भी आमतौर पर अलग-अलग शहरों को मौका देने की कोशिश करता है, लेकिन ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट मैचों के मामले में कोलकाता और मुंबई को लंबे समय से नजरअंदाज किया जा रहा है। कोलकाता के ईडन गार्डेंस में 2001 में मुकाबला अगर इतिहास पर नजर डालें, तो कोलकाता के ईडन गार्डेंस में भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच आखिरी टेस्ट 2001 में खेला गया था। यह वही मुकाबला है, जिसे भारतीय क्रिकेट इतिहास के सबसे महान मैचों में गिना जाता है। वीवीएस लक्ष्मण और राहुल द्रविड़ की ऐतिहासिक साझेदारी, साथ ही हरभजन सिंह और सचिन तेंदुलकर की शानदार गेंदबाजी के दम पर भारत ने फॉलोऑन के बाद ऑस्ट्रेलिया को हराकर इतिहास रच दिया था। इस जीत को आज भी 'मिरेकल ऑफ ईडन गार्डेंस' के रूप में याद किया जाता है। हैरानी की बात यह है कि इसके बाद ऑस्ट्रेलिया कई बार भारत दौरे पर आया, लेकिन ईडन गार्डेंस को फिर कभी इस मुकाबले की मेजबानी का मौका नहीं मिला। कोलकाता के ईडन गार्डेंस में भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच कुल सात टेस्ट खेले गए हैं। इनमें से भारतीय टीम ने दो टेस्ट और ऑस्ट्रेलिया ने भी दो टेस्ट जीते हैं। तीन टेस्ट ड्रॉ रहे हैं। भारत यहां 1956 में और 1969 में ऑस्ट्रेलिया से टेस्ट हारा था। मुंबई के वानखेड़े में 2004 में मुकाबला कुछ ऐसा ही हाल मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम का भी है। यहां भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच आखिरी टेस्ट 2004 में खेला गया था। उस मुकाबले में मुरली कार्तिक की बेहतरीन गेंदबाजी की बदौलत भारत ने बेहद कम स्कोर वाले रोमांचक मैच में 13 रन से जीत हासिल की थी। यह मुकाबला भी भारत-ऑस्ट्रेलिया टेस्ट इतिहास के यादगार मैचों में शामिल है। वानखेड़े में भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच कुल चार टेस्ट खेले गए हैं। इनमें से भारतीय टीम ने दो टेस्ट और ऑस्ट्रेलिया ने एक टेस्ट जीता है। एक टेस्ट ड्रॉ रहा है। ऑस्ट्रेलियाई टीम ने यहां 2001 में पिछला टेस्ट जीता था। क्रिकेट फैंस के साथ हो रही नाइंसाफी? इन दोनों मैदानों का भारतीय क्रिकेट में विशेष स्थान है। ईडन गार्डन और वानखेड़े न केवल ऐतिहासिक स्टेडियम हैं, बल्कि इन्होंने भारतीय क्रिकेट के कई सुनहरे पलों को देखा है। ऐसे में लगातार दो दशकों तक इन मैदानों को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट मैचों से दूर रखना कई सवाल खड़े करता है। फैंस और क्रिकेट विशेषज्ञों का मानना है कि यह केवल मैदानों के साथ ही नहीं, बल्कि वहां के क्रिकेट प्रेमियों के साथ भी नाइंसाफी है। अब जबकि एक और बड़ी टेस्ट सीरीज सामने है, यह देखना दिलचस्प होगा कि क्या भविष्य में बीसीसीआई इस मुद्दे पर पुनर्विचार करता है या नहीं। एक्शन से भरपूर क्रिकेट देखने को मिलेगा बीसीसीआई (इउउक) ने 2026-27 के घरेलू सीजन का पूरा शेड्यूल जारी कर दिया है। इस बार भारतीय फैंस को एक्शन से भरपूर क्रिकेट देखने को मिलेगा, जहां भारतीय टीम अपने घर में चार अलग-अलग टीमों, वेस्टइंडीज, श्रीलंका, जिम्बाब्वे और ऑस्ट्रेलिया की मेजबानी करेगा। इसी के तहत बॉर्डर-गावस्कर सीरीज-2027 में भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच पहला टेस्ट 21 से 25 जनवरी (नागपुर), दूसरा टेस्ट 29 जनवरी से दो फरवरी (चेन्नई), तीसरा टेस्ट 11 से 15 फरवरी (गुवाहाटी), चौथा टेस्ट 19 से 23 फरवरी (रांची) और पांचवां टेस्ट 27 फरवरी से तीन मार्च तक (अहमदाबाद) खेला जाएगा।

मुंबई के छोरे को लखनऊ की लड़की से कैसे हुआ प्यार?

नई दिल्ली। पृथ्वी शॉ और आकृति अग्रवाल की सगाई ने आईपीएल 2026 से पहले सोशल मीडिया पर हलचल मचा दी है। महीनों की अटकलों के बाद दोनों ने आठ मार्च को अपने रिश्ते को ऑफिशियल किया था। आकृति एक सफल कंटेंट क्रिएटर हैं और जल्द फिल्मों में डेब्यू करने वाली हैं। आइए जानते हैं कि दोनों कैसे मिले थे भारतीय क्रिकेटर पृथ्वी शॉ इन दिनों अपने खेल से ज्यादा अपनी निजी जिंदगी को लेकर सुर्खियों में हैं। आईपीएल 2026 से ठीक पहले उनकी सगाई की खबर ने सोशल मीडिया पर जबरदस्त हलचल मचा दी है। मुंबई की चर्चित कंटेंट क्रिएटर आकृति अग्रवाल के साथ उनका रिश्ता अब आधिकारिक रूप ले चुका है, लेकिन इस लव स्टोरी के पीछे की कहानी अब सामने आ रही है, जिसने फैंस की दिलचस्पी और बढ़ा दी है। महीनों की अटकलों के बाद हुआ खुलासा पिछले कुछ महीनों से पृथ्वी शॉ और आकृति अग्रवाल के रिश्ते को लेकर सोशल मीडिया पर चचाएं तेज थीं। दोनों कई बार एक दूसरे के साथ दिखे, कभी किसी

कार्यक्रम में तो कभी घूमते, और साथ में कई फोटोज भी डालीं। पहले तो लोगों को लगा कि कोई दोस्त है, लेकिन दोनों ने इस सॉफ्ट लॉन्च के जरिए अपने रिश्ते के संकेत दिए। हालांकि, दोनों ने कभी खुलकर कुछ नहीं कहा। आखिरकार आठ मार्च 2026 को शॉ ने सगाई का एलान कर इन अटकलों पर विराम लगा दिया। 2025 में सामने आई थी लव स्टोरी दोनों के रिश्ते की चर्चा तब शुरू हुई जब फैंस ने इंस्टाग्राम पर उनकी हल्की-फुल्की बातचीत नोटिस की। आकृति ने शॉ की पोस्ट पर 'माय परफेक्ट व्यू' (मेरा बेहतरीन नजारा) कमेंट किया, जिस पर शॉ ने जवाब दिया 'आय यू' (अरे तुम!)। यहीं से अफवाहों ने जोर पकड़ लिया। इसके बाद दोनों को मुंबई में कई बार साथ देखा गया। पैपराजी और फैंस ने उन्हें रेस्टोरेंट्स से बाहर निकलते हुए स्पॉट किया, जहां वे अक्सर मैचिंग या एक जैसे रंग के आउटफिट में नजर आते थे। साल 2025 में दोनों ने गणेश चतुर्थी समारोह और कई निजी और सोशल गेदरिंग्स में साथ शिरकत की, जिससे उनके रिश्ते की खबरें और तेज हो गईं। महिला दिवस पर खास एलान पृथ्वी शॉ ने आकृति को अपना 'लकी चार्म' बताया था। दिलचस्प बात यह है कि इस कपल ने अपनी सगाई के लिए आठ मार्च 2026 यानी अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस का दिन चुना। इस खास तारीख ने इस खबर को और भी खास बना दिया और सोशल मीडिया पर यह ट्रेंड करने लगी। शॉ ने सगाई को अपनी सबसे शानदार पारी कहा था। जब फैंस मैदान पर पृथ्वी शॉ के अगले कदम का इंतजार कर रहे थे, तभी भारतीय ओपनर ने मैदान के बाहर ही दिल जीत लिया। शॉ आकृति अग्रवाल के साथ इंस्टाग्राम रील शेयर करते रहते हैं और इसे सोशल मीडिया पर खूब पसंद भी किया जाता है। आईपीएल 2026 के करीब आते ही 26 वर्षीय शॉ काफी सुकून महसूस कर रहे हैं। वह खुश भी नजर आ रहे हैं। कुल मिलाकर, ऐसा लग रहा है कि पृथ्वी शॉ ने मुश्किल भरे कुछ सीजनों के बाद अब अपनी जिंदगी में सुकून पा लिया है। आकृति के साथ शेयर की थी खास रील शॉ ने आकृति के साथ एक खास रील शेयर की थी। इस वीडियो में स्क्रीन पर एक सिंपल सवाल लिखा होता है- तुम दोनों कैसे मिले? इसके बैकग्राउंड में शॉ और आकृति का एक खूबसूरत वेकेशन मोमेंट दिखाया जाता है। जैसे ही दर्शक इसे एक सामान्य कपल रील समझते हैं, वीडियो अचानक एक अलग मोड़ ले लेता है। इसमें एआई से बनाया गया एक विजुअल दिखता है, जिसमें अंदर भगवान को दिखाया जाता है। इस रील के जरिए शॉ ने इशारों-इशारों में बताया कि उनकी मुलाकात भगवान की योजना थी। फैंस को यह अंदाज बेहद पसंद आया और उन्होंने इस पर खूब प्यार लुटाया। लखनऊ से मुंबई तक का सफर आकृति अग्रवाल का जन्म लखनऊ में हुआ, लेकिन उन्होंने अपने करियर के लिए मुंबई का रुख किया। यहां उन्होंने निर्मला मेमोरियल फाउंडेशन कॉलेज से बैचलर ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज की पढ़ाई पूरी की और फिर कंटेंट क्रिएशन की दुनिया में कदम रखा। सोशल मीडिया से मिली पहचान आकृति ने अपने करियर की शुरूआत शॉर्ट वीडियो प्लेटफॉर्म टिकटॉक से की, जहां उनके वीडियो तेजी से वायरल हुए। टिकटॉक बैन के बाद उन्होंने इंस्टाग्राम का रुख किया और वहां अपनी लोकप्रियता को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया। आज उनके तीन मिलियन से ज्यादा फॉलोअर्स हैं और उनकी डिजिटल पहुंच लगातार बढ़ रही है। डिजिटल से फिल्मों की ओर कदम आकृति अग्रवाल अब सिर्फ सोशल मीडिया तक सीमित नहीं हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, वह जल्द ही तेलुगु फिल्म 'त्रिमुखा' से एक्टिंग डेब्यू करने जा रही हैं।

क्या खतरे में है ऋषभ पंत की कप्तानी? लखनऊ सुपरजाएंट्स के मालिक गोयनका ने किया स्पष्ट

नई दिल्ली। आईपीएल 2026 का सीजन शुरू होने जा रहा है, लेकिन इससे पहले लखनऊ सुपरजाएंट्स के कप्तान ऋषभ पंत को लेकर तमाम तरह की अटकलें लगाई जा रही हैं। अब टीम के मालिका संजीव गोयनका ने इस रिपोर्ट्स को पूरी तरह खारिज कर दिया है। लखनऊ सुपर जाएंट्स के मालिक संजीव गोयनका ने कप्तान ऋषभ पंत को लेकर चल रही सभी अफवाहों को गलत बताया है। हाल ही में कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा था कि आईपीएल 2026 से पहले पंत को कप्तानी से हटाया जा सकता है,

लेकिन गोयनका ने इन खबरों को पूरी तरह खारिज कर दिया। उन्होंने साफ कहा कि ये सिर्फ 'फेक रिपोर्ट्स' हैं और टीम का पंत पर पूरा भरोसा है। गोयनका ने की पंत की तारीफ गोयनका ने पंत के स्वभाव और समर्पण की तारीफ करते हुए उन्हें आने वाले सीजन के लिए शुभकामनाएं भी दीं। उन्होंने अपने सोशल मीडिया अकाउंट 'एक्स' पर लिखा, ऋषभ पंत की कप्तानी के बारे में अटकलों को पढ़ा था और मुस्कुराया था। हमने उनके व्यक्तित्व और प्रतिबद्धता को जानने के लिए साथ में काफी समय बिताया है। आपका सीजन शानदार हो, कप्तान। दरअसल, आईपीएल 2025 में पंत का प्रदर्शन उम्मीद के मुताबिक नहीं रहा था। लखनऊ ने उन्हें मेगा ऑक्शन में 27 करोड़ रुपये में खरीदा था, जिसके चलते उनसे काफी उम्मीदें थीं। हालांकि, पंत बल्ले से बुरी तरह से संघर्ष करते हुए नजर आए थे। वह 13 मैचों में सिर्फ 269 रन ही बना सके थे और उनके प्रदर्शन पर सवाल खड़े किए गए थे। यही कारण था कि ऐसी भी अटकलें लगाई जा रही थीं कि लखनऊ टीम आईपीएल 2026 में पंत की जगह पर नया कप्तान चुन सकती है। पंत ने यूजर्स को दिखाया आइना आईपीएल 2025 के दौरान भी ऐसी ही एक खबर सामने आई थी, जब पंत ने स्थिति को संभाला था। एक 'एक्स' यूजर ने सुझाव दिया कि पंत को आईपीएल 2026 सीजन से पहले ड्रॉप किया जा सकता है क्योंकि लखनऊ सुपर जाएंट्स के मालिकों का मानना है कि वह उम्मीद के अनुरूप प्रदर्शन नहीं कर सके। एलएसजी के कप्तान ने इस यूजर को जवाब देते हुए उनसे झूठी बातें फैलाने से पहले थोड़ी समझदारी और भरोसे का इस्तेमाल करने की अपील की थी। पंत के लिए अहम है मौजूदा सीजन गोयनका के इस बयान से यह साफ हो गया है कि टीम मैनेजमेंट पंत के साथ खड़ा है और उन्हें कप्तान के तौर पर पूरा समर्थन मिल रहा है। अब सभी की नजरें आईपीएल पर हैं जहां पंत अपने प्रदर्शन से खुद को साबित करना चाहेंगे। लखनऊ सुपर जाएंट्स इस सीजन अपने अभियान का आगाज एक अप्रैल को दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ लखनऊ के इकाना स्टेडियम में करेगी। पंत के करियर के लिहाज से आईपीएल 2026 के लिए उनके लिए काफी अहम होगा।

क्या 16000+ करोड़ की डील के बाद बदला जाएगा आरसीबी का नाम? अनन्या बिड़ला ने सवाल पर दी यह प्रतिक्रिया

बंगलूरू। 16000+ करोड़ की डील के बाद आरसीबी के नाम बदलने की चर्चा तेज हो गई थी। हालांकि अनन्या बिड़ला के संकेत से साफ है कि टीम का नाम नहीं बदलेगा। आदित्य बिड़ला ग्रुप के नेतृत्व में नया कंसोर्टियम अब और हढछ दोनों टीमों का संचालन करेगा। आईपीएल में रिकॉर्ड डील के बाद रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को लेकर एक बड़ा सवाल सामने आया- क्या टीम का नाम बदला जाएगा? आईपीएल इतिहास की सबसे महंगी फ्रेंचाइजी बनने के बाद फैंस के बीच यह चर्चा तेज हो गई हैं। अब इस सवाल पर आरसीबी के चेयरमैन आर्यमान बिड़ला की बहन अनन्या बिड़ला की प्रतिक्रिया सामने आई है। आदित्य बिड़ला ग्रुप ने खरीदी 100% हिस्सेदारी यूनाइटेड स्पिरिट्स लिमिटेड ने अपनी पूरी हिस्सेदारी एक कंसोर्टियम को बेच दी है, जिसकी अगुआई आदित्य बिड़ला ग्रुप कर रहा है। इस डील में ब्लैकस्टोन, बोल्ट वेंचर्स और टाइम्स ऑफ इंडिया ग्रुप भी शामिल हैं।यह सौदा करीब 1.78 बिलियन डॉलर (लगभग ?16000+ करोड़) में हुआ, जो आईपीएल इतिहास की सबसे बड़ी डील बन गई है। क्या बदलेगा आरसीबी का नाम? डील के बाद सबसे बड़ा सवाल यही था कि क्या नए मालिक टीम का नाम बदलेंगे। इस पर अनन्या बिड़ला का इशारा साफ है। उन्होंने एक पोस्ट को री-शेयर किया, जिसमें बताया गया था कि आरसीबी का नाम नहीं बदला जाएगा। इससे यह लगभग तय माना जा रहा है कि टीम अपनी पुरानी पहचान के साथ ही आगे खेलेगी। 2008 से का हिस्सा, 2025 में जीता पहला खिताब आरसीबी उन आठ टीमों में से एक है, जो 2008 में आईपीएल की शुरूआत से ही लीग का हिस्सा रही हैं। लंबे इंतजार के बाद टीम ने 2025 में अपना पहला आईपीएल खिताब जीता, जिससे इसकी ब्रांड वैल्यू और फैनबेस दोनों में जबरदस्त उछाल आया। महिला टीम भी शामिल डील में यह डील सिर्फ पुरुष टीम तक सीमित नहीं है। आरसीबी की महिला टीम, जो महिला प्रीमियर लीग में खेलती है, भी इस सौदे का हिस्सा है। यानी अब नया कंसोर्टियम आईपीएल और डब्ल्यूपीएल दोनों फ्रेंचाइजी का संचालन करेगा। क्यों खास है यह डील?

इस सीजन सनराइजर्स हैदराबाद के लिए पहला मैच कब खेलेंगे पैट कमिंस?

हैदराबाद। कमिंस ने भरोसा जताया कि बतौर कप्तान ईशान किशन उम्मीदों पर खरे उतरेंगे। उन्होंने कहा कि ईशान ने पिछले साल घरेलू टूनार्मेंट में शानदार कप्तानी की थी। आईपीएल 2026 का आगाज 28 मार्च से होने जा रहा है। सनराइजर्स हैदराबाद को टूनार्मेंट के पहले मुकबाले में मौजूदा चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) से भिड़ना है। पैट कमिंस इंजरी की वजह से टूनार्मेंट के शुरूआती मुकाबले नहीं खेलेंगे। हालांकि, उन्होंने उम्मीद जताई है कि वह दूसरे हाफ और प्लेऑफ के सभी मुकाबलों में हिस्सा लेंगे। पैट कमिंस ने 'बिजनेस ऑफ स्पोर्ट्स' पॉडकास्ट के साथ बात करते हुए कहा कि वह अपनी पीठ की इंजरी से रिकवर कर रहे हैं। उन्होंने कहा, 'मैं अभी भी पीठ की चोट से उबर रहा हूं, लेकिन अब इंजरी पहले से बेहतर है। मैं नेट्स में गेंदबाजी कर रहा हूं। मैं अभी लगभग हर तीसरे दिन गेंदबाजी कर रहा हूं। प्लान के मुताबिक, टूनार्मेंट के बीच तक मेरे पूरी तरह से फिट होने की उम्मीद है। अगर कुछ गलत नहीं हुआ, तो मैं दूसरे हाफ और फाइनल खेलूंगा।' कमिंस ने भरोसा जताया कि बतौर कप्तान ईशान किशन उम्मीदों पर खरे उतरेंगे। उन्होंने कहा कि ईशान ने पिछले साल घरेलू टूनार्मेंट में शानदार कप्तानी की थी। ईशान ने सैयद मुश्ताक अली टूनार्मेंट में झारखंड को अपनी कप्तानी में चैंपियन बनाया था। बल्ले से भी ईशान की हालिया फॉर्म शानदार चल रही है। टी20 विश्व कप 2026 में ईशान ने निरंतरता के साथ रन बनाए थे। हालांकि, कमिंस की गैरमौजूदगी में सनराइजर्स हैदराबाद का तेज गेंदबाजी अटैक काफी कमजोर दिख रहा है। ईशान मलिंगा, हर्षल पटेल, जयदेव उनादकट और शिवम मावी के ऊपर टीम की नैया को पार लगाने की जिम्मेदारी होगी। इसके साथ ही हैदराबाद का स्पिन विभाग भी काफी कमजोर दिखाई दे रहा है।

धोनी को इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर खेलते नहीं देखना चाहते अश्विन

नई दिल्ली। चेन्नई सुपर किंग्स के अनुभवी बल्लेबाज महेंद्र सिंह धोनी एक बार फिर आईपीएल में खेलने के लिए तैयार हैं। धोनी के साथ खेल चुके रविचंद्रन अश्विन का कहना है कि वह नहीं चाहते कि धोनी इस सीजन इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर खेलने उतरें। भारतीय टीम के पूर्व गेंदबाज रविचंद्रन अश्विन का मानना है कि आईपीएल 2026 में महेंद्र सिंह धोनी को इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर नहीं खेलना चाहिए। अश्विन का कहना है कि अगर धोनी बतौर इम्पैक्ट खिलाड़ी खेलते हैं, तो उन्हें पूरा सीजन नहीं खेलना चाहिए। पिछले सीजन खास नहीं रहा था प्रदर्शन मालूम हो कि पिछले दो सीजन से धोनी बल्लेबाजी क्रम में काफी नीचे बल्लेबाजी करने आ रहे हैं। आईपीएल 2025 में उनका प्रदर्शन भी कुछ खास नहीं रहा था। 14 मुकाबलों में धोनी 135 के स्ट्राइक रेट से खेलते हुए सिर्फ 196 रन ही बना सके थे। पूरे सीजन में धोनी एक अर्धशतक तक नहीं लगा सके थे। धोनी के इस फैसले की आलोचना भी हुई थी। नियमित कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ के बाहर होने के बाद धोनी पिछले सीजन कप्तानी करते हुए भी नजर आए थे। अश्विन बोले- हर हाल में प्लेइंग इलेवन में धोनी को होना चाहिए अश्विन ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा, मैं इस बात से सहमत नहीं हूं कि धोनी को इम्पैक्ट खिलाड़ियों की लिस्ट में होना चाहिए। अगर वह स्क्वॉड में हैं, तो उन्हें हर हाल में खेलना चाहिए। अगर वह ऐसा नहीं चाहते हैं, तो धोनी को पूरा सीजन नहीं खेलना चाहिए। मैं इस बात के पक्ष में नहीं हूं कि धोनी इम्पैक्ट खिलाड़ी के तौर पर खेलें। धोनी को प्लेइंग इलेवन में होना चाहिए। अगर वह नहीं खेलना चाहेंगे, तो वह रिटायर हो जाएंगे। उन्हें खुद पर 100 प्रतिशत भरोसा है कि वह अभी खेल सकते हैं। वह पिछले तीन महीने से अभ्यास कर रहे हैं। वह यह मैसेज दे रहे हैं कि मैं खेलना चाहता हूं। आप कुछ भी सोचिए अगर वह खेलना चाहते हैं, तो कोई भी उनसे जाकर यह नहीं कह सकता है कि आप नहीं खेलेंगे। चेन्नई सुपर किंग्स का प्रदर्शन आईपीएल 2025 में निराशाजनक रहा था। टीम ने टूनार्मेंट का अंत सबसे निचले पायदान पर रहते हुए किया था। चेन्नई 14 में से सिर्फ चार ही मैच जीत सकी थी, जबकि 10 मुकाबलों में टीम को हार झेलनी पड़ी थी। हालांकि, इस सीजन चेन्नई ने युवा खिलाड़ियों पर दांव लगाया है और टीम इस बार बेहतर प्रदर्शन करना चाहेगी।

16 साल बाद 30 हजार का इनामी गिरफ्तार

लखनऊ (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ में 30 हजार रुपए का इनामी गिरफ्तार किया गया है। एसटीएफ ने उसे पीजीआई थाना क्षेत्र के वृंदावन योजना सेक्टर-9 से पकड़ा। वह गुजरात के सूरत में की डकैती में 16 साल से फरार चल रहा था। गुजरात पुलिस ने उसकी लोकेशन लखनऊ मिलने पर लखनऊ एसटीएफ से संपर्क किया और मदद मांगी। इसके बाद सूरत क्राइम ब्रांच के सहायक पुलिस निरीक्षक शैलेश राधे बिहारी दूबे अपनी टीम के साथ लखनऊ पहुंचे। यहां उसकी आरोपी की रेकी कर उसे दबोच लिया। गिरफ्तार आरोपी जौनपुर के बदलापुर का शैलेंद्र कुमार सिंह उर्फ राजू सिंह है। टीम ने उसे गुरुवार शाम करीब 5.30 बजे गिरफ्तार किया। अपर पुलिस अधीक्षक अवनीश्वर चंद्र श्रीवास्तव ने बताया कि आरोपी के खिलाफ सूरत (गुजरात) के अदाजन थाने में डकैती का मामला दर्ज है। लंबे समय से फरार रहने पर 30 हजार रुपए का इनाम घोषित कर दिया गया था। उसने पूछताछ में बताया है कि 2009 में नौकरी की तलाश में गुजरात गया था। वहां चार साथियों के साथ मिलकर किराये के मकान में रहने लगा। 2010 में सभी ने मिलकर सूरत में डकैती की। घटना के बाद उसके साथी पकड़े गए, लेकिन वह गिरफ्तारी से बचने के लिए मुंबई भाग गया। कुछ समय मुंबई में रहने के बाद वह अलग-अलग जगहों पर छिपकर रह रहा था और फिर लखनऊ में आकर ठिकाना बना लिया।

लगातार चल रही डेटिंग की अफवाहों पर मलाइका ने तोड़ी चुप्पी

कहा- अपनी शर्तों पर ही किसी रिश्ते में रहेंगी

मलाइका अरोड़ा अक्सर अपने अफेयर की खबरों को सुर्खियों में रहती हैं। अर्जुन कपूर से ब्रेकअप के बाद उनका नाम हर्ष मेहता संग जुड़ता रहा है। इसके बाद जब एक पार्टी में सोराब बेदी संग उनकी नजदीकियां दिखीं तो नए रिलेशनशिप की खबरों को हवा मिली। हालांकि, सोराब बेदी पहले ही साफ कर चुके हैं कि दोनों के बीच दोस्ती से बढ़कर कुछ नहीं है। वहीं, अब हाल ही में मलाइका अरोड़ा ने लगातार चल रही डेटिंग की अफवाहों पर अपनी चुप्पी तोड़ी है और खुलकर बात की है। मलाइका अरोड़ा ने हाल ही में एक बातचीत में कहा, ये सब बहुत परेशान करने वाला हो गया है। मैं अब इसे मजाक की तरह लेती हूं। उन्होंने आगे बताया कि वह और उनके बेटे अरहान खान अब इन सब बातों पर हंसते हैं। मलाइका अरोड़ा का शादी के 19 साल अरबाज खान से तलाक हो गया था। इसके बाद वह अर्जुन कपूर के साथ रिलेशनशिप में रही, लेकिन कुछ सालों बाद उनसे भी एक्ट्रेस का ब्रेकअप हो गया। ऐसे में अब मलाइका का कहना है कि उन्हें पार्टनर की तलाश करने की कोई जल्दी नहीं है, जब होना होगा, तब हो जाएगा। एक्ट्रेस ने कहा, मैं इन चीजों की प्लानिंग नहीं कर सकती। अगर होना होगा तो हो जाएगा। अभी मैं अपनी जिंदगी में जो कुछ भी नया कर रही हूं, उसमें बहुत खुश हूं और सब कुछ जीरो से शुरू करने का जो मौका मिला है, वही मुझे आगे बढ़ने की इंस्पिरेशन दे रहा है। यही मुझे मोटिवेट कर रहा है। हां, पार्टनर होना अच्छा है, लेकिन यह उनके लिए कोई जरूरत नहीं है और अगर उन्हें किसी रिश्ते में रहना होगा तो वह अपनी शर्तों पर ही रहेंगी।

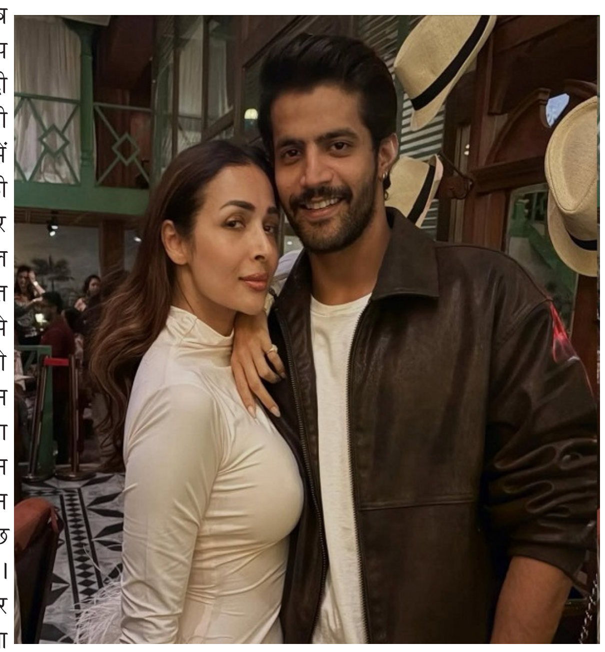

आदित्य धर निर्देशित धुरंधर 2 पर यूट्यूबर ध्रुव राठी ने फिर साधा निशाना, चुनाव आयोग से भी पूछा बड़ा सवाल

फिल्म धुरंधर 2 जब से रिलीज हुई है, तब से ही ध्रुव राठी नाम का यूट्यूबर इस फिल्म पर तंज कस रहा है। हाल ही में एक यूट्यूब वीडियो बनाकर इस यूट्यूबर ने धुरंधर 2 और इसके निर्देशक आदित्य धर को निशाने पर लिया है। जानिए, फिल्म धुरंधर 2 को लेकर ध्रुव राठी ने क्या कहा है? फिल्म धुरंधर 2 ने वर्ल्डवाइड 1000 करोड़ रुपये का कलेक्शन कर लिया है। यह कलेक्शन फिल्म ने आठ दिन में किया है। बॉक्स ऑफिस पर यह फिल्म सफल है। वहीं सोशल मीडिया पर ध्रुव राठी जैसे यूट्यूबर इस फिल्म की खुलकर आलोचना कर रहे हैं। हाल ही में एक

वीडियो बनाकर ध्रुव राठी ने धुरंधर 2 पर निशाना साधा है। इसे एक खराब फिल्म बताया है। ध्रुव राठी ने फिल्म की कहानी पर क्या कहा? ध्रुव राठी ने धुरंधर 2 एक्सपोज्ड नाम का वीडियो यूट्यूब पर शेयर किया है। इस वीडियो में वह आदित्य धर की फिल्म को टारगेट कर रहे हैं। ध्रुव राठी वीडियो में बताते हैं कि यह फिल्म देश का अपमान करती है, इसके सिटीजन को नीचा दिखाती है। आदित्य धर ने व्हाट्सएप फॉरवड्र्स मैसेज से एक सिनेमैटिक यूनिवर्स बना दिया है। ध्रुव ने इस एक लीगल चीट कोड कहा है। दरअसल, फिल्म धुरंधर 2 मेकर्स ने कहा था कि यह काल्पनिक कहानी है, जो असल घटनाओं से प्रेरित है। इसी बात से ध्रुव राठी जैसे कई लोगों को आपत्ति है। यूट्यूबर को लॉजिकल नहीं लगती है फिल्म अपने वीडियो में ध्रुव राठी ने कहा, जरा लॉजिकली सोचिए तो हैरानी होती है कि क्या इसमें कोई तुक है। क्या सिर्फ एक छोटी सी समस्या के लिए इतना बड़ा कदम उठाया (नोटबंदी) जा सकता है? ध्रुव राठी ने अपने वीडियो में आरबीआई की रिपोट्र्स का डाटा भी दिखाया। साथ ही बताया कि नोटबंदी के बाद एटीएम की लाइनों में खड़े कई नागरिकों की मौत हो गई थी, कई लोगों को दिल का दौरा पड़ा था। चुनाव आयोग से भी किए सवाल फिल्म धुरंधर 2 को लेकर ध्रुव राठी ने चुनाव आयोग और सुप्रीम कोर्ट से कुछ सवाल पूछे हैं। वह पूछते हैं कि ऐसी फिल्म बनाना क्यों जायज है। इस फिल्म में एक राष्ट्रीय और राजनीतिक पार्टी को राष्ट्र-विरोधी दिखाया गया है। इस तरह की फिल्म आगे भी बन सकती है, इस बात की चिंता ध्रुव राठी हो रही है।

'स्टाफ ने हमारा पूरा पता बता दिया था'; वरुण ने याद किया वह दौर जब डेविड धवन को मिल रही थी अंडरवर्ल्ड से धमकी

अभिनेता वरुण धवन ने हाल ही में उन दिनों को याद किया, जब उनके पिता डेविड धवन को अंडरवर्ल्ड से धमकी मिली थी। अभिनेता ने बताया कि किस तरह एक बेहद गंभीर परस्थिति ने अचानक कॉमिक टर्न ले लिया था। मशहूर निमार्ता-निर्देशक को 90 के दशक में अंडरवर्ल्ड से मिली धमकी मिली थी। हाल ही में वरुण धवन उस दौर को याद करते नजर आए। 1990 का दशक बॉलीवुड के सबसे काले दौर में माना जाता है, जब कुछ सितारों को काफी परेशानी झेलनी पड़ीं। इंडस्ट्री पर अंडरवर्ल्ड का

साया गहरा गया था। बताया जाता है कि कई फिल्म निमार्ताओं और अभिनेताओं को धमकीभरे कॉल आते थे। माना जाता था कि गैंगस्टरों ने फिल्मों में पैसा लगाया था और निमार्ता गुलशन कुमार और मुकेश दुग्गल की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। उस दौर को याद करते हुए वरुण धवन ने हाल ही में एक ऐसी घटना के बारे में बात की जिसमें उनके पिता, फिल्म निमार्ता डेविड धवन शामिल थे। धमकी भरे कॉल करने वालों से बहस करता था स्टाफ वरुण धवन ने हाल ही में 'युवा' (४५ं) के साथ बातचीत में उस वक्त को याद किया और बताया कि किस तरह उनके परिवार को धमकियां मिल रही थीं। हालांकि, इस मुश्किल भरे और गंभीर वक्त ने अचानक एक मजेदार मोड़ ले लिया था। वरुण धवन ने कहा, 'उस समय लोगों को अंडरवर्ल्ड से कॉल आ रहे थे और हमें भी आ रहे थे। हमें काफी समय से ऐसे कॉल आ रहे थे, लेकिन हमें इसका एहसास नहीं हुआ, क्योंकि हमारे घर का स्टाफ, जो भी कॉल करता था, उससे बहस करने लगता था'। बता दिया था घर का पूरा पता वरुण धवन ने आगे कहा, 'स्टाफ ने तो हमारा पूरा पता भी बता दिया था और उस शख्स को मिलने की जगह भी बता दी थी। कहा था, 'आओ, उस गार्डन में मुझसे मिलो, मैं तुम्हें वहीं पीटूंगा'। वरुण ने आगे कहा, 'जब बात ज्यादा बढ़ गई, तो एक एक्टर ने मेरे पापा को फोन किया और कहा कि अब मामला हाथ से निकल गया है और वह शख्स अब कह रहा है कि वह बंदूकें लेकर आएगा। उसे हमारा पता और ऑफिस का समय पता है। जब मेरे पापा ने पूछा कि यह किसने कहा तो उसने उस स्टाफ मेंबर का नाम लिया। इसलिए उस दिन हमें कहीं और रुकना पड़ा। यह सुनने में फनी है, लेकिन हकीकत में यह बिल्कुल भी फनी नहीं था'। फराह खान ने भी किया था जिक्र इससे पहले फराह खान ने उस समय को याद किया था, जब करण जौहर को धमकियां मिली थीं। फराह खान ने इससे पहले रणवीर अल्लाहबादिया के साथ बातचीत में इसी दौर के बारे में बात की थी। उन्होंने कहा था, 'मुझे याद है कि मैं एक फिल्म सेट पर थी। मैंने अपना करियर शुरू ही किया था कि मुकेश दुग्गल को गोली मार दी गई। प्रोड्यूसर मुकेश दुग्गल की 1997 में अंधेरी के सेवन बंगलों में उनके ऑफिस में गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। फराह ने यह भी बताया कि फिल्ममेकर करण जौहर को उस समय धमकियां मिली थीं, जब उनकी पहली फिल्म 'कुछ कुछ होता है' प्रीमियर के लिए तैयार थी।

क्या द ट्रेटर्स के लिए अनुभव सिंह बस्सी को किया गया था अप्रोच

ओटीटी की दुनिया में चर्चित रियलिटी शो द ट्रेटर्स को लेकर एक नई चर्चा तेज हो गई है कि क्या इस शो के लिए मशहूर स्टैंड-अप कॉमेडियन अनुभव सिंह बस्सी को अप्रोच किया गया था। करण जौहर द्वारा होस्ट किए जा रहे इस शो के दूसरे सीजन को लेकर पहले ही दर्शकों के बीच जबरदस्त

उत्साह है और कास्टिंग को लेकर लगातार अटकलें लगाई जा रही हैं। हालांकि शो के मेकर्स की ओर से अभी तक किसी भी तरह की आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है कि अनुभव सिंह बस्सी को शो का हिस्सा बनने के लिए संपर्क किया गया था या नहीं। सोशल मीडिया और एंटरटेनमेंट गलियारों में इस तरह की खबरें जरूर सामने आ रही हैं, लेकिन फिलहाल यह सिर्फ चचाओं और अफवाहों के दायरे में ही मानी जा रही हैं। द ट्रेटर्स अपने फॉर्मेट के लिए जाना जाता है, जहां विश्वास और धोखे का खेल दर्शकों को बांधे रखता है। ऐसे में हर सीजन की कास्टिंग को लेकर उत्सुकता और बढ़ जाती है। अब देखना दिलचस्प होगा कि क्या अनुभव सिंह बस्सी वाकई इस शो का हिस्सा बनते हैं या यह सिर्फ एक और कास्टिंग चर्चा बनकर रह जाती है।

सालों बाद साथ दिखे शिल्पा शेट्टी और अक्षय कुमार

अवॉर्ड फंक्शन में दोनों की पुरानी केमिस्ट्री देख एक्साइटेड हुए फैंस

अक्षय कुमार और शिल्पा शेट्टी की जोड़ी 90 के दशक की सबसे चर्चित और पसंदीदा जोड़ियों में गिनी जाती है। दोनों ने एक साथ कई फिल्मों में काम किया है। उस दौर में उनकी ऑन-स्क्रीन केमिस्ट्री के साथ-साथ पर्सनल लाइफ को लेकर भी खूब चचार्एं होती थीं। काफी समय बाद हाल ही में एक बार फिर यह जोड़ी साथ नजर आई, जिसे देख फैंस काफी उत्साहित हो गए। पिछले साल एक अवॉर्ड शो के दौरान अक्षय कुमार और शिल्पा शेट्टी एक साथ मंच पर नजर आए। इस दौरान दोनों ने अपने सुपरहिट गाने चुरा के दिल मेरा पर डांस भी किया। दोनों की केमिस्ट्री और एनर्जी देखकर ऐसा लगा मानो 90 का दौर एक बार फिर लौट आया हो। इस खास पल का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो में अक्षय और शिल्पा को एक-दूसरे से बातें करते, हंसते और मस्ती करते हुए देखा जा सकता है। फैंस इस वीडियो पर जमकर रिएक्शन दे रहे हैं। एक यूजर ने लिखा कि यह वीडियो देखकर ऐसा लग रहा है जैसे समय पीछे चला गया हो, वहीं दूसरे ने दोनों की जोड़ी को बेहद खूबसूरत और आकर्षक बताया। कई फैंस ने इस मौके पर इच्छा जताई कि अक्षय और शिल्पा को एक बार फिर किसी फिल्म में साथ काम करना चाहिए। कुछ लोगों का मानना है कि 90 के दशक की यह जोड़ी आज भी उतनी ही दमदार लगती है और दर्शक इन्हें फिर से बड़े पर्दे पर देखना चाहते हैं। बता दें, अक्षय कुमार और शिल्पा शेट्टी ने अपने करियर में कई सफल फिल्मों में साथ काम किया है, जिनमें मैं खिलाड़ी तू अनाड़ी, जानवर और धड़कन जैसी फिल्में शामिल हैं। इन फिल्मों में उनकी केमिस्ट्री को दर्शकों ने खूब पसंद किया था। वर्कफ्रंट की बात करें तो अक्षय कुमार जल्द ही फिल्म वेलकम टू जंगल में नजर आएंगे, जिसमें उनके साथ 90 के दशक की मशहूर अभिनेत्री रवीना टंडन भी दिखाई देंगी। यह फिल्म 26 जून 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। इसके अलावा अक्षय के पास भूत बंगला, हैवान और गोलमाल 5 जैसी कई बड़ी फिल्में भी लाइनअप में हैं।

धमाकेदार सरप्राइज! बर्थडे पर राम चरण का पेड्डी पहलवान लुक हुआ रिलीज

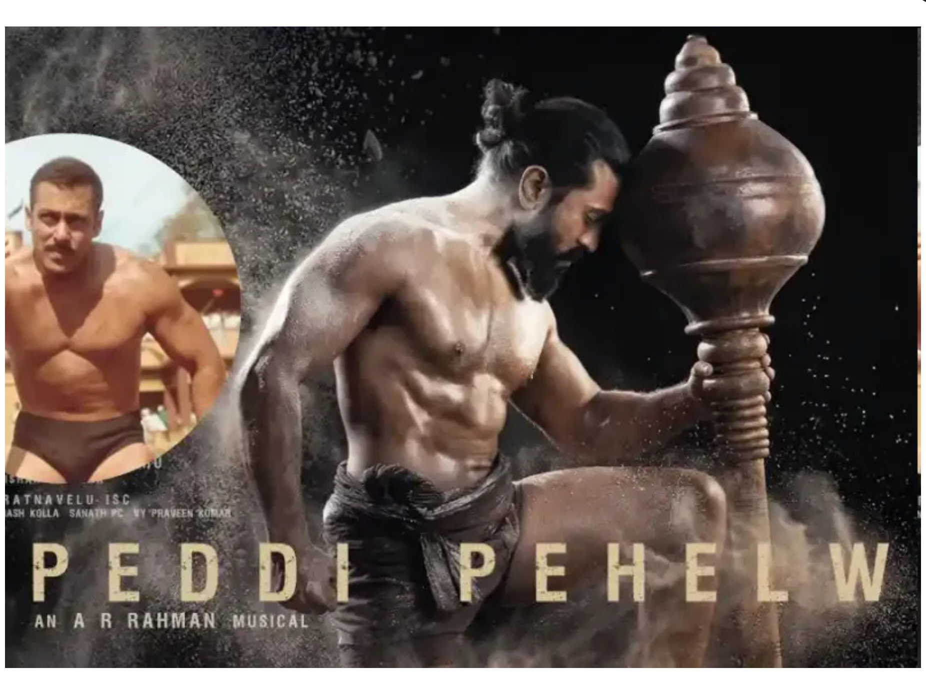

पेड्डी 2026 की सबसे ज्यादा इंतजार की जाने वाली फिल्मों में से एक बनकर उभरी है, जिसमें ग्लोबल स्टार राम चरण लीड रोल में नजर आएंगे। इस फिल्म में जाह्नवी कपूर और जगपति बाबू भी अहम भूमिकाओं में हैं। अनाउंसमेंट के बाद से ही इस प्रोजेक्ट को लेकर फैंस और इंडस्ट्री में जबरदस्त चर्चा बनी हुई है। अब मेकर्स ने शानदार कंटेंट पेड्डी पहलवान रिलीज किया है, जिसमें राम चरण का क्रिकेट से कुश्ती की ओर ट्रांजिशन दिखाया गया है, और यह इंडस्ट्री के बेहतरीन ट्रांजिशन्स में से एक नजर आता है। जी हां, टीम पेड्डी लगातार एक के बाद एक बेहतरीन कंटेंट पेश करने में बिल्कुल भी नहीं रुक रही है। अब तक हमने राम चरण को क्रिकेट अवतार में देखा था, लेकिन अब वह कुश्ती में नजर आ रहे हैं और जिस तरह से उन्होंने यह बदलाव किया है, वह वाकई शानदार है। कुश्ती हमेशा से एक गहराई से जुड़ा हुआ खेल रहा है, और पेड्डी पहलवान में टीम ने इसे जिस तरह से दिखाया है, उसकी ऑथेंटिसिटी को बरकरार रखते हुए, वह काबिले-तारीफ है। दशकों से हमारे सांस्कृतिक इतिहास में कुश्ती का खास महत्व रहा है, और पेड्डी इसे बेहद असली अंदाज में पेश कर रही है। पेड्डी पहलवान अब तक देखी गई सबसे अलग और खास यूनिट में से एक साबित हो रही है। राम चरण की टोंड फिजीक देखना वाकई हैरान कर देने वाला है, और उन्होंने जबरदस्त ट्रांसफॉर्मेशन किया है। वह कुश्ती करते नजर आ रहे हैं और साफ दिखता है कि उन्होंने पहलवान के रोल में खुद को बेहद शानदार तरीके से ढाल लिया है। इसके साथ ही बैकग्राउंड म्यूजिक पूरे जोश को और भी बढ़ा देता है। इसके अलावा, पेड्डी पहलवान में राम चरण का क्रिकेट से कुश्ती की ओर ट्रांजिशन काफी यूनिक है। यह उनके फैंस के लिए किसी बेहतरीन बर्थडे गिफ्ट से कम नहीं है। आरआरआर के बाद उनका यह नया अवतार बेहद एक्साइटिंग लग रहा है। इससे पहले हमने आरआरआर में उनका शानदार ट्रांसफॉर्मेशन देखा था, और अब एक बार फिर उन्होंने खुद को बिल्कुल अलग अंदाज में पेश किया है। यह इंडस्ट्री के सबसे बेहतरीन ट्रांसफॉर्मेशन्स में से एक कहने लायक है। हर नए कंटेंट के साथ पेड्डी 2026 की सबसे ज्यादा इंतजार की जाने वाली फिल्मों में अपनी जगह और मजबूत करती जा रही है। हर कंटेंट रिलीज जबरदस्त तरीके से काम कर रहा है।

कन्या पूजन अनुष्ठान, मुख्यमंत्री ने की मातृशक्ति की आराधना

लखनऊ (संवाददाता)। मातृशक्ति के प्रति असीम श्रद्धाभाव से सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन के लिए अनेक कार्यक्रमों को आगे बढ़ाने वाले मुख्यमंत्री एवं गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ ने वासंतिक चौत्र नवरात्रि की नवमी तिथि पर गोरक्षपीठ की परंपरा के अनुसार कन्या पूजन किया। गोरखनाथ मंदिर के अन्न क्षेत्र में कन्या पूजन अनुष्ठान में सीएम योगी ने नौ दुर्गा स्वरूपा कन्याओं के पांव पखारे, उनका विधि विधान से पूजन किया, चुनरी ओढ़ाई, आरती उतारी, श्रद्धापूर्वक भोजन कराया और दक्षिणा, उपहार देकर उनका आशीर्वाद लिया। मुख्यमंत्री ने परंपरा का निर्वहन करते हुए बटुक पूजन किया। गोरक्षपीठाधीश्वर ने सबसे पहले कन्याओं के पांव पखारे। उनके माथे पर रोली, चंदन, अक्षत आदि का तिलक लगाया। दुर्वा से उनका अभिषेक किया, माला पहनाई। चुनरी ओढ़ाकर एवं दक्षिणा-उपहार प्रदान कर आशीर्वाद लिया। उन्होंने अन्न क्षेत्र में सभी कन्याओं व बटुकों की श्रद्धाभाव से आरती भी उतारी। पूजन के बाद इन कन्याओं को मंदिर की रसोई में पकाया गया ताजा भोजन प्रसाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने हाथों से परोसा। आयोजन में आईं कन्याओं को पूजनोपरांत चुनरी, दक्षिणा और उपहार दिए गए।कन्याओं के अतिरिक्त बड़ी संख्या में पहुंचे बटुकों को भी श्रद्धापूर्वक भोजन कराकर उपहार व दक्षिणा दी गई। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ यह भी ख्याल रखते रहे कि किसी भी कन्या या बटुक की थाली में भोजन प्रसाद की कोई कमी न रहे। इसे लेकर वह मंदिर की व्यवस्था से जुड़े लोगों को निर्देशित करते रहे। कन्या पूजन अनुष्ठान के अवसर पर गोरखनाथ मंदिर के प्रधान पुजारी योगी कमलनाथ सहित कई संत व मंदिर प्रबंधन से जुड़े लोग उपस्थित रहे।

अमेरिका और नाटो में बढ़ती कलह

ट्रंप की धमकी के चलते जी7 की बैठक में रूबियो की होगी अग्निपरीक्षा

वॉशिंगटन (एजेंसी)। फ्रांस में आयोजित जी7 की बैठक ऐसे समय हो रही है, जब अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप पश्चिम एशिया संकट में मदद न करने के लिए नाटो की निंदा कर रहे हैं। पश्चिमी देश भी ईरान युद्ध से खुश नहीं है। ऐसे में मार्को रूबियो को जी7 देशों को ईरान युद्ध पर समर्थन जुटाने के लिए खासी मुश्किलों का सामना करना पड़ सकता है। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो फ्रांस में आयोजित हो रहे जी-7 सम्मेलन में शिरकत करने के लिए अमेरिका से रवाना हो गए हैं। मार्को रूबियो को इस जी7 सम्मेलन में ईरान युद्ध के लिए जी7 देशों का समर्थन जुटाने की मुश्किल चुनौती है, खासकर तब जब अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप नाटो पर तीखा हमला कर रहे हैं। वहीं पश्चिमी देशों में ईरान के खिलाफ युद्ध को लेकर शंका की स्थिति बनी हुई है और अधिकतर देश इस पर आपत्ति जता चुके हैं। ाटो देशों को जमकर लताड़ रहे ट्रंप नाटो के सदस्य देश ब्रिटेन, कनाडा, फ्रांस, जर्मनी और इटली, जी-7 का भी हिस्सा हैं, जबकि जापान इस सैन्य गठबंधन में शामिल नहीं है। रूबियो जब फ्रांस के लिए के लिए वॉशिंगटन से रवाना हुए, ठीक उससे कुछ घंटे पहले ही ट्रंप ने ईरान युद्ध में अमेरिका और इस्राइल का साथ न देने के लिए नाटो देशों की आलोचना की। ट्रंप ने कहा, 'हम नाटो से बहुत निराश हैं, क्योंकि नाटो ने बिल्कुल कुछ नहीं किया।' ट्रंप ने ये भी कहा कि, 'हम नाटो की रक्षा के लिए हैं, लेकिन वे हमारी रक्षा के लिए नहीं हैं।' ऐसे में रूबियो का फ्रांस दौरा, यूरोपीय सहयोगियों के साथ रिश्तों को संतुलित करने की दिशा में भी अहम होगा। नाटो और अमेरिका के बीच बीते कुछ समय से तनाव बना हुआ है। दरअसल ग्रीनलैंड को लेकर ट्रंप के रुख और रूस-यूक्रेन युद्ध में अमेरिका को लेकर भी यूरोप परेशान है। अब पश्चिम एशिया का मौजूदा संघर्ष इस तनाव को और बढ़ा रहा है। अमेरिका पर निर्भरता कम कर रहे नाटो देश फ्रांस रवाना होने से पहले रूबियो ने कहा कि वह जी-7 देशों के विदेश मंत्रियों के साथ अच्छी बैठकों की उम्मीद कर रहे हैं। बाद में उन्होंने एक्स पर लिखा कि वह वैश्विक सुरक्षा चिंताओं, पश्चिम एशिया की स्थिति और रूस-यूक्रेन युद्ध पर चर्चा करेंगे। इससे पहले नाटो महासचिव मार्क रुते ने कहा कि नाटो के सदस्य रक्षा खर्च बढ़ा रहे हैं और अब अमेरिका की सैन्य शक्ति पर अत्यधिक निर्भरता कम करने की दिशा में बदलाव आ रहा है। उन्होंने यह भी दोहराया कि ईरान को परमाणु हथियार हासिल नहीं करने दिए जा सकते। फ्रांस ईरान युद्ध को लेकर नाराज जी-7 बैठक की मेजबानी कर रहा फ्रांस, ईरान युद्ध को लेकर चिंतित है। फ्रांसीसी रक्षा प्रमुख जनरल फैबियन मैंडों ने आरोप लगाया कि अमेरिका ने सैन्य कार्रवाई शुरू करने से पहले सहयोगियों को जानकारी नहीं दी, जिससे उनकी सुरक्षा और हित प्रभावित हुए।

नेपाल में नए युग की शुरूआत, बालेंद्र शाह ने पीएम पद की शपथ ली; हिंदू रीति-रिवाज के अनुसार हुआ कार्यक्रम

काठमांडू (एजेंसी)। नेपाल के नए प्रधानमंत्री बालेंद्र शाह ने आज पीएम पद की शपथ ली। इसके साथ ही वे नेपाल के 47वें प्रधानमंत्री बन गए हैं।

नेपाल के संसदीय चुनाव में बालेंद्र शाह की पार्टी आरएसपी ने ऐतिहासिक जीत दर्ज की थी। भारत के पड़ोसी देश नेपाल में आज से नए युग की शुरूआत हो गई है। राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी के नेता बालेंद्र शाह को आज नेपाल का नया प्रधानमंत्री नियुक्त किया गया। जिसके बाद बालेंद्र शाह को पीएम पद की शपथ दिलाई गई। बालेंद्र शाह नेपाल के 47वें प्रधानमंत्री बन गए हैं। नेपाली मीडिया के अनुसार, राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल ने बालेंद्र शाह को पीएम नियुक्त किया। जिसके बाद बालेंद्र शाह ने नेपाल के नए प्रधानमंत्री पद की शपथ ली। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, सत्ताधारी राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी ने बालेंद्र शाह के नेतृत्व वाली सरकार के लिए 14 मंत्रियों के नाम फाइनल किए हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार, सुदन गुरुंग को देश का नया गृह मंत्री बनाया जा सकता है। जेन जी आंदोलन से चर्चा में आए गुरुंग, गोरखा-2 सीट से चुनाव जीतकर सदन पहुंचे हैं। ाुरुवार को चुना गया था आरएसपी संसदीय दल का नेता राष्ट्रपति कार्यालय ने एक बयान में कहा कि नेपाल के राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल ने शुक्रवार को काठमांडू मेट्रोपॉलिटन सिटी के पूर्व मेयर शाह बालेंद्र शाह को संविधान के आर्टिकल 76(1) के तहत इस पद पर नियुक्त किया। गुरुवार को आरएसपी ने शाह को अपने संसदीय दल का नेता चुना, जिससे उनके देश के 47वें प्रधानमंत्री बनने का रास्ता साफ हो गया। आरएसपी ने हाल के संसदीय चुनावों में लगभग दो-तिहाई बहुमत से बड़ी जीत हासिल की थी। बालेंद्र शाह ने शुक्रवार दोपहर 12:34 बजे राष्ट्रपति कार्यालय में आयोजित एक भव्य समारोह में प्रधानमंत्री पद की शपथ ली। पद और गोपनीयता की यह शपथ हिंदू रीति-रिवाजों के साथ संपन्न हुई। इस अवसर पर सात शंखनादकों ने शंख ध्वनि के साथ मांगलिक शुरूआत की।

इस्राइल से बढ़ाई दोस्ती, खाड़ी देशों का भी करीबी बना भारत

अमेरिकी रिपोर्ट ने बताई नई दिल्ली की रणनीति

वॉशिंगटन (एजेंसी)। भारतीय प्रशासन की ओर से इस्राइल के साथ संबंधों को उत्साहपूर्वक अपनाने पर जोर दिया गया है। इस रिपोर्ट में विदेश मंत्री एस. जयशंकर के एक बयान का भी उल्लेख किया गया है। उन्होंने कहा, ₹इस्राइल एक ऐसा देश है जिसके साथ राष्ट्रीय सुरक्षा में हमारा सहयोग का एक मजबूत रिकॉर्ड रहा है। जब भी हमारी राष्ट्रीय सुरक्षा को खतरा हुआ है, तब यह हमारे साथ खड़ा रहा है।₹ पश्चिम एशिया में बदलते भू-राजनीतिक परिदृश्य के बीच भारत का संतुलित और व्यावहारिक दृष्टिकोण इस्राइल के साथ उसकी रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने की ओर आगे बढ़ रहा है। एक प्रतिष्ठित अमेरिकी थिंक-टैंक 'मिडिल ईस्ट फोरम' की रिपोर्ट के अनुसार, पिछले तीन दशकों में भारत और इस्राइल के बीच रणनीतिक साझेदारी में लगातार वृद्धि हुई है, जो सीमित राजनयिक आदान-प्रदान से शुरू होकर सुरक्षा और प्रौद्योगिकी के एक मजबूत रिश्ते में बदल गई है। आतंकवाद और सुरक्षा चिंताओं से मजबूत हुए रिश्ते दोनों देशों के बीच आतंकवाद, क्षेत्रीय अस्थिरता और सुरक्षा चुनौतियों को लेकर साझा चिंताएं उनके रिश्तों को और प्रगाढ़ करने में मददगार रही हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत के लिए इस्राइल ने रक्षा और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में एक विश्वसनीय भागीदार के रूप में

अपनी पहचान बनाई है। वहीं, नई दिल्ली ने अपनी व्यापक पश्चिम एशिया रणनीति के तहत अरब देशों के साथ भी अपने मजबूत संबंध बनाए रखे हैं। सहयोग का विस्तारः सुरक्षा से लेकर प्रौद्योगिकी तक समय के साथ भारत और इस्राइल के बीच सहयोग का दायरा बढ़ा है। इसमें खुफिया जानकारी साझा करना, मिसाइल सिस्टम, निगरानी तकनीक और आतंकवाद विरोधी प्रयासों जैसे क्षेत्र शामिल हैं। रक्षा नवाचार, साइबर सुरक्षा और उन्नत सैन्य प्रौद्योगिकी में अपनी नेतृत्व क्षमता के साथ, इस्राइल भारत के लिए एक अनिवार्य भागीदार के रूप में उभरा है। महत्वपूर्ण मील का पत्थरः संयुक्त विकास और सह-उत्पादन दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंधों में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर 2025 में हस्ताक्षरित संयुक्त विकास और सह-उत्पादन पर एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) है। यह बदलाव दोनों देशों के रणनीतिक हितों को दशार्ता है। इस्राइल के लिए भारत के साथ सहयोग उसे अपनी साझेदारी में विविधता लाने और अस्थिर क्षेत्रीय माहौल में अपनी कमजोरियों को कम करने में मदद करता है। वहीं, भारत के लिए यह 'मेक इन इंडिया' जैसी पहलों के तहत विदेशी आपूर्तिकताओं पर निर्भरता कम करने और स्वदेशी रक्षा क्षमताओं को मजबूत करने के उसके प्रयासों के अनुरूप है। रक्षा साझेदारी के नए आयाम सह-उत्पादन और प्रौद्योगिकी हस्तांतरण अब इस रिश्ते के मुख्य स्तंभ बन गए हैं। इस्राइल अब भारत के सबसे महत्वपूर्ण रक्षा भागीदारों में से एक है। खुफिया सहयोग, आतंकवाद विरोधी रणनीतियां और सीमा सुरक्षा प्रौद्योगिकी भी महत्वपूर्ण स्तंभ हैं, क्योंकि दोनों देश शत्रुतापूर्ण चुनौतियों का सामना कर रहे हैं। क्षेत्रीय जुड़ाव में वृद्धि पिछले 10 वर्षों में भारत ने व्यापार, निवेश, ऊर्जा और सुरक्षा सहयोग के क्षेत्र में संयुक्त अरब अमीरात, सऊदी अरब और अन्य क्षेत्रीय देशों के साथ भी अपनी भागीदारी को गहरा किया है। कई खाड़ी देशों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को द्विपक्षीय संबंधों के विस्तार में उनकी भूमिका के लिए अपने सर्वोच्च नागरिक पुरस्कारों से सम्मानित किया है।

ईरान ने शुरू किया 'ऑपरेशन ट्रू प्रॉमिस 4' का 83वां चरण, इस्राइल के ठिकानों पर मिसाइलों की बारिश

तेहरान (एजेंसी)। ईरान और इस्राइल-अमेरिका के बीच जारी युद्ध अब तक के सबसे भीषण दौर में पहुंच गया है। ईरानी रिवोल्यूशनरी गाड्र्स (IRGC) ने 'ऑपरेशन ट्रू प्रॉमिस 4' के तहत 83वें चरण के हमले शुरू कर दिए हैं। अब ईरान इस्राइल के तेल डिपो और कुवैत-बहरीन स्थित अमेरिकी सैन्य अड्डों को निशाना बना रहा है। यह हमला ईरानी नौसेना प्रमुख की मौत का बदला बताया जा रहा है। पश्चिम एशिया की धरती एक बार फिर दहक उठी है। ईरान ने शुक्रवार तड़के भीषण हमले कर यह साफ कर दिया है कि वह पीछे हटने के मूड में नहीं है।

ईरानी रिवोल्यूशनरी गाड्र्स (IRGC) ने 'ऑपरेशन ट्रू प्रॉमिस 4' के तहत 83वां चरण शुरू कर दिया है। इस बार ईरानी सेना ने न केवल इस्राइल को चोट दी है, बल्कि खाड़ी देशों में मौजूद अमेरिकी सैन्य ठिकानों को भी निशाना बनाया है। अशदोद के तेल डिपो पर प्रहार न्यूज एजेंसी एएनआई ने ईरानी मीडिया के हवाले से जानकारी दी है कि आईआरजीसी ने आधुनिक बैलिस्टिक मिसाइलों और सुसाइड ड्रोन्स के जरिए इस्राइल के अशदोद में तेल डिपो को निशाना बनाया है। हमले के बाद वहां आग लगने की बात कही जा रही है। इसके अलावा, इस्राइल के सैन्य ठिकानों पर भी सटीक हमले किए गए हैं। ईरान के निशाने पर खाड़ी स्थित अमेरिकी एयरबेस न्यूज एजेंसी एएनआई के मुताबिक, ईरान ने सीधे अमेरिकी अड्डों को अपना निशाना बनाया है। कुवैत के अली अल-सलेम एयरबेस और बहरीन के शेख ईसा बेस पर ईरानी मिसाइलें गिरी हैं।

76 वर्षीय बुजुर्ग को तेज रफ्तार दोपहिया वाहन ने मारी टक्कर, सीसीटीवी में कैद हुआ भीषण हादसा

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई में एक हिट एंड रन मामले में एक अनियंत्रित तेज वाहन ने एक बुजुर्ग को टक्कर मार दी। इस हादसे में बुजुर्ग गंभीर रूप से घायल हुए हैं और उनकी हालत गंभीर है। परिजनों ने पुलिस से आरोपी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

मुंबई के गोरेगांव वेस्ट इलाके में हिट-एंड-रन मामले में 76 वर्षीय एक बुजुर्ग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं और जिंदगी के लिए संघर्ष कर रहे हैं। पुलिस के अनुसार, यह घटना 22 मार्च की शाम करीब 6:40 बजे एमजी रोड पर हुई। पीड़ित की पहचान बाबूलाल चोपड़ा के रूप में हुई है, जो सड़क पार कर रहे थे तभी एक तेज रफ्तार स्कूटर ने उन्हें टक्कर मार दी। हादसे के बाद स्कूटर चालक मौके से फरार हो गया। यह पूरी घटना एक सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। तेज रफ्तार दोपहिया वाहन ने मारी टक्कर घायल चोपड़ा को उनके परिजन तुरंत कोकिलाबेन धीरूभाई अंबानी अस्पताल ले गए। डॉक्टरों के मुताबिक, सिर में गंभीर चोट और अधिक खून बहने के कारण उनकी हालत नाजुक बनी हुई है। मेडिकल टीम उनके हालात पर नजर बनाए हुए है। पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है और उसकी तलाश के लिए अभियान शुरू कर दिया है। आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं ताकि वाहन और आरोपी की पहचान की जा सके। पीड़ित परिवार ने प्रशासन से जल्द कार्रवाई करते हुए आरोपी की गिरफ्तारी की मांग की है।

विमान हादसे, देरी-कैंसिलेशन.. एविएशन सिस्टम में गड़बड़ी! समिति की सिफारिश- जांच के लिए कमेटी गठित हो

नई दिल्ली (एजेंसी)। समिति ने कहा, इस सेक्टर में बार बार सामने आ रही तकनीकी खराबियों, कई बड़े हादसे और डीजीसीए में संसाधनों और क्षमता की कमी गंभीर चिंता का विषय हैं। इन समस्याओं की जड़ तक पहुंचकर समाधान निकालना जरूरी है, ताकि हवाई यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। देश के एविएशन सेक्टर में लगातार सामने आ रही सुरक्षा खामियों को लेकर संसद की एक समिति ने गंभीर चिंता जताई है। समिति ने सिफारिश की है कि नागरिक उड्डयन मंत्रालय एक स्वतंत्र उच्चस्तरीय समिति का गठन करे, जो पूरे सेक्टर में मौजूद सुरक्षा संबंधी सिस्टम की गहराई से जांच करे। रिपोर्ट में व्यापक सुधारों की जरूरत पर जोर दिया गया है। समिति ने कहा, इस सेक्टर में बार बार सामने आ रही तकनीकी खराबियों, कई बड़े हादसे और डीजीसीए में संसाधनों और क्षमता की कमी गंभीर चिंता का विषय हैं। इन समस्याओं की जड़ तक पहुंचकर समाधान निकालना जरूरी है, ताकि हवाई यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। हाल ही में राज्यसभा में पेश परिवहन, पर्यटन और संस्कृति से जुड़ी स्थायी समिति ने साफ संकेत दिया कि समस्या सतही नहीं, बल्कि गहराई तक फैली हुई है। रिपोर्ट के मुताबिक, हाल

ही में हुए हादसे और ऑडिट यह बताते हैं कि एविएशन सुरक्षा व्यवस्था में खामियां छिटपुट नहीं, बल्कि सिस्टम स्तर की हैं। इसका मतलब है कि मौजूदा सुरक्षा ढांचे में कई स्तरों पर कमजोरी है, जिसे सुधारने के लिए बड़े और ठोस कदम उठाने होंगे। समिति ने हाल की कई घटनाओं का जिक्र करते हुए कहा कि ये सिर्फ अलग अलग मामले नहीं है। जबकि पूरे सिस्टम की खामियों को उजागर करते हैं। 12 जून 2025 को अहमदाबाद विमान हादसे में 260 लोगों की मौत हुई। इसके अलावा 23 फरवरी 2026 को झारखंड के चतरा में एयर एंबुलेंस दुर्घटना में 7 लोगों की जान गई, जबकि 28 जनवरी 2026 को बारामती में चार्टर्ड विमान हादसा हुआ। रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि दिसंबर 2025 में बड़ी संख्या में उड़ानें रद्द हुईं और लगातार देरी की समस्या भी सामने आई। इन घटनाओं से साफ है कि समस्या किसी एक एयरलाइन तक सीमित नहीं, बल्कि पूरे एविएशन सिस्टम में गहरी खामियां हैं। 90 दिन में रिपोर्ट दे पैनल समिति ने सिफारिश की है कि नागरिक उड्डयन मंत्रालय एक उच्चस्तरीय पैनल बनाए। जो 2025झ26 के दौरान हुई सुरक्षा चूक की जड़ तक जाकर जांच करे। इस पैनल में डीजीसीए, एएआईबी, एयरलाइन ऑपरेटर, अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा संस्थाएं और स्वतंत्र तकनीकी विशेषज्ञ शामिल हों, ताकि जांच निष्पक्ष और व्यापक हो सके। समिति ने कहा कि यह पैनल 90 दिनों के भीतर अपनी रिपोर्ट सौंपे। रिपोर्ट में यह भी सामने आया कि डीजीसीए में कर्मचारियों की भारी कमी है। कुल 1,630 स्वीकृत पदों के मुकाबले केवल 843 कर्मचारी कार्यरत हैं, यानी करीब 48.3 प्रतिशत पद खाली हैं। 787 पद अब भी भरे नहीं गए हैं। हालांकि मंत्रालय का कहना है, इस कमी का निगरानी योजनाओं पर कोई असर नहीं पड़ा है।

कैलिफोर्निया में मिला कोरोना का वेरिएंट बीए.3.2, गंदे पानी की जांच में हुई पहचान; संक्रमण सीमित

वाशिंगटन (एजेंसी)। कैलिफोर्निया में गंदे पानी की जांच में नया कोरोना वेरिएंट बीए.3.2 सामने आया है। इसमें 70 से 75 म्यूटेशन हैं, जो स्पाइक प्रोटीन में केंद्रित हैं। फिलहाल यह वेरिएंट सीमित मामलों तक ही सीमित है और तेजी से फैलने का संकेत नहीं दे रहा, लेकिन विशेषज्ञ इसे लेकर सतर्क हैं। क्या भारत में भी इस नए स्वरूप की संभावना नजरअंदाज की जा रही है? अमेरिकी कैलिफोर्निया प्रांत में वेस्टवॉटर जांच के दौरान कोरोना का एक नया स्वरूप (वेरिएंट) बीए.3.2 सामने आया है। इसने एक बार फिर संकेत दिया है कि वायरस अभी खत्म नहीं हुआ है, बल्कि यह लगातार स्वरूप बदल रहा है। इसमें बड़ी संख्या में म्यूटेशन पाए

गए हैं, लेकिन अभी तक इसके कारण न तो संक्रमण में तेज उछाल दिखा है और न ही गंभीर बीमारी के स्पष्ट संकेत मिले हैं। ेंटर्स फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन (सीडीसी) के अनुसार बीए.3.2 वेरिएंट की पहचान सबसे पहले कैलिफोर्निया में गंदे पानी यानी वेस्टवॉटर की जांच के दौरान हुई। इस तकनीक से नए वेरिएंट का शुरूआती पता लगाया जाता है। बाद में कुछ मरीजों और अंतरराष्ट्रीय यात्रियों में भी इस वेरिएंट की पुष्टि हुई। बीए.3.2, ओमिक्रॉन परिवार से जुड़ा एक नया सब-वेरिएंट है। वैज्ञानिकों के मुताबिक इसमें लगभग 70 से 75 म्यूटेशन पाए गए हैं, जिनमें से कई स्पाइक प्रोटीन में हैं। यही प्रोटीन वायरस को कोशिकाओं में प्रवेश में मदद करता है। अधिक म्यूटेशन होने के कारण इस वेरिएंट पर वैज्ञानिकों की विशेष नजर है। फैलाव की रफ्तार फिलहाल धीमी हालांकि वैज्ञानिक मानते हैं कि इसके म्यूटेशन इसे फैलने में मदद कर सकते हैं, लेकिन अभी तक यह वेरिएंट बहुत सीमित मामलों में ही पाया गया है।

गिरफ्तारी के बाद निकोलस मादुरो की न्यूयॉर्क कोर्ट में दूसरी पेशी

अदालत के बाहर हुआ जोरदार प्रदर्शन

वॉशिंगटन। अमेरिका द्वारा हिरासत में लिए जाने के बाद गुरुवार को वेनेजुएला के पूर्व राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को अदालत में पेश किया गया। इस दौरान मादुरो के वकील ने पूर्व राष्ट्रपति की गिरफ्तारी को गलत बताया और मामले को खारिज करने की अपील की। इस साल जनवरी की शुरूआत में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के आदेश पर वेनेजुएला की राजधानी काराकस में सैन्य कार्रवाई कर अमेरिकी सैनिकों ने वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को हिरासत में लिया था। मादुरो पर ड्रग तस्करी

का आरोप है। इसके बाद मादुरो को अमेरिका लाया गया, जहां मादुरो के खिलाफ न्यूयॉर्क की अदालत में मुकदमा चल रहा है। गुरुवार को मादुरो को दूसरी बार न्यूयॉर्क कोर्ट में पेश किया गया। गिरफ्तारी के बाद दूसरी बार अदालत में पेश हुए मादुरो न्यूज एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के मुताबिक, 5 जनवरी को अपनी पहली पेशी के दौरान, मादुरो ने अपने खिलाफ अमेरिका द्वारा लगाए गए सभी आरोपों को खारिज कर दिया था और खुद को बेकसूर बताया था। मादुरो ने कोर्ट को बताया कि उनका काराकस स्थित घर से अपहरण किया गया था और वे अभी भी वेनेजुएला के राष्ट्रपति बने हुए हैं। गुरुवार को न्यूयॉर्क की अदालत में सुनवाई के दौरान मादुरो के वकील ने आरोपों को खारिज करने के लिए जज पर दबाव बनाना जारी रखा और तर्क दिया कि अमेरिका, मादुरो के कानूनी फीस के भुगतान के लिए वेनेजुएला सरकार के फंड को रोककर उनके संवैधानिक अधिकारों का उल्लंघन कर रहा है। हालांकि, जज ने मादुरो को अपने कानूनी बचाव के लिए वेनेजुएला के फंड के इस्तेमाल से रोकने के वॉशिंगटन के रुख पर सवाल उठाए, लेकिन केस को खारिज करने से इनकार कर दिया। 3 जनवरी को, अमेरिकी सैन्य बलों ने वेनेजुएला के खिलाफ बड़े पैमाने पर हमला किया और मादुरो और उनकी पत्नी, सिलिया फ्लोरेस को हिरासत में लेकर न्यूयॉर्क ले आए।

Facebook: https://www.facebook.com/profile.php?id=100063787346044 Twitter: https://twitter.com/mantrabharat?t=8tJONQ7H-h6EKqqap2tVMw&s=08 Mobile No: 7007837917

मंत्र भारत : RNI-MPHIN/2023/88414 देवांश प्रिंटिंग प्रेस 12/12 विनय नगर सेक्टर-2 ग्वालियर(म.प्र.) से मुद्रित एंव 433 आनंन नगर डबल रोड बहोड़ा ग्वालियर से प्रकाशित एवं सम्पादित।
E-Mail : mantragwalior@gmail.com । सम्पादक : मनीष शुक्ला, मोबाइल : 7007837917 स्थानीय संपादक- आनंद त्रिवेदी । वैधानिक सूचना : मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे का क्षेत्र ग्वालियर न्यायालय होगा।